खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :26° C
न्यूनतम: 12° C

मुजफ्फरनगर, सोमवार 17 नवम्बर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 306 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 12 विक्रमी सम्वत् 2082 25 जमादिउल उला1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

अन्याय बड़ा हो, तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए: योगी
पेज 2

कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 30 रनों से हराया
खेल टाइम्स

आखिर क्यों नहीं रुकते देश में आतंकवादी हमले
सम्पादकीय

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ जेन-जी का प्रदर्शन
पेज 12

संक्षिप्त समाचार

ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 110 म्यूल बैंक खाते फ्रीज

नई दिल्ली। दिल्ली में ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 110 म्यूल बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और करीब 70 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। एजेंसी को तलाशी के दौरान दुबई-आधारित क्रिप्टोकरंसी वॉलेट के उपयोग के सबूत भी मिले। ईडी ने यह कदम नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की उस शिकायत के आधार पर उठाया, जिसमें नवम्बर 2024 में 82.53 किलो हाई-ग्रेड कोकीन की बरामदगी का मामला दर्ज किया गया था। इस ड्रग की अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब 900 करोड़ रुपये आंकी गई थी। एनसीबी ने इस मामले में पहले ही पांच लोगों को गिरफ्तार कर रखा है। ईडी ने 14 नवम्बर को दिल्ली-एनसीआर और जयपुर में कुल पांच जगहों पर तलाशी ली। इस दौरान 110 म्यूल बैंक खाते फ्रीज (इनमें 73 यूपीआई और डिजिटल वॉलेट से जुड़े खाते शामिल), 70 लाख रुपये नकद, कई डिजिटल डिवाइस और दस्तावेज, दुबई आधारित क्रिप्टो वॉलेट के जरिये धन भेजने के सबूत हैं।

दिल्ली में एक्यूआई 450 पार पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली में ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का लेवल बढ़ गया है। रविवार सुबह 8.30 बजे तक एक्यूआई लेवल 450 से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। उत्तर भारत से बर्फीली हवाएं लगातार चलने से राजस्थान में सर्दी बरकरार है। रविवार को सीकर जिले में कोल्ड-वेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जयपुर, अजमेर संभाग के जिलों में सुबह-शाम शीतलहर (कोल्ड-वेव) का प्रभाव है। इन संभाग के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हो रहा है।शीतलहर ने मैदानी राज्यों में ठिठुरन बढ़ा दी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा और बिहार-झारखंड में ठंड बढ़ गई है। बीते चौबीस घंटे में 2डिग्री से 3डिग्री सेल्सियस तक पारा लुढ़क गया है। राजस्थान के फतेहपुर में 5डिग्री और सीकर में 5.4डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में पारा 10 डिग्री के नीचे चल रहा है। रीवा और नौगांव में पारा 7 डिग्री के आसपास चल रहा है।

सुरेश गोपी को मिला मनोरमा न्यूज न्यूजमेकर पुरस्कार

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को यहां एक समारोह में केंद्रीय पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री एवं अभिनेता सुरेश गोपी को मनोरमा न्यूज़ न्यूज़मेकर पुरस्कार 2024 प्रदान किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने सिनेमा और राजनीति की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट सफलता के लिए सुरेश गोपी की प्रशंसा की। श्री राधाकृष्णन ने युवाओं को प्रेरित करने के लिए देश में सकारात्मक विकास को उजागर करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया और बेजुबानों को आवाज़ देने में पत्रकारिता की ज़िम्मेदारी पर ज़ोर दिया।

दिल्ली लालकिला ब्लास्ट मामले में नया बड़ा खुलासा

सुसाइड बॉम्बर की तलाश में था उमर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली लाल किला ब्लास्ट केस के आतंकी डा. उमर नबी से जुड़े कुछ लोगों को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसने पूछताछ में सामने आया है कि डाक्टरों वाला ये व्हाइट कॉलर मॉड्यूल पिछले साल ही एक सुसाइड बॉम्बर की तलाश में था। इसका जिम्मा डा. उमर पर ही था। वही मॉड्यूल के एजेंडे को लगातार आगे बढ़ा रहा था।

उमर का मानना था कि मॉड्यूल में एक सुसाइड बॉम्बर का होना जरूरी है। अधिकारियों ने बताया हिरासत में काजीगुंड का जसीर उर्फ दानिश भी है। उसके मुताबिक अक्टूबर 2023 में कुलगाम की एक मस्जिद में उसकी डाक्टरों वाले इस टेरर मॉड्यूल से मुलाकात हुई थी। इसके बाद उसे फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी ले जाया गया, जहां किराए के कमरे में उसे रखा गया। मॉड्यूल चाहता था कि वह ओवर-ग्राउंड वर्कर बने, लेकिन उमर ने उसे कई महीनों तक सुसाइड बॉम्बर बनने के लिए ब्रेनवॉश किया। मॉड्यूल की प्लानिंग इसलिए फेल हुई क्योंकि जसीर ने आर्थिक स्थिति खराब होने और इस्लाम में आत्महत्या हराम होने का हवाला देकर सुसाइड बॉम्बर बनने से इन्कार कर दिया था। दिल्ली में सुभाष मार्ग सिग्नल पर 10 नवम्बर को हुए ब्लास्ट में 13 लोग मारे गए थे। 20 से ज्यादा घायलों का इलाज जारी है। 3 की हालत गंभीर है। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग और कुलगाम में एनएसजी ने फर्टिलाइजर्स की दुकानों की तलाशी ली। उनके रिकॉर्ड जांचे गए। साथ ही कार डीलर्स, विस्फोटक मैगजिन, मिलावट करने वाले और संवेदनशील रॉ मटेरियल का मैनेजमेंट करने वाली इंडस्ट्रीज की भी जांच की गई। दिल्ली धमाके के बाद से दिल्ली पुलिस अलर्ट पर है। सेंट्रल दिल्ली में एंटी-टेरर सिक्योरिटी बढ़ाई गई है। शनिवार रात अभियान में पुलिस ने 34 लावारिस वाहन जब्त किए। साथ ही 417 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस ने बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में हथियारबंद जवान तैनात किए हैं। होटल, गेस्ट हाउस, साइबर कैफे, केमिकल शॉप्स और सिम विक्रेताओं पर सघन वेरिफिकेशन चल रहा है। किराएदारों और मजदूरों की जांच भी बढ़ाई गई है। हरियाणा के नूंह में डा. उमर नबी ने एक घर में किराए का कमरा लिया हुआ था। यहां की सुरक्षा बढ़ाई गई है। मकान की मालिक फरार है, जो अल-फलाह यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रिशियन का काम कराने वाले शख्स की बहन है।

दावा: जिसका ब्रेनवॉश किया, उसने इस्लाम में खुदकुशी को हराम बताकर कर दिया था इन्कार

डा. उमर के साथी अमीर को एनआईए ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए कार बम धमाके की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को बड़ी सफलता मिली है। एजेंसी ने उस कश्मीरी निवासी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर के साथ मिलकर इस आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रची थी।

इस हमले में 13 निर्दोष लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 32 अन्य घायल हुए थे। यह गिरफ्तारी मामले की दिशा बदल सकती है और आतंकियों के नेटवर्क को उजागर करने में अहम साबित हो सकती है। एनआईए के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अमीर रशीद अली उस कार का पंजीकृत मालिक है, जिसका इस्तेमाल आत्मघाती हमलावर द्वारा धमाके में किया गया था। प्रारंभिक जांच से सामने आया है कि आरोपी ने हमलावर के साथ मिलकर पूरी योजना तैयार की थी। एजेंसी ने दिल्ली पुलिस से केस अपने हाथ में लेने के बाद आरोपी की तलाश के लिए व्यापक अभियान शुरू किया था। कई राज्यों में खोज अभियान चलाने के बाद आखिरकार अमीर रशीद अली को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी की आतंकियों से संपर्क की अवधि कितनी लंबी थी, वह किस नेटवर्क के संपर्क में था और इस साजिश में अन्य कितने लोग शामिल थे।

इसी के नाम थी धमाके में इस्तेमाल की गई कार

श्रीनगर थाने में ब्लास्ट तेज रोशनी व गर्मी से हुआ : फॉरेंसिक अधिकारी

श्रीनगर/नई दिल्ली। श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में 14 नवम्बर को सैंपलिंग के दौरान हुए ब्लास्ट को फॉरेंसिक टीम ने एक दुर्घटना बताया है। उसने स्पष्ट किया कि यह आतंकी हमला नहीं था। फॉरेंसिक टीम की जांच में सामने आया है कि एफएसएल और एनएसजी की टीम अमोनियम नाइट्रेट, पोटेशियम नाइट्रेट, सल्फर और अन्य केमिकल्स के आखिरी बॉक्स से सैंपल की जांच कर रही थीं, तभी बहुत ज्यादा रोशनी होने के कारण बाहर गर्मी बढ़ी और धमाका हो गया। ये सैंपल दिल्ली ब्लास्ट मामले में फरीदाबाद से जब्त लगभग 360 किलो विस्फोटक सामग्री से लिए गए थे। दरअसल 14 नवम्बर की रात करीब 11.20 बजे नौगाम थाने में ब्लास्ट हो गया, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 32 लोग घायल हो गए थे। इनका 92 आर्मी बेस और एसकेआईएमएस सौरा हास्पिटल में इलाज चल रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी नलिन प्रभात और संयुक्त सचिव (कश्मीर) प्रशांत लोखंडे ने संयुक्त बयान में कहा कि जब्त केमिकल बहुत खतरनाक और संवेदनशील थे। इसलिए टीम ज्यादा सावधानी से काम कर रही थी। इसके बावजूद धमाका हो गया।

घाटी की जगह अब पाक-बांग्लादेश में आतंकियों की भर्ती

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर और दिल्ली में लालकिले के पास धमाके के बाद कई अहम तथ्य उजागर हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आईएसआई भारत में आतंकवाद के लिए अब आतंकियों की भर्ती कश्मीर में करने की बजाए पाकिस्तान व बांग्लादेश में करने लगी है।

ऐसा केंद्र सरकार की घाटी में बढ़ती कार्रवाई के बाद किया जा रहा है। भारतीय सेना में सेंट्रल कमांड के चीफ ऑफ स्टाफ रहे सेवानिवृत लेफ्टिनेंट जनरल रवींद्र प्रताप शाही (एवीएसएम) कहते हैं कि घाटी में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य बलों की सख्ती के चलते पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की कमर टूटी है। वे सख्त निगरानी के कारण लोकल रिक्रूटमेंट नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उन्होंने अब नया पैंतरा अपनाते हुए आतंकियों को बांग्लादेश व पाकिस्तान में बुलाकर प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया है। ये पिछले दिनों की चल रही जांच में सामने आया है। वर्ष 1983-85 व 1994-95 तक कश्मीर के अनंतनाग, पहलगाम और राजौरी में तैनात रहे ले. जनरल आरपी शाही कहते हैं कि संभव नहीं है कि महज तीन-चार माह में 360 किलो विस्फोटक इकट्ठा कर लिया जाए। किसी को शक न हो इसलिए आतंकी संगठनों ने अपने मंसूबों को साकार करने के लिए डाक्टरों को चुना। विदेशी ताकतों ने ट्रेनिंग और वित्तीय मदद की है, जिसका खुलासा इंटरपोल की मदद से जल्द ही होगा। शाही कहते हैं कि जांच एजेंसियां, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की सक्रियता के चलते बड़ी साजिश नाकाम हो गई। अब सेना को एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाने का वक्त आ गया है। कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव कहते हैं कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन ऐसे हमले से भारत को उकसा रहा है कि वह उससे युद्ध करे। वे नहीं चाहते हैं कि भारत विकासशील से विकसित राष्ट्र बने लेकिन हमें इसका माकूल जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ऑपरेशन सिंदूर 2.0 शुरू किया जाए।

केंद्र सरकार की जम्मू- कश्मीर में बढ़ती सख्ती के बाद आईएसआई ने बदली भारत में रणनीति

आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ: थरूर

श्रीनगर। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है। भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है। अब इस पर कठोर और असरदार एक्शन की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं। यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय। हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चश्मे से नहीं परखा जा सकता। आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। थरूर का ये बयान जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम और नेशनल कॉन्फ्रेंस के चीफ फारूक अब्दुल्ला के दिल्ली ब्लास्ट पर दिए बयान पर आया।

कहा: भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा

पीएम ने बुलेट ट्रेन परियोजना टीम के सदस्यों से की बातचीत

सूरत/नई दिल्ली। पीएम मोदी ने सूरत में निर्माणाधीन भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की टीम के सदस्यों से बातचीत की और उनसे समय-सारिणी के लक्ष्यों के पालन सहित परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

प्रधानमंत्री ने देश की सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर (एमएएचएसआर) की प्रगति की समीक्षा शनिवार को की थी और सूरत में निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया था। यह परियोजना देश के हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के युग में प्रवेश का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने समीक्षा के साथ ही बुलेट ट्रेन से जुड़े कई कर्मचारियों बातचीत की। केरल की इंजीनियर ने गुजरात के नवसारी के नॉज़ल बैरियर फ़ैक्ट्री में काम करने का अनुभव साझा किया, जहां रीबार केज वेल्डिंग के लिए रोबोटिक इकाइयों का उपयोग किया जा रहा है। श्री मोदी ने उनसे देश की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण के व्यक्तिगत अनुभव और इस ऐतिहासिक उपलब्धि को परिजनों के साथ साझा करने के बारे में पूछा। प्रधानमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन के निर्माण में योगदान पर गर्व होता है।

जयंत चौधरी रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए

लखनऊ/मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अधिवेशन-2025 में रविवार को जयंत चौधरी सर्वसम्मति से फिर से अध्यक्ष चुने गए हैं। मथुरा के कोसीकलां में रविवार को आयोजित पार्टी अधिवेशन में मौजूद प्रतिनिधियों ने श्री जयंत का स्वागत किया। अधिवेशन में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रस्तावों पर भी व्यापक चर्चा हुई। आर्थिक प्रस्ताव के तहत कृषि भूमि के विभाजन और युवाओं के पलायन को रोकने के लिए गांव-कस्बों में स्थानीय रोजगार सुनिश्चित करने का संकल्प दोहराया गया।

समुद्रयान चेन्नई के ओशन इंस्टीट्यूट में ले रहा आकार

चेन्नई, वार्ता

चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए।

नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50 फीसदी हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। एनआईओटी के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फ्रेम, मत्स्य-6000, कम्युनिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर भारत में ही विकसित किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकास्टिक फोन और सिंटेक्टिक फोम आयात करने पड़े। लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नार्वे की एजेंसी डीएनवी (डेट नार्स्क वेरीटॉस) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है। समुद्रयान का टाइटेनियम मिश्रधातु से बना मुख्य ढांचा एनआईओटी परिसर के असेंबली हाल में आ चुका है। इसे तैयार करने में इलेक्ट्रान बीम वेल्डिंग का देश में पहली बार इस्तेमाल हुआ है। समुद्रयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन है, जिसका मकसद मत्स्य-6000 नाम के मानवयुक्त पनडुब्बी में 3 वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। यह भारत के डीप ओशन मिशन का एक हिस्सा है। इसके तहत समुद्र के संसाधनों और जैव-विविधता का अध्ययन किया जाएगा। 2027 में गगनयान के मानव मिशन के साथ हिंद महासागर में 3 भारतीय एक्वानाट्स समुद्र की गहराई में गोता लगाएंगे। समुद्रयान सागर निधि जहाज से हिंद महासागर पहुंचेगा। 30 मीटर प्रति मिनट की गति से उतरते हुए करीब 4 घंटे में यह 6 किमी की गहराई तक पहुंचेगा। सैंपल कलेक्शन, सर्वे, स्कैनिंग और साइंटिफिक गतिविधियों के लिए चार घंटे मिलेंगे। समुद्रयान के मोबाइल व्हीकल मत्स्य-6000 में एक्वानाट सैंपल लेंगे। मत्स्य-6000 को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें 3 एक्वानाट यात्रा कर सकेंगे। 2.1 मीटर व्यास के व्हीकल में सामान्य रूप से 12 घंटे, इमरजेंसी में 96 घंटे रहने का प्रावधान है। मत्स्य-6000 को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसमें 3 एक्वानाट यात्रा कर सकेंगे। 2.1 मीटर व्यास के व्हीकल में सामान्य रूप से 12 घंटे, इमरजेंसी में 96 घंटे रहने का प्रावधान है।

यान के 50 फीसदी हिस्से स्वदेशी
ये खास वैज्ञानिक पनडुब्बी चार घंटे में 6 किमी की गहराई में पहुंचेगी

मिरगी
घबराएं नहीं उचित इलाज करवाएं

मिरगी कोई भूत-प्रेत, छाया या आत्मा आदि का प्रकोप नहीं है। इसका इलाज नीम-हकीम, फकीर और ढोंगी लोग नहीं कर सकते हैं। इसका इलाज केवल उचित दवाओं द्वारा योग्य डाक्टर ही कर सकते हैं। यह एक साधारण रोग है। इसका इलाज संभव है।

मिरगी के लक्षण

- अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर जाना
- आंखे पथराना
- हाथ-पैर ऐंठ जाना
- मुंह से झाग निकलना
- मुंह एक तरफ हो जाना
- जीभ का बाहर व दांतो के बीच आना
- मुट्ठियां कसना
- गर्दन टेढ़ी पड़ना
- अचानक झटका-सा लगना
- घे-घे-आँ-आँ की आवाज आना

अगर आपमें या आपके आस-पास किसी में इस प्रकार के लक्षण हैं तो विश्व प्रसिद्ध वरिष्ठ मिरगी रोग विशेषज्ञ
डा. अय्यूब हसन 'मार्शल'
के इलाज से लाभ उठाकर हमेशा के लिए मिरगी से छुटकारा पाएं।

डा. अय्यूब हसन 'मार्शल'
M.B.B.S., G.M.C.S. (U.K.), F.C.G.P., F.A.P.S. (U.S.A.)
M.A.P.A.(U.S.A.), M.R.C.S.M.I.P.S., F.I.P.S., M.I.E.A.(INDIA)

- आजीवन सदस्य भारतीय मिरगी एसोसिएशन
- पूर्व सी.एम.ओ., इरविन अस्पताल, नई दिल्ली
- फैलो ऑफ इंडियन साइकैट्रिक सोसाइटी
- पूर्व सी.एम.ओ., जी.बी. पन्त अस्पताल, नई दिल्ली

मिलने का पता
मार्शल चिकित्सा केन्द्र
निकट चन्द्रा टाकीज़ व सैन्ट्रल बैंक के सामने
मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) मो.: 9997411423, 9358348826

नोट जांच कराने वाले रोगी बालों को शैम्पू से धोकर आयें
समय 11 बजे से 5 बजे तक मंगलवार अवकाश
असुविधा से बचने के लिए कृपा पहले से समय लेकर मिलें।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिबंधित कफ सिरप मामले में 28 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में कोडीन युक्त प्रतिबंधित कफ सिरप प्रकरण में शनिवार को अंतर्राज्यीय गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला जायसवाल सहित 28 कारोबारियों के खिलाफ कोतवाली में मामले दर्ज किए गए है। गाजियाबाद पुलिस द्वारा कुछ दिनों पहले प्रतिबंधित कफ सिरप को लेकर बड़े ड्रग रैकेट का खुलासा किया गया था। इस मामले के तार जुड़ते हुए मुख्य आरोपी मैदागिन निवासी शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला प्रसाद तक पहुंचे हैं। इस प्रकरण में उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और पुलिस की जांच में पाया गया कि करोड़ों रुपये की प्रतिबंधित कफ सिरप बेची और खरीदी गई।

सरकारी जमीन पर कब्जे के मामले में गठित एसआईटी टीम ने जांच शुरू की

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अतीक अहमद के गुर्गों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जे के मामले में गठित दो सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) टीम ने रविवार से अपनी जांच शुरु कर दी है। एसआईटी की टीम में शामिल आईजी डा. बलकार सिंह और आवास आयुक्त मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद गोपनीय रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के मरियाडीह और रसूलपुर काशीपुर गांव में 22 आराजियों पर अतीक एवं अशरफ के करीबी जैद खालिद ने कब्जा किया हुआ था। बताया जा रहा है यह जमीन एटीएस को यूनिट स्थापित करने के लिए शासन की तरफ से जारी की गई थी, यहीं पर ईवीएम रखने के लिए वेयरहाउस बनाए जाने का भी प्रस्ताव था।

चुनाव आयोग ने मतदाता विवरण डिजिटलीकरण की समय सीमा बढ़ाई

कोलकाता, वार्ता

■ अब तक लगभग 50 लाख फॉर्म शामिल हो चुके

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गणना प्रपत्रों के माध्यम से एकत्रित मतदाता विवरणों के डिजिटलीकरण को पूरा करने के लिए नवम्बर के अंत तक की समय सीमा तय की है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार बूथ स्तर पर पहले से ही चल रहे डिजिटलीकरण कार्य में अब तक लगभग 50 लाख फॉर्म शामिल हो चुके हैं। सीईओ कार्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर यूनीवार्ता को बताया कि आयोग के निर्देशानुसार रविवार से डेटा प्रविष्टि की गति बढ़ाई जाएगी। पूरी प्रक्रिया महीने के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। राज्य के सीईओ मनोज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार शाम को जिलाधिकारियों और उनके अधीनस्थ चुनाव अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक के दौरान समय सीमा को अंतिम रूप दिया गया। ईसीआई के वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअली तरीके से बैठक में शामिल हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईसीआई की चार सदस्यीय टीम चार नवम्बर से शुरू हुई संशोधन प्रक्रिया की प्रगति का आकलन करने के लिए 18 से 21 नवम्बर तक पश्चिम बंगाल का दौरा करेगी। प्रतिनिधिमंडल में उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती, प्रमुख सचिव एसबी जोशी और मलय मलिक और उप सचिव अभिनव अग्रवाल शामिल होंगे। चार दिवसीय प्रवास के दौरान ईसीआई की टीम कोलकाता, दक्षिण 24 परगना, नादिया, मुर्शिदाबाद और मालदा में एसआईआर कार्यान्वयन की समीक्षा करेगी। गौरतलब है कि यह इस महीने ईसीआई टीम का दूसरा दौरा होगा। यह राज्य में संशोधन प्रक्रिया पर आयोग की करीबी निगरानी को रेखांकित करता है। इससे पहले भारती के नेतृत्व में एक टीम ने उत्तर बंगाल का दौरा किया था और गणना शुरू होने के तुरंत बाद चार जिलों में प्रगति की समीक्षा की। तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा एसआईआर चार नवम्बर को शुरू हुआ और अगले साल मार्च तक समाप्त होने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में आखिरी बार 2002 में इतना व्यापक संशोधन हुआ था।

सरकार को एसआईआर पर घेरेंगे विपक्षी दल

अब नई रणनीति के साथ जनता के बीच जाने की तैयारी

नई दिल्ली, वार्ता

■ बिहार में हार के बाद कांग्रेस ने 12 राज्यों के नेताओं को बुलाया दिल्ली

बिहार में हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2-0 वाले राज्यों के नेताओं को दिल्ली बुलाया है, क्योंकि पार्टी अब नई रणनीति के साथ जनता के बीच जाना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार मंगलवार 18 नवम्बर को सुबह इंदिरा भवन में तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, पुडुचेरी, अंडमान, निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप के पार्टी नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे और इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता विपक्ष राहुल गांधी तथा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस एसआईआर मामले को लेकर जनता के बीच नई रणनीति के तहत जाना चाहती है। क्योंकि मतदाता सूची पुनरीक्षण 2-0 वाले 12 राज्यों में से तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। यही वजह है कि बिहार में मिली हार के बाद पार्टी इन राज्यों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि इंडिया गठबंधन आगामी लोकसभा सत्र में भी एसआईआर पर जोरदार हंगामा करने की तैयारी में हैं। इस मामले को लेकर नवम्बर के अंतिम सप्ताह में कांग्रेस पार्टी दिल्ली की रामलीला मैदान में बड़ी रैली करने की तैयारी में है। गौरतलब है कि एसआईआर 2-0 कार्यक्रम शुरू हो चुका है और यह 4 दिसम्बर तक चलेगा।

मोदी के चेहरे और शाह के चक्रव्यूह के आगे विपक्ष चारों खाने चित: कृपा शंकर सिंह

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने रविवार को बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और गृह मंत्री अमित शाह के चुनावी चक्रव्यूह के आगे विपक्षी महागठबंधन चारों खाने चित हो गया। कृपा शंकर सिंह आज जौनपुर स्थित अपने आवास पर ष्यूनीवार्ताष से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में जीत विकास में विश्वास रखने वाले हर बिहारी की जीत है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास कर रहा है और उनके कार्यों और नीतियों की वजह से बिहार विधानसभा चुनाव में राजग को प्रचंड बहुमत मिला है। जंगलराज और तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को अब बिहार में लूट का मौका नहीं मिलेगा।

स्वाधीनता में वीरों एवं वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय

अन्याय बड़ा हो, तो प्रतिशोध उससे भी बड़ा हो: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ वीरांगना ऊदा देवी ने पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था

■ लखनऊ के पासी चौराहा पर वीरांगना ऊदा देवी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने विदेशी हुकूमतों के चूलों को हिलाने एवं अत्याचार का जवाब देने के लिए 16 नवम्बर 1857 को लखनऊ के सिकंदरबाग में पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेज सैनिकों को ढेर किया था। उनका नाम इतिहास में अमर हो गया।

वीरांगना ऊदा देवी का बलिदान प्रेरणा देता है कि अन्याय बड़ा हो तो प्रतिरोध उससे भी बड़ा होना चाहिए। योगी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी ने अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए देश के क्रांतिकारियों एवं युवाओं को मार्गदर्शन भी दिया। मुख्यमंत्री योगी एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लखनऊ के सेक्टर-19, वृंदावन कॉलोनी स्थित पासी चौराहा पर वीरांगना ऊदा देवी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की स्वाधीनता में वीरों एवं वीरांगनाओं का योगदान अविस्मरणीय है। इस मामले में लखनऊ की भूमि अनोखी है। उन्होंने कहा कि 1857 के प्रथम स्वातंर्त्य समर का केंद्र बिंदु उत्तर प्रदेश ही था। शहीद मंगल पांडेय ने बैरकपुर में इसकी हुंकार भरी थी। धन सिंह कोतवाल ने उसे मेरठ में आगे बढ़ाया था। झांसी में महारानी लक्ष्मीबाई अमर योद्धा के रूप में उसे नेतृत्व दे रही थीं। बिठूर में तात्या टोपे उस लहर को मजबूती प्रदान कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बेगम हजरत महल का भी जिक्र किया और कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी जैसे अमर सेनानियों के साथ मिलकर विदेशी फिरंगियों को भगाने के लिए प्रथम स्वातंर्त्य समर की अमर योद्धा के रूप में वे स्मरण की जाती हैं। वीरांगना ऊदा देवी न केवल नारी शक्ति, बल्कि हर हिदुस्तानी के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में विरासत का सम्मान कर रही है।

जो काम वो नहीं कर पाए, वो योगी कर रहे हैं

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं योगी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि जो काम वो लोग नहीं कर पाए, वो योगीजी कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुगलों के इतिहास को बढ़ा-चढ़ाकर नाम देने वालों ने पासी समुदाय का नाम नहीं दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं तो कभी कल्पना नहीं कर सकता था कि कोई ऐसा मुख्यमंत्री आएगा, जो समाज के बारे में इतना सोचेगा, जो योगी जी ने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि बहराइच में महाराजा सुहेलदेव जी का भव्य स्मारक बनाया गया है, ऐसा ही एक भव्य स्मारक महाराजा बिजली पासी जी का लखनऊ में भी बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जो यह फैसला किया है, इसकी भी सराहना की जानी चाहिए।

एसआईआर को लेकर लठैतवादी दलों का डरना अच्छी बात: मौर्य

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर लठैतवादी दलों का डरना अच्छी बात है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने समाजवादी पार्टी का नाम लिए बगैर इशारों में हमला करते हुए कहा है कि ष्मतदाता सूची के एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद 'लठैतवादी' दलों में जो घबराहट दिख रही है, वह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात है। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए कहा कि 'लठैतवादी' दलों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनर्निरीक्षण (एसआईआर) से डरना अच्छी बात है। अभी तक ऐसे दल लाठियों के बल पर अपनी राजनीति चमकाते थे। लेकिन एसआईआर जैसे नेक कार्य के बाद ऐसे दलों की राजनीति पर हमेशा के लिए विराम लग जाएगा। एसआईआर को लेकर एक दिन पूर्व बिहार विधानसभा चुनाव के रुझान को लेकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा था कि बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है, वह अब देश के अन्य राज्यों में दोहराया नहीं जा सकेगा। उन्होंने दावा किया कि इस 'साजशि' का भंडाफोड़ हो चुका है और आने वाले समय में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश सहित किसी भी राज्य में भाजपा ऐसी रणनीति लागू नहीं कर पाएगी।

सेंसेक्स 84562.78
निफ्टी 25910.05

सोना रु. 125428
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 160656
प्रति किलो

वैश्विक कारकों से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही डेढ़ फीसदी से अधिक की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में वैश्विक कारक बाजार की दिशा तय करेंगे। घरेलू स्तर पर कंपनियों के तिमाही परिणाम कुल मिलाकर अच्छे रहे हैं और बाजार इस समय अपने उच्चतम स्तर के करीब बना हुआ है।

अब निवेशकों की नजर भारत. अमेरिका व्यापार वार्ता की प्रगति पर है। साथ ही अगले सप्ताह आयात-निर्यात के आंकड़े आने वाले हैं जो बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। लगातार दो सप्ताह की गिरावट के बाद बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,346.50 अंक (1.62 प्रतिशत) की बढ़त हासिल कर शुक्रवार को 84,562.78 अंक पर पहुंच गया। पांचों दिन सूचकांक हरे निशान में बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 417.75 अंक यानी (1.64 फीसदी) की साप्ताहिक बढ़त के साथ 25,910.05 अंक पर बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में अपेक्षाकृत कम तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.58 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.98 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा। सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयरों में साप्ताहिक बढ़त देखी गई। अच्छे तिमाही परिणाम के दम पर एशियन पेंट्स का शेयर 11 प्रतिशत उछल गया। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 5.40 प्रतिशत, भारती एयरटेल में 4.88, अडानी पोर्ट्स में 4.34, टीसीएस और सनफार्मा दोनों में 3.76, टेक महिंद्रा में 3.68 और बीईएल में 3.07 प्रतिशत की तेजी रही। सप्ताह के दौरान एलएंडटी का शेयर 2.93 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.75, आईसीआईसीआई बैंक का 2.17, इंफोसिस का 1.70, एक्सिस बैंक का 1.59, टाइटन का 1.48, मारुति सुजुकी का 1.30 और भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.19 प्रतिशत चढ़ा। आईटीसी, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक और हिदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी हरे निशान में रहे।

ट्रेंट में सबसे अधिक 5.09 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट रही। बजाज फाइनेंस का शेयर 4.54 फीसदी, टाटा स्टील का 4.02, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 3.46, इटरनल का 0.78 और कोटक महिंद्रा बैंक का 0.67 प्रतिशत टूट गया।

जीएसटी सुधारों के बाद देश में कृत्रिम धागों से मिलेगी कपड़ा उद्योग को गति

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत नई पीढ़ी के सुधारों में कपास और कृत्रिम धागों (एमएमएफ) पर कर की दर एक समान पांच प्रतिशत कर दी गई है, जिससे कपड़ा उद्योग की रफ्तार और बढ़ने की उम्मीद है। कपड़ा उद्योग पारंपरिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के सकल घरेलू उत्पाद में कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग का योगदान 2.3 प्रतिशत रहा। कुल औद्योगिक उत्पादन में इसका योगदान 13 प्रतिशत और निर्यात में 12 प्रतिशत है। भारत कपड़े और वस्त्रों का दुनिया में छठा सबसे बड़ा निर्यातक है। वित्त वर्ष 2023-24 में 34.4 अरब डॉलर का कपड़ा द्धतैयार वस्त्र और अन्य उत्पाद समेतत्र निर्यात किया गया था और इस क्षेत्र के वैश्विक व्यापार में देश की हिस्सेदारी 3.91 प्रतिशत है। कृषि के बाद यह सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र है। इसमें 4.5 करोड़ लोग सीधे काम करते हैं। कपास उगाने में पानी की काफी खपत के कारण यह अधिक महंगा होता है। यही कारण है कि दुनिया में अब कृत्रिम धागे ही ज्यादा इस्तेमाल किए जाते हैं। जीएसटी के तहत सितम्बर तक कपास पर पांच प्रतिशत और एमएमएफ पर 18 प्रतिशत कर लग रहा था। कारण देश में एमएमएफ का इस्तेमाल अब भी कपास से पीछे है। गत 22 सितम्बर से लागू अगली पीढ़ी के सुधारों में अब कपास और एमएमएफ दोनों पर बराबर कर लगाया जा रहा है।

चावल, गेहूं, दालों में साप्ताहिक तेजी चीनी नरम खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गए। गेहूं और दालों के दाम भी चढ़ गए। चीनी सस्ती हुई जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 76 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,818.29 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई।

गेहूं 11 रुपये की मजबूती के साथ 2,857.13 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटे की कीमत 3,312.86 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग अस्थिर रही। बीते सप्ताह मूंगफली तेल औसतन 149 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सरसों तेल की औसत कीमत स्थिर रही। पाम ऑयल में 21 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त देखी गई। सोया तेल 38 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। सूरजमखी तेल की कीमत 72 रुपये और वनस्पति की 78 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। दाल.दलहनों में साप्ताहिक तेजी रही। चना दाल की कीमत 46 रुपये और मूंग दाल की 50 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। तुअर दाल पांच रुपये और उड़द दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की औसत कीमत स्थिर रही। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। वहीं चीनी 16 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे- दाल-दलहन: दाल चना 7857.75 रुपये, मसूर काली 8098.83 रुपये, मूंग दाल 10089.10 रुपये, उड़द दाल 10372.10 रुपये, तुअर दाल 10506.18 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2857.13 रुपये और चावल 3818.29 रुपये प्रति क्विंटल।

तापमान में हल्की मौसमी गिरावट होने की संभावना

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रदेश के मध्यवर्ती भागों में 18 नवम्बर तक आंशिक शीतलहर की स्थिति बरकरार रह सकती है, तापमान में गिरावट कम होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दिन और रात का तापमान सामान्य से काफी नीचे रहने की वजह से बीती रात इटावा, बरेली, कानपुर, बाराबंकी एवं अमेठी में शीतलहर का असर दिखाई दिया हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में हल्की मौसमी गिरावट होने की संभावना है, जिसके चलते रात एवं भोर के समय प्रदेश के मध्यवर्ती भागों में 18 नवम्बर तक आंशिक शीतलहर की स्थिति बरकरार रह सकती है, वहीं सोमवार से हवाओं की दिशा परिवर्तन के साथ तापमान में गिरावट कम होगी।

मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डा.एके सिंह ने कहा कि प्रदेश में इस समय कोई सक्रिय मौसम तंत्र मौजूद नहीं है, लेकिन पश्चिमी हिमालईय क्षेत्रों से आ रही ठंडी एवं शुष्क उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की जा रही है। आसमान साफ रहने की वजह से रात में विकिरणीय शीतलन बढ़ गया है, वहीं मध्य भारत पर बने प्रतिचक्रवात के प्रभाव से ठंडी हवाओं के अधोगमन ने भी प्रदेश के मौसम को और अधिक शीतल बना दिया है। उन्होंने कहा कि इन सम्मिलित प्रभावों के परिणामस्वरूप पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में दिन और रात दोनों तापमान सामान्य से काफी नीचे बने हुए हैं। हालांकि दिन में धूप निकलने के बाद शीतलहर का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाएगा, लेकिन इस अवधि में अधिकतम तापमान भी सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 17 नवम्बर से हवाओं के दिशा परिवर्तन के साथ तापमान में गिरावट की यह प्रवृत्ति थमने लगेगी तथा ठंड में थोड़ी कमी महसूस होगी। इससे प्रदेश को शीतलहर जैसी स्थितियों से आंशिक राहत मिलने की उम्मीद है। इसी दौरान प्रात:कालीन घंटों में हल्की धुंध व कहीं-कहीं हल्का कोहरा भी पड़ सकता है।

फ्रंटियर टेक्नोलॉजी अपनाने से बदल जाएगी खेती की सूरत

नई दिल्ली। अगर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है ,तो कृषि को डेटा, नवाचार और तकनीक पर आधारित बनाना होगा। यह वास्तव में 'हर किसान तक तकनीक पहुंचाने' की रूपरेखा है, ताकि खेती अधिक लाभकारी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयार हो सके। इस डेटा और फ्रंटियर टेक्नोलॉजी से भारत के खेतीबाड़ी के काम में तकनीकी क्रांति आएगी।

डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन 2-0 में किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना होगा। यह बात नीति आयोग की हाल ही जारी एक खास रिपोर्ट में कही गई है। 'कृषि की पुनर्कल्पना: फ्रंटियर टेक्नोलॉजी आधारित परिवर्तन हेतु एक रोडमैप' नामक यह रिपोर्ट भारत के कृषि क्षेत्र में बड़े तकनीकी बदलाव लाने की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। यह रोडमैप देश के 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बनाया गया है। इस रिपोर्ट ने यह भी कहा है कि केवल तकनीक अपनाने से नहीं, बल्कि उसे 'स्मार्ट तरीके से लागू और जोड़ने' से असली बदलाव आएगा। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था, रोजगार और खाद्य सुरक्षा की रीढ़ है, इसलिए किसानों की आय बढ़ाना और पैदावार को बेहतर करना एक ऐसा जरूरी कदम है, जिस पर प्रगति जारी रखनी होगी। इस रास्ते में प्रमुख रुकावटें जलवायु परिवर्तन, सीमित भूमि, घटती उपज, तकनीकी असमानता, डेटा की कमी और वित्तीय बाधाओं की है। इसके अलावा मिट्टी और दूसरे प्रकार के डेटा की कमी, किसानों के भरोसे का अभाव, डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी को लेकर विभाजन, प्रतिभा की कमी, पूंजी की सीमाएं और नीति असंगति के कारकों को भारतीय कृषि के पिछड़ जाने के अहम बिदु के रुप में देखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का कृषि क्षेत्र ऐसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, जो विकास और पैदावार में बाधा डालती हैं। देश के 86 प्रतिशत किसान छोटी जोत वाले हैं जिनके पास औसतन 0.74 हेक्टेयर भूमि है। खेती की प्रमुख चुनौतियों में कम पैदावार, छोटी जोत और जलवायु परिवर्तन के असर शामिल हैं। कटाई के बाद होने वाला नुकसान सालाना 18 अरब अमे. रिकी डॉलर से अधिक है।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना
खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मंडी से लौट रहे मजदूर को ट्रक ने रौंदा, इलाज के दौरान मौत

मजदूरी से वापस घर लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा

पुलिस ने ट्रक कब्जे में लेकर मुकदमा किया दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। नवीन मंडी से मजदूरी कर घर लौट रहे एक मजदूर को तेज रफ्तार ट्रक ने शनिवार देर शाम कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल मजदूर ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, आवास विकास निवासी अनिल कुमार पुत्र सुरजा नवीन मंडी में मजदूरी करता था। काम समाप्त होने के बाद वह मंडी से पैदल घर लौट रहा था। जैसे ही वह मंडी के बाहर जीटी रोड पर पहुंचा, तभी तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को सीएचसी खतौली में भर्ती कराया, जहां से उसकी नाजुक हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद अनिल की मौत हो गई।

मृतक की भाभी सावित्री देवी पत्नी सुनील ने कोतवाली में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर देकर कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर मंडी चौकी पर खड़ा करा दिया गया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई में जुटी है।

शाहपुर: सोरम की एतिहासिक पंचायत में मंचासीन अतिथि व विचार रखते खाप चौधरी।

किसान व समाज से जुड़े मुद्दों पर हुंकार

तीन दिवसीय महापंचायत का स्वामी ओमानंद ने किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

शाहपुर। क्षेत्र के ऐतिहासिक गाँव सौरम में सर्वजातीय सर्वखाप महापंचायत में पहुंचकर भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन के साथ शुभारंभ किया। इससे पूर्व उन्होंने प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर यज मे भाग लिया। तथा बालियान खाप के मुखिया स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की प्रतिमा का अनावरण किया तथा सर्व खाप के मंत्री रहे स्व. चौधरी कबूल सिंह एवं चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। पंचायत को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सर्वखापों का इतिहास बहुत ही प्राचीन, गौरवशाली एवं यशस्वी रहा है। ब्रिटिश शासन और मुगल आक्रांताओं की दमनकारी नीतियों के उन्मूलन में सर्वखापों ने अपनी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। देश की आजादी में सर्वखापों के वीर बलिदानियों के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। गुलामी के दीर्घकाल में सर्वखापो की स्थिति लुप्त प्राय हो गयी थी। इसकी महत्वतता को जनमानस के पुन प्रतिष्ठापित करने के लिए किसान मसीहा चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत और चौधरी कबूल सिंह का बहुत ही सराहनीय योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वखापो जैसे विशाल संघटन की भूमिकाओं एवं उद्देश्यों को सार्थक बनाने तथा खापों के गौरव को बढ़ाने के लिय: सर्वखाप के सभी चौधरी और थाम्बेदारों को आपसी भेदभाव भुलाकर एक होना चाहिए। यह समय की आवश्यकता है। इससे किसानों का उत्थान होगा और समाज तथा राष्ट्र प्रगतिशील बनेगा। इससे पूर्व गाँव सोरम पहुंचे स्वामी ओमानंद महाराज ने यज्ञ की पूर्णाहुति कर चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। सभा स्थल पर चौधरी नरेश टिकैत एवं राकेश टिकैत तथा सर्व समाज के सभी चौधरी और थाम्बेदारों ने स्वामी ओमानंद महाराज को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सभा को संबोधित करते हुए स्वामी ओमानंद महाराज ने कहा कि सौरम गाँव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है। यहां चौधरी कबूल सिंह और चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत की प्रतिमा आने वाले पीढ़ियों का सदैव मार्गदर्शन करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि गाँव एक कुटुम्ब है उसको छोटा-बडा, अगड़ा-पिछड़ा, ऊंच-नीच के भेदभाव में ना बांटे। विनाश की शक्ति को विकास की शक्ति में लगाएं। इससे कुटुम्ब में समता, समग्रता, संवेदनशीलता और सृजनात्मक शक्ति बढ़ेगी। इसलिये सृष्टि की एकता और जीवन की संपन्नता एवं दिमाग के साथ दिल को भी बडा रखें। भारत माता ग्रामवासिनी है इसलिये सभी भारतीय योजनाएं भी ग्राम पर आधारित होनी चाहिए। जीव, जीवन, जीविका और जैवविविधता संरक्षण की प्राकृतिक व्यवस्था ग्राम व्यवस्था से ही संभव है। किसान को कृषि कहा जाता है। देश की अर्थव्यवस्था, खाद्यान्न व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था में किसानों का बहुत बड़ा योगदान है। भारत किसान और मजदूरों की झोपड़ी में बसा है। पूज्य गुरुदेव स्वामी कल्याणदेव जी महाराज कहा करते थे कि भगवान के दो बेटे हैं किसान और मजदूर। सभी इन्हीं की कमाई खाते हैं। चींटी लेकर हाथी तक पटवारी से लेकर राष्ट्रपति तक। किसान और मजदूर दोंनो ही सदैव खेतों में खलिहानो में, कारखानों में सरहदो पर राष्ट्र और समाज की सेवा के लिये प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी महेन्द्र सिंह टिकैत किसानों का मुकुट, किसानों का गौरव, किसानों का प्रकाश स्तंभ थे। उनका सारा जीवन किसानो के लिया एक वरदान था, संजीवनी था। वह किसान और मजदूरों के सदैव प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। पंचायत को थाम्बेदार चौधरी विवेक सिंह, बाबा प्रमेन्द्र आर्य, चौ. शरणवीर सिंह, चौधरी हुकम सिंह, चौ सुखपाल सिंह, चौ. सचिन जावला, चौ विजेन्द्र सिंह लाटियान, अजय चौधरी, चौ. गजेन्द अहलावत, चौ. अमित बेनीवाल, किसान चिन्तक कमल मित्तल, चौ धनश्याम शर्मा, देवेन्द्र सिंह, चौधरी राजेन्द्र सिंह, चौधरी रामनारायण, डा. आदित्य सिंह, ललित सिंह गुर्जर, कंवरपाल सिंह, जयदेव बालियान, चौधरी वरुण सहरावत, राजीव चौधरी, देवेन्द्र सिंह आदि ने भी संबोधित किया इन सभी को पगड़ी पहनकर सम्मानित किया गया।

छात्र उज्जवल को श्रद्धांजलि देने उमड़ी भीड़

रसम तेरहवी में मुख्य आरोपी प्रबंधक की गिरफ्तारी न होने पर दिखा रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

बुढ़ाना। मृतक छात्र उज्जवल राणा की तेरहवीं कार्यक्रम में उसके बडकता रोड के पास स्थित आवास पर आज रविवार के दिन भारी भीड़ जुटी। लगभग सभी वक्ताओं ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए और मुख्य आरोपी प्रबंधक की गिरफ्तारी की मांग दोहराई। मिली जानकारी के अनुसार छात्र उज्जवल राणा के आवास पर सुबह आठ बजे से ही लोगों का पहुंचना शुरु हो गया था। सबसे पहले उसकी आत्मा की शांति के लिए यज्ञ हवन का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने आहूति दी। उसके बाद उसके चित्र पर सभी ने पुष्प अर्पित कर उसको नमन किया। इसके बाद शोक सभा शुरु हुई। इस शोक सभा में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर संजीव बालियान, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक, जिला पंचायत अध्यक्ष वीरपाल निर्वाल, गठवाला खाप के बाबा चौधरी राजेंद्र सिंह, पूर्व विधायक उमेश मलिक, जिले के सहकारी बैंकों के सभापति ठाकुर रामनाथ सिंह, छात्र नेता वीशू मलिक, त्यागी समाज के नेता मांगेराम त्यागी, जाट महासभा मुजफ्फरनगर के जिलाध्यक्ष धर्मवीर बालियान, चौगामा क्षेत्र के बाबा कृषिपाल सिंह, अनुप राठी एडवोकेट, भाजपा नेता नितिन मलिक, रालोद नेता सुधीर भारतीय, मोनू मलिक, अंकुश राठी, मोनू कुरथल, संयम पंवार, किसान नेता कृष्णपाल तोमर, जगमोहन राणा भडल सहित हजारों लोग मौजूद रहे।

क्या बोले चौधरी नरेश टिकैत:जो मांगे थी वे अभी पूरी नहीं हुई हैं। जिसका हमें दुख है। हमारे पास बागपत जिले के डीएम का भी फोन आया था। वे कह रहे थे कि इस मामले को निपटा दो। हम पीड़ित परिवार के साथ हैं। आज उज्जवल हमारे बीच नहीं है इस बात का बहुत दुख है। उसकी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी। जो धनराशि बाकी है वो जल्द ही पीड़ित परिवार को दे दी जाएगी। मृतक की बहन सलोनी के लिए सरकारी नौकरी की बात भी डीएम से हुई है। कागज़ात संबंधी उसकी जो प्रक्रिया है वह पीड़ित परिवार पूरी करे।

क्या बोले डॉक्टर संजीव बालियान:हम कोई निर्णय लेंगे तो वो ठीक नहीं होगा। हमें आप सभी यह तय करके बता दो कि हमें क्या करना है। प्रशासन भी बताए कि उन्होंने अब तक कौन कौन सी मांग पूरी की है। उन्होंने अपने समाज के लोगों को ये भी कहा कि एक दूसरे पर कोई कटाक्ष ना करो। कॉलेज बंद

हैं। बच्चों की पढ़ाई खराब हो रही है। एक हजार से ज्यादा छात्र हैं। उनका भविष्य चौपट होने लग रहा है। तय करके बताओ अभी कि हमें क्या करना है। हम फिर वो ही करेंगे जो यहां पर तय हुआ है।

क्या बोले धर्मेंद्र मलिक:आप सभी लोग यहां पर रणनिति बनाओ। हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। हमें उज्जवल की मौत का बहुत दुख है।

क्या बोले धर्मवीर बालियान:कुछ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मांगों को पूरा करने के लिए अंतिम संस्कार वाले दिन जो आश्वासन दिए थे वे अब तक पूरे नहीं हुए। हमे रात फरार प्रबंधक की लोकेशन मिली। वह मुजफ्फरनगर के जानसठ रोड पर एक स्कूल की महिला टीचर के घर पर था। हमने पुलिस को बताया लेकिन पुलिस ने उसे तब भी गिरफ्तार नहीं किया। नामजद पुलिसकर्मियों को ये पकड़ ही नहीं रहे। इसके अलावा सपा विधायक पंकज मलिक तो पांच लाख रूपये की घोषणा अखिलेश यादव की तरफ से कर गये थे। उसका चेक पीडित परिवार को परसों को मिल जाएगा। उधर हमें डीएम ने आश्वासन दिया है कि फरार आरोपियों की कुर्की की जाएगी। फिलहाल पीड़ित को साढ़े सात लाख रुपये दे दिए गये हैं।

क्या बोले एडवोकेट अनुप सिंह राठी:जिला आर्य प्रतिनिधि सभा इस कांड से दुखी हैं। ये शिक्षा माफिया अब किसी को भी नही बख्श रहे। सरकार का भी आदेश है कि गरीब बच्चों को पी पढ़ाएं लेकिन ये पढ़ा नहीं रहे। इन भू-शिक्षा माफियाओं ने उज्जवल को इतना टार्चर किया कि उसको आत्महत्या करनी पड़ी। हम उज्जवल का केस बिल्कुल फ्री में लड रहे हैं।

क्या कहते हैं कृषि पाल:उज्जवल ने बहुत ही गलत किया। अभी दो आरोपी ही गिरफ्तार हुए हैं। उन्होंने यहां धर्मेंद्र मलिक का भी आभार जताया और कहा कि वे इस मामले में विगत दिवस जिले के अफसरों से मिले और उनको चेताया। पीड़ित परिवार को जो भी हमारा सहयोग चाहिए वो हम देंगे।

शिक्षिका आकांक्षा चौधरी क्या बोली:मैं निशब्द हूं। ये बच्चे अब कहां पढ़ेंगे। आगामी 26 नवम्बर को एग्जाम हैं। तैयारी कुछ भी नही है। में यहां घोषणा करती हूं कि इस कालेज में पढ़ने वाले सभी बच्चों को उनका भविष्य बनाने के लिए फ्री में पढ़ाऊंगी।

क्या बोले मोनू मलिक:यह छोटी शहादत नहीं है। दस मांगों की बात हुई थी लेकिन कुछ जन प्रतिनिधि अधिकारियों से बंद कमरे में बात कर रहे हैं। दस मांगे पूरी होनी चाहिएं। इससे पहले कोई समझौता नहीं। यह समाज जिसको उपर चाहेगा उसे उपर कर देगा नहीं तो धोखा करने वालों को धरती में उतार देगा।

क्या कहते हैं राजीव गर्ग:दुख की घड़ी है। उज्जवल ने खराब सिस्टम के साथ लड़कर अपनी जान गंवा दी। जिसका हमें बहुत दुख है।

क्या बोले पूर्व सैनिक ब्रजपाल सहरावत:छात्र के साथ पुलिस का रवैया सही नहीं था। इस कांड की हम जबरदस्त निंदा करते हैं। हम पीडित परिवार के साथ खड़े हैं।

बुढ़ाना पुलिस रही अलर्ट:इस दौरान बुढ़ाना कोतवाल सुभाष बाबू अत्री, पुरकाजी थानाध्यक्ष जयबीर सिंह, एसएसआई ललित शर्मा, सब इंस्पेक्टर छविकांत चौहान पूरे समय व्यवस्था बनाते हुए देखे गये। मुख्य रास्ते पर बेरिकेटिंग लगा दी गयी थी ताकि अव्यवस्था ना बने। सभी आगंतुको के वाहन बाहर बड़ौत बाइपास पर खड़े करवा दिए गये थे। आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था कुर्सियों के अलावा जमीन पर बिछे दरे व चांदनी बिछाकर की गयी थी। समीपवर्ती जनपद के बागपत से भी काफी लोग आए हुए थे। वैसे आज इतनी भीड़ नहीं थी जितनी अंतिम संस्कार वाले दिन थी।

ये लोग भी रहे मोजूद:रालोद विधानसभा अध्यक्ष रविंत राठी, जग मोहन राणा, प्रवीण राणा, भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष सुधीर पंवार, मास्टर राजकुमार, आशीष जैन, मुकेश भार्गव सूबेदार, सुनील बालियान, मास्टर सुखबीर सिंह भडल, रवि, मास्टर सुखबीर, गौरव बड़ौत, अमित वेदवान धनोरा, भारत ठाकुर, भाकियूअ नेता जाबिर राणा, छात्र नेता मुजफ्फरनगर विशाल सिंह, मनीष कालखंडे, बाबा मांगेराम निरपुडा, बिटटू सिखेडा, छात्र नेता वसीम राणा।

कुछ नहीं हुआ तय:शोक सभा का समापन गायत्री मंत्र और ओम शांति पाठ के साथ बिना कुछ तय किए हुआ। बस नेताओं ने ये ही कहा कि हमें पीड़ित परिवार जो तय करके बता देगा उसी पर अमल हो जाएगा।

सहायता राशि लेने से कर दिया था इंकार:पीड़ित परिवार को जब धनराशि दी गयी तो उसने लेने से इंकार कर दिया था लेकिन पूर्व मंत्री डाक्टर संजीव बालियान और धर्मेंद्र मलिक के हस्तक्षेप के चलते काफी जद्दोजहद के बाद मृतक की बहन सलोनी को उक्त धनराशि बेटी बनाकर दी गयी।

मुस्लिम पासमांदा समाज ने आतंकवाद का पुतला फूंका

प्रदर्शन कर पाकिस्तान को बताया मानवता का दुश्मन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। राजधानी दिल्ली के लाल किले में हुई आतंकी घटना के विरोध में मुस्लिम पसमांदा समाज द्वारा आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

रविवार को समाज के लोग आतंकवाद विरोधी नारे लिखी तख्तियां लेकर अहिल्या बाई चौक पर एकत्र हुए और आतंकवाद का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों ने हिंदुस्तानी पसमांदा मंच के बैनर तले में हाथों में तख्तियां लेकर 'आतंकवाद मुर्दाबाद' और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए। पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिफ मुनीर, हाफिज सईद और अन्य आतंकी तत्वों की गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें मानवता का दुश्मन बताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि आतंकवाद किसी धर्म या समुदाय का नहीं होता, बल्कि यह मानवता के मूल्यों पर हमला है। उन्होंने सरकार से मांग की कि लाल किले पर हुई घटना की कठोरता से जांच की जाए। तथा दोषियों पर सख्त कार्रवई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल सतर्क रहा और पूरं कार्यक्रम को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराया गया। मंच के अध्यक्ष शमशाद मीर, राष्ट्रीय प्रवक्ता रिजवान अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इदरीस खान, डॉ. मुनफैत पदाधिकारी और समाज के लोग मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर: आतंकवाद का पुतला फूंकते पसमांदा समाज के लोग।

जाम के झाम में फंसा रहा शहर

मुजफ्फरनगर। शहर में दिन भर जाम लगा रहा। शहर के अति व्यस्त क्षेत्र भगत सिंह रोड सहित अन्य मार्ग दिनभर जाम के झाम में फंसे रहे जिससे यहां पैदल चलना भी मुश्किल रहा।

स्थिति इतनी विकट रही कि यातायात पुलिस को घंटो की मुशक्कत के बाद व्यवस्था को सुचारू करने के लिए प्रभावी कदम उठाने पडे। लगातार बिगड रही यातायात व्यवस्थाएं जहां शहरवा. सियों की मुश्किले बढ़ा दी गई है यातायात विभाग की भी चिंता बढ़ रही है। दिनभर लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान की दूरी तय करने के लिए घंटो का सफर तय करना पड रहा है। स्कूली वैन व अन्य वाहनों में स्कूल जाने वाले बच्चों को भी जाम के बीच में फंसकर देर से स्कूल व घर लौटना पडता है।

मुजफ्फरनगर: गांधी पॉलीटैक्निक में रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित पूर्व छात्र।

गांधी पॉलीटैक्निक में पुरातन छात्रों का किया गया सम्मान

स्वर्ण जयंती एवं रजत जयंती एलुमनी-डे समारोह का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। गांधी पॉलिटेक्निक एलुमनी एसोसिएशन द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'एलुमनी डे' एवं 1975 व 2000 वर्ष के पासआऊट्स छात्रों के सम्मान में भोपा रोड स्थित गांधी पॉलिटेक्निक परिसर में क्रमश: स्वर्ण एवं रजत जयन्ती समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रुप में पधारे उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मन्त्री स्वतन्त्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि गांधी पॉलिटेक्निक मुज़फ्फरनगर के प्रधानाचार्य इं. राजीव सिंह, संरक्षक इं. सतीश शर्मा, इं. देवेन्द्र गर्ग, एलुमनी एसोसिएशन अध्यक्ष इं. अजय सक्सेना, पूर्व मुख्य अभियन्ता इं. सुशील कुमार शर्मा, सचिव इं. बसन्त कुमार गोयल, मुख्य संयोजक एसडीओ इं. बबलू सिंह ने संयुक्त रूप से विद्या, ज्ञान एवं बुद्धि की देवी मां सरस्वती, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व शिक्षाकृषि संत वीतराग स्वामी कल्याणदेव की प्रतिमा के सम्मुख श्रद्धा-सुमन अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

रमेश कैस्टो ग्रुप के कलाकारों, इं. शिशिर गोयल, अनुज वर्मा ने गायन की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर वाहवाही लूटी।

इस अवसर पर 2025-27 के लिए हुए द्विवार्षिक चुनाव में प्रधानाचार्य इं. राजीव सिंह, इं. सतीश शर्मा व इं. देवेन्द्र गर्ग को संरक्षक, इं. अजय सक्सेना, अध्यक्ष (उत्तर प्रदेश), इं. बबलू सिंह अध्यक्ष (उत्तराखंड), इं. बसन्त गोयल, सचिव, परियोजना प्रबन्धक इं. मथन सिंह विकल वरिष्ठ उपाध्यक्ष, इं. सुरेश गर्ग उपाध्यक्ष, इं. अभय गर्ग कोषाध्यक्ष, इं. अंकुर देशवाल ऑडिटर, इं. नीरज कौशिक संयुक्त सचिव व इं. विपिन शर्मा, मुख्य संयोजक रजत जयन्ती बैच 2001 चुने गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. अजय सक्सेना व संचलन इं. बबलू सिंह एवं सचिव इं. बसन्त कुमार गोयल ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्य अतिथि मन्त्री कपिल देव अग्रवाल ने अपने परिवार के भरण-पोषण के साथ-साथ गरीबों, वंचितों व जन-मानस के लिए कार्य का आह्वान किया उन्होंने स्वदेशीकरण की सुदृढता पर बल दिया, विशिष्ट अतिथि इं. राजीव सिंह, प्रधानाचार्य गांधी पॉलिटेक्निक मुज़फ्फरनगर ने पुरातन व वर्तमान छात्रों को सफलता के गुर बताए। इस अवसर पर देश-विदेश से पधारे इं. मनीष गोयल, इं. नेत्रपाल, इं. मती श्वेता रस्तौगी, इं. यशपाल, इं. हेमन्त सिंह, इं. शत्रुध्न त्यागी, इं. आकाश अग्रवाल, इं. नवीन चौहान, इं. रजनीश सैनी, इं. रामकुमार, इं. अमित सैनी, इं. अशोक कुमार, इं. सुभाष चन्द, इं. सुशील कुमार, इं. अनुज कुमार सिंह, इं. सलोनी कुमार, सहायक निदेशक विद्युत सुरक्षा बरेली इं. निर्भय सिंह आदि पच्चीस वर्ष पूर्व के पुरातन छात्रों को सपरिवार सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम आयोजन में पुरातन छात्रों पूर्व अध्यक्ष इं. सचिन अग्रवाल, पूर्व उपाध्यक्ष इं. प्रशान्त कुच्छल, संयुक्त सचिव इं. नीरज कुमार, ऑडिटर इं. सतीश कुमार, कार्यकारिणी सदस्य इं. सतीश प्रजापति, इं. विपिन शर्मा, मुख्य अभियन्ता इं. नरेश कुमार रस्तौगी, इं. नीरज गुप्ता, इं. मथन सिंह विकल, परियोजना प्रबन्धक, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लिमिटेड, सहारनपुर मन्डल, इं. प्रदीप चौधरी, शाखा प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक सहित कॉलेज स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

सीएएसएफ ने सड़क दुर्घटनाओं पर जताई चिंता

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। मोरना में रविवार को केंद्रीय एम्बुलेंस सेना बल (सीएएसएफ) आपात सहायता संस्था की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदा. धिकारियों और संस्था से जुड़े सदस्यों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निरंतर सेवा कार्य करने के निर्देश दिए गये।

संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरिफ अंसारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ता आंकड़ा चिंता का विषय है। आये दिन सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है।

सडक हादसों को रोकने के लिए विशेष जागरूकता अभियान व उच्च तकनीकी प्रबंध की आवश्यकता है।

संस्था के सभी सदस्य दुर्घटना की सूचना मिलते ही

तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराएं तथा आवश्यकता पड़ने पर उन्हें नजदीकी अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रत्येक सदस्य अपनी जिम्मेदारी को संवे. दनशीलता के साथ निभाए। बैठक में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। जल्द ही संस्था के द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से संस्था के संस्थापक रजत कुमार, हरिद्वार हेड कमांडर चौधरी योगेन्द्र पंवार, अख्तर अली, सदस्य अर्जुन सिंह, परमजीत, ताहिर हसन, इंतजार, भूरा हसन, प्रदीप कुमार, नौमान आलम, सुहेल, नवाजिश आलम, कुलदीप कुमार, जमशेद मौजूद रहे।

सचल ग्राम न्यायालय में पांच वादों का निस्तारण

शाह टाइम्स संवाददाता

खतौली। नगर पालिका परिषद खतौली के सभा कक्ष में सचल ग्राम न्यायालय का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीठासीन अधिकारी एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दिव्य प्रताप सिंह निमेश ने की। उन्होंने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सुलह-समझौता हेतु चिन्हित 12 वादों में से 5 वादों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इस दौरान उपस्थित वादकारियों एवं अधिवक्ताओं ने न्यायालय की इस पहल की सराहना की।

पीठासीन अधिकारी दिव्य प्रताप सिंह निमेश ने बताया कि सचल ग्राम न्यायालय के माध्यम से न्याय व्यवस्था को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे वादों का निस्तारण अब बिना जटिल कानूनी

प्रक्रियाओं के त्वरित एवं सरल रूप से संभव होगा। यह ग्रामीण एवं जरूरतमंद वादकारियों के लिए अत्यंत लाभकारी पहल है। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन खतौली के अध्यक्ष नवीन उपाध्याय तथा महासचिव प्रदीप कुमार एडवोकेट सहित अनेक अधिवक्ता एवं वादकारी मौजूद रहे। बार पदाधिकारियों ने भी इस व्यवस्था को आमजन के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

धूमधाम से निकाली गई जैन पंचायती मंदिर में पालकी यात्रा

मोरना। श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर तिस्सा में पालकी यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे बैंड बाजों के बीच भव्य पालकी यात्रा मे श्रद्धालुओं ने भाग साथ ही सम्मान समारोह मे अथितियों को सम्मानित किया गया।

तिस्सा गांव मे आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सहारनपुर से आए हकीमजी परिवार व विशिष्ट अतिथि आर. के. जैन बिजनौर सुनील जैन दिल्ली ने दीप प्रज्जवलित कर किया। देवेन्द्र जैन दिल्ली, कैलाश जैन दिल्ली ने चित्र का अनावरण किया। इसके बाद उमेश जैन सहारनपुर ने भगवान पार्श्वनाथ को विराजमान किया। सारथी अमोल जैन भोपा, संजय जैन भोपा, आशीष जैन मेरठ, सुरेश जैन दिल्ली रहे। नित्य पूजन मधुबन जैन शास्त्री ने किया। तत्पश्चात मंदिर में विधि-विधान पूजन से पालकी यात्रा का शुभारंभ किया गया, जो गांव के विभिन्न मार्गो से होती हुई वापस मंदिर पहुंची, जिसमें दूरदराज क्षेत्रों से आई अनेक महिलाओं ने कलश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के पश्चात मंदिर में विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया व गरीबों को कम्बल वितरित किये गये। कार्यक्रम का संचालन रमेशचंद जैन व समीर जैन ने किया। इस अवसर पर सुशील जैन दिल्ली, मुकुल जैन भोपा, प्रमोद जैन सरधना, अजय जैन आदि सहित सैकडों की संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

मोरना: पालकी यात्रा निकालते जैन श्रद्धालु।

श्रीमद् भागवत कथा सुनने आए कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार

पुरकाजी। विधानसभा क्षेत्र के सत्य विहार कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने शनिवार रात्रि को पहुँचकर कथा व्यास पूजनीय रविन्द्र आचार्य महाराज के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए

कैबिनेट मंत्री ने कथा के दौरान पूज्य आचार्य जी दिव्य उपदेशों का बड़े श्रद्धा-भाव से श्रवण किया उनके पावन चरणों में प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का अमृतमय संदेश समाज में एकता, भाईचारा, सद्भावना और

धर्ममय जीवन की प्रेरणा देता है। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. संदीप वर्मा भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय पंवार,मंडल महामंत्री विपिन गोयल, राष्ट्रीय लो. कदल के नेता अमित गोयल अमित कश्यप शिवकुमार पाल, बाबूराम कुमार, पप्पू धीमान, मलखान सैनी नीरज सैनी आदी सैकड़ों धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

ट्रक हादसे के अगले दिन ट्रक मालिक व गन्ना ठेकेदारों में मारपीट

शनिवार रात ट्रक के पलटने से कार सवार हो गये थे घायल

मीरापुर। दिल्ली,पौड़ी राजमार्ग पर ग्राम पुटी इब्राहिमपुर के निकट हुए भीषण सड़क हादसे के अगले ही दिन मामले को लेकर ट्रक मालिक व गन्ना ठेकेदारों में जमकर हंगामा हो गया।

शनिवार की रात हुए दुर्घटना में गन्ने से भरा ट्रक कार पर पलट गया था, जिससे सहारनपुर निवासी जुनेद व सुहैल पुत्रगण मेहमूद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और पुलिस व क्रेन की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोनों की हालत अभी स्थिर बताई जा रही है। हादसे के दूसरे दिन, आज 16 नवंबर 2025 को थाना रामराज पुलिस गश्त के दौरान माडर्न इंटर कॉलेज मैदान के सामने पहुंची, जहां ट्रक हादसे को लेकर पक्षों के बीच विवाद तीखा हो चुका था। जानकारी के अनुसार, ट्रक मालिक आमिल पुत्र कासिद निवासी मोहल्ला कमलियान थाना मीरापुर, गन्ना ठेकेदार प्रवीण लांबा पुत्र महेंद्र सिंह निवासी बटावली थाना बहसूमा मेरठ, तथा गन्ना क्रय केंद्र इंचार्ज विनोद पुत्र ईश्वर सिंह निवासी घटायन उत्तरी थाना जानसठकृतीनों आपस में ट्रक में भरे गन्ने, दुर्घटना की जिम्मेदारी और ट्रक पलटने को लेकर गाली-गलौज और मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफी समझाने-बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आमिल, प्रवीण व विनोद शांत होने को तैयार नहीं हुए। तीनों जोर-जोर से चिल्लाते हुए एक-दूसरे को धमक. ाने लगे, जिससे वहां मौजूद भीड़ इकट्ठा हो गई। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी को हिरासत में लेकर शांति भंग की धाराओं में चालान कर दिया गौरतलब है कि टिकोला शुगर मिल क्षेत्र से रोजाना भारी संख्या में गन्ना ट्रक गुजरते हैं, और अव्यवस्थित आवाजाही के कारण अक्सर इस तरह की दुर्घटनाएँ और विवाद सामने आते रहते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई और सुरक्षित संचालन की मांग दोहराई है।

सारंगी वादन सुन छात्र-छात्राओं ने जाना भारतीय संगीत का महत्व

मुजफ्फरनगर। स्पिक मैके मुजफ्फरनगर इकाई द्वारा एस डी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज में आयोजित सारंगी के कार्यक्रम को सुनकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। सारंगी का दूसरा कार्यक्रम जैन कन्या इंटर कॉलेज पटेलनगर में आयोजित हुआ जो विद्यालय के लिए अविस्मरणीय साबित हुआ। मुंबई से पधार विख्यात कलाकार उस्ताद फारूक लतीफ ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी किया।

देशव्यापी सांस्कृतिक आंदोलन में संलग्न संस्था स्पिक मैके उत्तरप्रदेश के संस्कृति विभाग व भारतखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ के सहयोग से पूरे प्रदेश में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित कर रही है। इसी कड़ी में आज एस डी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज व जैन कन्या इंटर कॉलेज पटेलनगर में ऑल इंडिया रेडियो व दूरदर्शन के टॉप ग्रेड के कलाकार उस्ताद फारूक लतीफ के सारंगी पर एक के बाद एक अद्भुत प्रस्तुतियां दीं। एस डी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज में उन्होंने प्रातःकालीन राग नट में विलंबित एक ताल में बड़ा खयाल तथा इसी राग में मध्यलय तीनताल में छोटा खयाल प्रस्तुत किया और श्रोताओं को शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य की अनुभूति कराई। राग देश में वंदे मातरम् के साथ द्रुत तीन ताल में छोटा खयाल सुनाकर खूब तालियां बटोरीं।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ संदीप मित्तल ने दीपप्रज्जवलन के साथ कलाकारों के प्रति सम्मान व आभार प्रकट किया। उन्होंने संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश व भारतखंडे विश्वविद्यालय का भी आभार प्रकट किया।

जैन कन्या इंटर कॉलेज पटेलनगर में उस्ताद फारुक लतीफ ने दोपहर के राग सारंग की अत्यंत सुंदर प्रस्तुति श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। राग देश के अतिरिक्त उन्होंने श्रोताओं के विशेष आग्रह पर सारंगी पर एक कजरी प्रस्तुत की तो विद्यालय प्रांगण तालियों से गूंज उठा। तबले पर दिल्ली से पधारे अनुराग झा ने बखूबी संगत प्रदान की। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ शकुंतला ने अन्य अतिथियों के साथ

दीपप्रज्जवलन के साथ कलाकारों का स्वागत सम्मान किया तथा अंत में उप्र संस्कृति विभाग व भारतखंडे वि वि का आभार प्रकट किया।

इन कार्यक्रमों में डॉ मृदुला मित्तल, नीति, भावना, डी ए वी कॉलेज की प्राचार्या डॉ गरिमा जैन, जीआईसी के प्रधानाचार्य डॉ रणवीर सिंह, होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रवेंद्र दहिया, डॉ सुनीता शर्मा, शुभ्रा मित्तल विशेषरूप से उपस्थित रहे। स्पिक मैके के कार्यकर्ताओं राहुल सेन,शुभम कुमार व विशु का कार्यक्रम की सफलता में विशेष योगदान रहा।

मुजफ्फरनगर: फार्म भरवाने में सहयोग करते बुद्धिजीवी।

अल्पसंख्यक क्षेत्रों में एसआईआर फार्म भरवाने में सहयोग करेंगे बुद्धिजीवी

मुफ्ती जुल्फिकार और कारी मौ.खालिद ने लगाया कैंप

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के द्वारा देश के नौ राज्यों में जारी वोटर लिस्ट सर्वे एसआईआर पर काम तेज़ी से जारी है।

इसी क्रम में, मुज़फ्फरनगर के मुस्लिम बहुल मोहल्ला खालापार में वोटरों की सुविधा और आसानी के लिए अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व सदस्य मुफ्ती जुल्फ़िकार अली, शाह इस्लामिक एकेडमी के संस्थापक व अध्यक्ष क़ारी मोहम्मद ख़ालिद बशीर क़ासमी के निवास स्थान पर सुबह 9 बजे से देर शाम तक एसआईआर फ़ॉर्म भरने में वोटरों की रहनुमाई और सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एक बड़े कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में वोटर्स ने SIR फ़ॉर्म भरवाए, अलग-अलग सवाल पूछे और अपने भरे हुए फ़ॉर्म जमा कराए।इलेक्शन ऑफिस से आए बीएलओ ख़ान और शुएब अहमद सलमानी ने वोटर्स की फ़ॉर्म भरने में पूरी मदद की और सभी सवालों के संतोषजनक जवाब दिए।

इस मौके पर शाह इस्लामिक एकेडमी के संस्थापक क़ारी मोहम्मद ख़ालिद बशीर क़ासमी ने वोटर्स से अपील करते हुए कहा कि इस सर्वे की अहमियत को समझें, अपने दस्तावेज़ तैयार कराएं और सही कराएं। मौजूदा हालात का तकाज़ा यह है कि हर व्यक्ति अपने बुनियादी दस्तावेज़ पूरे और ठीक कर ले। उन्होंने चेतावनी दी कि छोटी-सी लापरवाही भविष्य में बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। समय रहते हर व्यक्ति को सर्वे के दौरान अपने और अपने परिवार के सदस्यों के फ़ॉर्म भरने चाहिए। फ़ॉर्म की ख़ानापूरी से बिल्कुल परेशान होने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि सरकारी कर्मचारियों से रहनुमाई लेकर संतोषजनक तरीके से इस अहम काम को पूरा करना चाहिए। साथ ही सरकारी कर्मचारियों से बहस-मुबाहिसा से बचते हुए बताए गए दस्तावेज़ जमा करने चाहिए।

जौला के समाजसेवी लिल्ला मुखिया का हुआ निधन

बुढ़ाना। आज रविवार के दिन बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गांव जोला निवासी वरिष्ठ समाजसेवी लगभग 85 वर्षीय हाजी लिल्ला मुखिया का गंभीर लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। उनके निधन का समाचार सुनकर पूरे गांव जौला और आसपास शोक की लहर दौड़ गयी। उनको हजारों ग्रामीणों की मौजूदगी में नम आंखों से गांव के ही कब्रिस्तान में सायं 05 बजे सुपुर्द ए खाक कर दिया गया।

उनके निधन पर मौहम्मद आरिफ, ताहिर ठेकेदार, एडवोकेट गुलरेज राणा, एडवोकेट कालन खां, प्रधान हाजी जमशेद अली, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अब्दुल जब्बार, पूर्व प्रधान साजिद उर्फ मुन्ना, रहीस भडान, भाजपा के वरिष्ठ नेता हुसैन अहमद, सपा नेता

वसीम राणा, इरशाद राणा, आजाद राणा और इरफान राणा आदि ने दुख व्यक्त कर उनकी मगफिरत की दुआ की।

किसानों की ताकत के आगे झुका मिल प्रशासन

ई-गन्ना पर्ची में अब 400 रुपए प्रति क्विंटल रेट

शाहटाइम्स सवांददाता

खतौली। त्रिवेणी शुगर मिल व खतौली गन्ना समिति में गन्ना मूल्य कम दर्शाए जाने को लेकर उठे विवाद पर आखिरकार विराम लग गया है। किसानों नेता द्वारा इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाए जाने के बाद मिल प्रशासन को बैकफुट पर आना पड़ा और ई-गन्ना पर्चियों में सरकार द्वारा घोषित 400 रुपये प्रति क्विंटल का रेट अपडेट कर दिया गया। इससे किसानों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। किसानों ने शाहटाइम्स द्वारा किसानों की इस बड़ी समस्या का समाचार प्रकाशित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

किसानों का आरोप था कि सरकार ने गन्ना मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, लेकिन ई-गन्ना पोर्टल पर भुगतान मात्र 370 रुपये दिखाया जा रहा था। करोड़ों रुपये की संभावित आर्थिक हानि को देखते हुए किसानों ने इसे सीधी-सीधी लूट बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया। भाकियू के युवा नेता अंकुश प्रधान ने कहा कि समिति की लापरवाही ने किसानों के विश्वास को चोट पहुंचाई है। नया जी. ओ. न मिलने की स्थिति में भुगतान पर्ची में पुराने रेट की जगह '00' अंकित होना चाहिए था। किसानों को भ्रमित कर कटौती की कोशिश स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। उन्होंने चेता. वनी दी थी कि यदि तुरंत सुधार नहीं हुआ तो किसान बड़ा आंदोलन करेंगे। जैसे ही किसान नेता अंकुश प्रधान द्वारा इस मुद्दे को लेकर आवाज उठाई तो मिल और समिति प्रशासन हरकत में आ गया और तत्काल ई-गन्ना पर्चियों में सही रेट अपडेट कर दिया गया। वही किसानों ने मीडिया शाहटाइम्स के प्रति आभार जताते हुए कहा कि समय रहते आवाज उठाई गई, नहीं तो उनकी मेहनत का बड़ा हिस्सा डूब जाता। किसानों का कहना है कि यह जीत उनकी एकजुटता और मीडिया की जिम्मेदार पत्रकारिता का परिणाम है।

पत्नि-बच्चों को जिंदा जलाने का प्रयास विफल

बुढ़ाना। एक युवक ने अपनी पत्नि और तीन बच्चों को जिंदा जलाने का प्रयास किया लेकिन वह अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सका।ि आरोपी पति मौहल्ले के लोगों को देखकर फरार हो गया। इस मामले में पत्नि ने अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार प्रमिता पत्नि आशीष निवासी मौहल्ला कृष्णापुरी बुढ़ाना ने पुलिस को बताया कि उसके पति आशीष कुमार पुत्र मदन निवासी कृष्णापुरी बुढ़ाना से उसकी शादी बीते सन 2014 में हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं। विगत दिवस मैं और मेरे तीनों बच्चे घर पर ही थे कि तभी देर रात नौ बजे के करीब उसका पति आशीष कुमार घर पर आया और रोजाना की तरह उससे अकारण ही लडाई झगड़ा करने लगा। जब मैने उसकी इस बात का खुलकर विरोध किया तो उसने घर में खड़ी हुई अपनी मोटर साईकिल में से पैट्रोल निकाल कर घर मे छिडक दिया। वो आग लगाने ही वाला था। उसने इस दौरान दो तीन बार माचिस जलाने का प्रयास किया लेकिन माचिस गीली होने के कारण नही जली। अगर जल जाती तो में और बच्चे आग में जलकर मर जाते।ि शोर शराबा सुनकर मौके पर आए पड़ोसियों को देखकर उसका पति फरार हो गया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एफआरआई देहरादून की वैज्ञानिक दुनिया ने बच्चों को किया प्रभावित

मीरांपुर। शिखर शिक्षा सदन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मीरांपुर में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक विज्ञान, इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था। भ्रमण विद्यालय की सीनियर कोऑर्डिनेटर दीप्ति व्यास के संरक्षण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

यात्रा का मुख्य केंद्र देहरादून स्थित विश्व-प्रसि) फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीटड्ट (एफआरआई) रहा, जहां विद्यार्थियों ने दुर्लभ औषधीय पौधों, आधुनिक वन अनुसंधान तकनीकों, वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं और संग्रहालयों का निरीक्षण किया। विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी ने बच्चों के ज्ञान में वृद्धि की और उन्हें पर्यावरण

संरक्षण के प्रति प्रेरित किया। औपनिवेशिक शैली में निर्मित एफआरआई की भव्य इमारत को देखकर विद्यार्थी विशेष उत्साहित नजर आए। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने ऋषिकेश के ऐतिहासिक जानकी झूला का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने प्राकृतिक सौंदर्य, गंगा नदी के आकर्षक दृश्य और पहाड़ी वातावरण का आनंद लिया। वापसी में सभी विद्यार्थी हरिद्वार स्थित हर की पैड़ी पहुंचे और गंगा आरती में शामिल हुए। मंत्रोच्चार, दीपों की रोशनी और गंगा की कल-कल ध्वनि ने बच्चों को आध्यात्मिक ऊर्जा और अद्भुत अनुभव प्रदान किया। इस यात्रा में शिक्षक राहुल अरोड़ा, राशि अरोड़ा, गीता शर्मा और रोहित पाल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्रधानाचार्य पुनीत राजपूत और डायरेक्टर राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अभिभावकों ने भी इस सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन का आभार जताया।

सूचना

मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र सं. 7134 दिनांक 10.11.2024 में गलती से पिता का नाम AARIF (आरिफ) करा दिया गया है, जबकि वास्तविक नाम MOHD ARIF (मौ. आरिफ) है। भविष्य में इसी नाम से जाना जायेगा। शुद्धिकरण हेतु आवेदन पत्र सम्बन्धित विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।

निवेदक
चांद मोहम्मद
160, बाग जानकीदास
मुजफ्फरनगर
मो. 9917654469

सूदखोरों के आतंक से तबाह हो रहे गरीब

60 हजार के कर्ज पर लाखों की जमीन हड़पी, न्याय के लिए भटक रहा विकलांग युवक

शाहटाइम्स सवांददाता

खतौली। नगर और देहात क्षेत्र में अवैध रूप से पैसा उधार देने वाले सूदखोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। चक्रवृद्धि ब्याज के जाल में फंसाकर कई गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से बर्बाद किया जा रहा है।

नौकरीपेशा और खेतिहर मजदूर इनका प्रमुख निशाना बने हुए हैं। ब्याज इतना अधिक बढ़ा दिया जाता है कि मूलधन चुकाना भी मुश्किल हो जाता है। यही वजह है कि कई परिवार अपनी जमीन-जायदाद गंवाकर भी कर्ज से मुक्त नहीं हो पाते।

क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में सूदखोर बिना लाइसेंस के यह धंधा बेधड़क चला रहे हैं।

ब्याज की रकम न देने पर न केवल धमकाया जाता है, बल्कि जमीन और दुकान तक जबरन कब्जे में ले ली जाती है। कई मामलों में पूरा पैसा वापस करने के बावजूद कागज नहीं लौटाए जाते, वहीं कुछ ब्याज बढ़ाकर लगातार प्रताड़ित करते रहते हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला रविवार को सामने आया, जब कोतवाली क्षेत्र के गांव दाहोड़ निवासी विकलांग सोनू चौहान अपनी मां के साथ पुलिस के पास पहुंचा। सोनू ने बताया कि उसने किसी जरूरत के लिए गांव के ही एक सूदखोर से 60 हजार रुपये ब्याज पर लिए थे। इसमें से 30 हजार रुपये वापस भी कर दिए थे,

लेकिन वह लगातार अतिरिक्त ब्याज को लेकर दबाव बनाता रहा। आरोप है कि सूदखोर ने उसे हथियार दिखाकर जबरन तहसील ले जाकर उसकी जमीन पर बनी दुकान का बैनामा अपने नाम करा लिया।

पीड़ित सोनू के अनुसार दुकान और जमीन की कीमत करीब ढाई लाख रुपये है, लेकिन सूदखोर ने बैनामा होने के बाद भी उसे कोई रकम नहीं दी। पीड़ित सोनू आर्थिक रूप से टूटा हुआ है और अब इंसाफ के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है। उसने प्रशासन से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सूदखोरों के बढ़ते आतंक को रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ज़ेवियर्स ग्लोबल स्कूल के छात्रों ने भेंट की पेंटिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

मोरना। ज़ेवियर्स ग्लोबल स्कूल रहकडा की प्रधानाचार्या मोनिका चौधरी, उप प्रधानाचार्य क्षमा चौधरी तथा चार चयनित श्रेष्ठ विद्यार्थी शौर्य राज तोमर, काशिश, तन्वी वालिया और अरमनजोत सिंह नई दिल्ली राष्ट्रपति भवन में पहुंचे जहां पर उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु एक हस्तनिर्मित पेंटिंग, जिसमें 'भारत की विविधता में एकता' का सन्देश उकेरा गया था, उन्हें भेंट की। राष्ट्रपति महोदया ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और प्रयास की सराहना करते हुए इसे अत्यंत भावपूर्ण ढंग से स्वीकार किया।

उन्होंने बच्चों से उनके भविष्य के लक्ष्य, शैक्षणिक रुचियाँ, करियर आकांक्षाएँ तथा देश के प्रति उनके विचारों के बारे में विस्तार से बातचीत की।

उनकी सरलता, स्नेह और प्रेरणादायक शब्दों ने बच्चों का मन मोह लिया और उन्हें नई ऊर्जा व उत्साह प्रदान किया। राष्ट्रपति ने बच्चों को

स्नेहवश उपहार भी प्रदान किए, जिससे बच्चों के चेहरे पर उल्लास और गर्व की चमक साफ दिखाई दे रही थी। यह क्षण बच्चों के लिए जीवनभर संजोकर रखने योग्य एक अनमोल स्मृति बन गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति महोदया से मिलने का यह अवसर विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, प्रेरणा और देश के प्रति उत्तरदायित्व भावना को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

बाल दिवस पर बच्चों की विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित

मीरापुर। पंचायत कुतुबपुर में बाल दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता रवि शर्मा द्वारा बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दौड़, गीत आदि प्रतियोगिताएँ कराई गईं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुधीर शर्मा, धीर सिंह गुर्जर, शीशपाल, विपिन कुमार शर्मा, अभिषेक शर्मा एवं आबिद अली मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों को बाल दिवस क्यों मनाया जाता है, इसका महत्व क्या है और यह हमारे पारिवारिक व सामाजिक जीवन पर क्या प्रभाव डालता है, इस बारे में सरल और प्रेरणादायक जानकारी दी। कार्यक्रम में आकृति शर्मा, अभिवृत्ति शर्मा, वंशिका, अर्पित शर्मा, अर्जित शर्मा, अनंत शर्मा, कुणाल, आयुष, सुमैया, फुरकान, जीशान सहित कई बच्चे शामिल हुए। बाल दिवस कार्यक्रम उत्साहपूर्ण और शिक्षाप्रद रहा।

पब्लिक स्कूलों की लूट पर कब लगेगी लगाम

चरथावल। मंहगाई के इस दौर में जहाँ मध्यम व गरीब वर्ग के लोगो को अपना घर चलाना दूभर हो रहा है।और अपनी जरूरतों को पूरा करना बड़ा मुश्किल कार्य साबित हो रहा है ।और देश व प्रदेश की भाजपा सरकार देश के हर बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने के लिए जागरूक कर रही है।ताकि देश प्रदेश का प्रत्येक बच्चा शिक्षा प्राप्त कर अपने कैरियर को बना सके।देश उन्नति की राह पर अग्रसर हो सके शिक्षा प्राप्त कर ऊंचे पदों पर जा सके।लेकिन चरथावल क्षेत्र में पब्लिक स्कूलों के लिए कोई नियम कानून मायने नही रखते है।और वह अपने स्कुलो के लिए खुद के बनाए नियमो पर चलते है।और यहाँ के पब्लिक स्कूलो के संचालक छात्र और छात्राओ से मनमाना शुल्क वसूलते है।और ड्रेस,किताबो,गाड़ियों के नाम पर जमकर मनचाही वसूली करते है।सरकार के इस मिशन से जहाँ गरीब तबके के बच्चे जागरूक भी हो रहे है।और देश मे शिक्षा के स्तर में बहुत हद तक सुधार हो चुका है।लेकिन सरकार के इस दावे की प्राइवेट स्कूल पूरी तरह से धज्जिया उड़ा रहे है।और बच्चों के साथ जमकर उगाही कर रहे है।

हालत यह है कि प्राइवेट स्कूलों में अपने बच्चों को पढ़ाना अभिभावकों के लिए बड़ा मुश्किल काम साबित हो रहा है।और अपने बच्चों को शिक्षा देना अभिभावकों के लिए खून के आंसू निकलने जैसा कार्य हो रहा है।हालत यह है कि जहाँ क्षेत्र में चलने वाले यह प्राइवेट स्कूल एडमिशन फीस,बिल्डिंग फीस,वाहन फीस और प्रत्येक महीने लेने वाली फीस में जहाँ इतना बड़ी रकम ले लेते है। वही इस कार्य मे रही सही कसर स्कुलो द्वारा किताबो के नाम पर लेने वाला शुल्क पूर्ति कर देता है।और यह स्कूल सभी बच्चों को एक ही दुकान से किताबें लेने के लिए बाध्य कर देते है। जिस दुकान पर स्कूल द्वारा बताया जाता है।यह दुकान स्वामी बच्चो से कोर्स देने के नाम पर मनमाना शुल्क वसूलते है। क्या यह कोर्स अन्य दुकानों पर क्यू नही मिलता या फिर जो किताबे स्कुलो द्वारा लगाई गई है वह सरकारी किताबे नही है। कारण चाहे जो भी लेकिन प्राइवेट स्कूलों के इस कार्य से स्कूल संचालको और किताबो के दुकान स्वामियों की जमकर चांदी कट रही है और स्कूली बेग और ड्रेस को लेकर भी स्कूल संचालक एक नियत स्थान से स्कूली बच्चों को ड्रेस खरीदने का फरमान सुना देते है। वह ड्रेस बाजार भाव से बहुत अधिक रेट पर मिलती है। क्या इन प्राइवेट स्कूलों के लिए सरकार का कोई नियम या कानून मायने नही रखता या इन स्कूल संचालको को इस तरह का कार्य करने की इजाजत कौन देता है।यह तो वह ही जान सकते है लेकिन यह बात साफ हो चली है कि जब योगी सरकार में बड़े बड़े भूमाफिया भूमिगत हो रहे है।और उनके अवैध कब्जों की जमीन पर धड़ाधड़ बुलडोजर बज रहा है फिर भी प्राइवेट स्कूल संचालक अपने इस कार्य को बेखोफ होकर अंजाम दे रहे है।और अपने हिसाब से छात्र छात्राओं से मनमाना शुल्क वसूल रहे है।

सभासद इमरान कुरैशी बीएलओ का कर रहे सहयोग

बुढ़ाना। नगर पंचायत के सभासद इमरान कुरैशी ने कांधला रोड पर नई बस्ती स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर अपने वार्ड 13 के सैंकडों निवासियों और बुढ़ाना कस्बे के अलग अलग वार्ड क्षेत्रों से आए कस्बावासियों के एसआईआर फार्म भरने की प्रकिया को पूरा किया।

उन्होंने अपील की है कि सभी सभासद एवं समाजसेवी जोघ नगर पंचायत सभासद का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे उनके लिए यह बेहतरीन अवसर है कि वे भी उनकी तरह ही अपने अपने वार्डो के सभी लोगों के खुद एसआईआर फार्म सही तरीके से भरवाएं ताकि आगामी समय में उनको किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े।

हमारे क्षेत्र मे ज़्यादा पढ़े लिखों की संख्या बहुत ही कम है। इसलिए इस काम मे आगे आकर एसआईआर फार्मों को सही तरीके से भरवाने के

लिये मदद करें। खास तौर पर सभी सभासद, और सभासद का चुनाव लड़ने वाले और जो पूर्व मेंबर हैं वे अपने अपने कार्यालय पर फार्म भरने की एक हेल्प डेस्क लगाकर सभी मतदाताओं की हेल्प करें। इसके अलावा आज वार्ड नंबर 16 में भी सूफियान कुरैशी ने अपने आवास पर कैंप लगाकर काफी लोगों के एसआईआर फार्म बीएलओ आसमा की मदद से भरवाए। उधर वार्ड नंबर दस में भी सभासद गुलफाम खान अपने वार्ड के लोगों के फार्म सभी तरीके से भरवा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

किराएदारों की जानकारी देना अनिवार्य: सम्भलहेड़ा में पुलिस ने दिए सुरक्षा निर्देश

मीरापुर। दिल्ली में हुए कार ब्लास्ट धमाके के बाद पूरे प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इस बढ़ती सतर्कता के बीच मीरापुर पुलिस भी किसी प्रकार की लापरवाही न होने देने के लिए सक्रिय दिखाई दी। शनिवार देर शाम थाना क्षेत्र मीरापुर के ग्राम सम्भलहेड़ा में पुलिस टीम ने सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाते हुए ग्रामीणों को सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया। क्षेत्राधिक.ारी यतेन्द्र नागर के निर्देश पर थाना अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह के नेतृत्व में चौकी प्रभारी आनंद कुमार अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों को संबो.धित करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में सभी की जिम्मेदारी है कि अपने आस-पास किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। लाउडस्पीकर के माध्यम से अपील की गई कि यदि किसी के यहां किराएदार रह रहा है, या कोई बाहरी व्यक्ति नौकरी या काम के लिए आया है, तो उसकी पूरी जानकारी अनिवार्य रूप से चौकी पर दर्ज कराएं। इसके साथ ही धार्मिक स्थलों के प्रबंधकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि लाउडस्पीकर केवल समिति की अनुमति के साथ और सीमित आवाज में ही संचालित किए जाएं, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या अनुचित गतिविधि को रोका जा सके। पुलिस टीम ने ग्रामीणों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की सक्रियता और जागरूकता अभियान से गांव में सुरक्षा वातावरण को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। ग्रामीणों ने भी आश्वासन दिया कि वे सतर्कता बरतते हुए पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करेंगे।

जीएसएस एकेडमी युसुफपुर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

भोपा। जीएसएस एकेडमी युसुफपुर का वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनोहारी प्रस्तुतियों के बीच धूमधाम से मनाया गया। जिसमें छात्रों ने योग क्रियाओं की मनोहारी प्रस्तुति दी। शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीरपाल निर्वाल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया तत्पश्चात छात्रा नन्दनी, कृष्टि, खुशी, सृष्टि, पलक ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। छात्रा चाहत ,माही, परिधि,, याचिका, आलिया, नैना ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। छात्रा रिया, अराध्या, जिया, कीर्ति, अमृता, निधि, मनस्वी, दिव्या, आरया, नंन्दनी, खुशबू ने हरियाणी गाने पर प्रस्तुति दी। छात्रा कनिका, अनन्या ,वंशिका, रितिशा, सृष्टि ,गुरप्रीत कौर ने क्लासिकल गाने पर डांस किया। छात्रा चाहत, आराध्या , आस्था, जिया, अनोखि, खुशबू, नंदनी, रिया, दिव्या, कीर्ती,ने महाभारत के कलाकारों युधिस्टर, अर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव, श्रीकृष्ण व दुर्योधन का रोल अदा किया। छात्रा यशवी काव्य, कनक, वैष्णवी, अवनि, नैना, अंशिका, देवशी, आराध्या, मानवी, आरुषि, तेजस्वी ने राजस्थानी गांने पर प्रस्तुति दी। छात्रों ने चक दे इंडिया, गलती से मिस्टेक, पापा कहते है बेटा नाम करेंगा गानों पर भी डांस किया। छात्र विनय, कृष्णा, विशेष , निपुण, वंश, विहान, वाशु, मानव, स्पर्श, , अंश, हर्ष, प्रिंस, देवेन्द्र, कार्तिक ने योग क्रियाओं की मनोहारी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में संस्थापक डा. रीता, प्रबंधक सौरभ सिंह, प्रभारी निरीक्षक जशवीर सिंह, प्रधानाचार्या रश्मि तेवतियां, डा. विजय शर्मा, शिखा, सुमन, अंकित कुमार, आशीष चौधरी मौजूद रहे।

बीआईटी में सिल्वर जुबली महोत्सव भव्य रूप से संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

मीरापुर। भगवंत ग्रुप ऑफ़ इंस्टीटड्यूशन्स ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य सिल्वर जुबली महोत्सव का आयोजन किया। पिछले ढाई दशकों में संस्था ने शिक्षा, शोध, तकनीकी उन्नति व समग्र विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसी यात्रा का उत्सव मनाने के लिए आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए छात्र, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। भगवंत ग्रुप की स्थापना जनपद बिजनौर के चांदपुर विधानसभा के ग्राम मीरापुर पाहुली में स्वर्गीय भगवंत सिंह चौधरी,पूर्व सर्किल अधिकारी और 25 वर्षों तक निर्विरोध ग्राम प्रधान,द्वारा रखी गई थी।

उनके पुत्र व ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. अनिल सिंह, जिन्होंने विदेश में सरकारी सेवा से वीआरएस लेकर मातृभूमि की सेवा हेतु भारत वापस लौटने का निर्णय लिया, ने वर्ष 2000 मेंबीआईटी संस्थान की शुरुआत की। उनके प्रयासों से आज बीजीआई के उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों में तीन विश्वविद्यालय, दस से अधिक शिक्षण संस्थाएं और कई कंपनियां सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं।

सिल्वर जुबली महोत्सव के अवसर पर आयोजित स्टार नाइट में बॉलीवुड की प्रसिद्ध गायिका और टी-सीरीज़ के संस्थापक स्व. गुलशन कुमार की पुत्री तुलसी कुमार ने अपने लाइव कॉन्सर्ट से माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके ओ साकी साकी, तू लांग मैं एलबेला, मैं जिस दिन भूला दूँ सहित कई सुपरहिट गीतों पर लगभग 7,000 से अधिक दर्शक झूम उठे।

पूरे बीआईटी कैंपस में संगीत, उत्साह और रोशनी का रंगीन संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. पुष्पनील वर्मा (सहायक निदेशक, बीजीआई द्वारा संस्थान की 25 वर्षीय प्रेरणादायक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए किया गया। समारोह में चेयरमैन डॉ. अनिल सिंह, वाइस चेयरपर्सन डॉ. आशा सिंह, ग्रुप डायरेक्टर डॉ. अनुराग विजय अग्रवाल, डॉ. अजय सिंह, सीए दुश्यंत कुमार, डॉ. ए.के. शर्मा, डॉ. विजया डी., डॉ. सचिन सिंघल और डॉ. आदित्य शर्मा सहित संपूर्ण नेतृत्व उपस्थित रहा। सुरक्षा और व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं छोड़ी गई। मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, साउंड सिस्टम तथा सुरक्षा व्यवस्था उत्कृष्ट रही। छात्रों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने महोत्सव को और भी भव्य बना दिया।कॉन्सर्ट के अंत में आतिशबाज़ी और संगीत ने रात को

यादगार बना दिया। सिल्वर जुबली का यह भव्य आयोजन आने वाले वर्षों में बीजीआई की नई ऊँचाइयों का प्रतीक माना जा रहा है।

चेहरे पे मेरे दर्द की सच्चाईयाँ न देख

मजफ्फरनगर। आँखें नहीं तो ज़ख़्म की गहराईयाँ देख मुज़फ्फ़रनगर, हिन्दी, उर्दू को समर्पित संस्था समर्पण की काव्य गोष्ठी वीणा गर्ग के आवास द्वारिकापुरी में आयोजित हुई वीणा गर्ग व अब्दुल हक़ सहर ने सरस्वती वंदना से गोष्ठी का शुभारंभ कराया मुख्य अतिथि जकी अन्जुम सिद्दीकी देवबंदीऔर जुगाड़ देवबन्दी रहे। गोष्ठी में शिरकत करने वाले रचनाकार, गीतकार ,शायर -,ज़की अन्जुम सिद्दीक़ी, अब्दुल हक़ सहर,गीतकार ईश्वर दयाल गुप्ता ,रामकुमार रागी,योगेन्द्र सोम, अम्बरीष गर्ग, डॉ आस मुहम्मद अमीन, डॉ वीणा गर्ग,सलामत राही, नाहीद समर काविश जुगाड़, संतोष कुमार , सिकन्दर देवरियावीघ सुनीता सोलंकी श्मीनाश ने अपनी रचनाएं सुन कर खूब दांत बटोरी।

अध्यक्षता गीतकार ईश्वर दयाल गुप्ता व संचालन डॉ आस मोहम्मद अमीन ने किया। अब्दुल हक़ सहर की यह रचनाएं बार-बार सुनी गई-चेहरे पे मेरे दर्द की सच्चाईयाँ न देख। आँखें नहीं तो ज़ख़्म की गहराईयाँ देख। ज़की अन्जुम सिद्दीकी,ईश्वर दयाल गुप्ता, हाजी सलामत राही, डॉ आस मुहम्मद अमीन, संतोष कुमार फलक़, जुगाड़ देवबन्दी, सुनीता सोलंकी की रचनाएं भी सराही गई ।अंत में अम्बरीष गर्ग,वीणा गर्ग ने सभी रचनाकारों का आभार जताया।

मुजफ्फरनगर: गीता जयंती पर गीता पाठ के बाद शोभायात्रा के लिए रवाना होते श्रद्धालु।

गीता जयंती महोत्सव पर निकाली गई शोभायात्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर।दुविधा,संशय,भ्रम से उबरने एवं विषाद से आहलाद की ओर जाने की अचूक गीता प्रेरणा-परभो । आपकी शरण हूँ, आप ही उचित मार्ग दिखाओ।''

'गीता जयन्ती महोत्सव के उपलक्ष मे श्री कृष्ण कृपा परिवार द्वारा शोभा यात्रा,भव्य गीता पाठ एवं भजन सन्ध्या का आयोजन किया गया।

महामण्डलेश्वर गीता मनीषी 'स्वामी श्री ज्ञानानंद जी' महाराज द्वारा संचालित 'श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फर नगर' के महा मंत्री श्री अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि महाराज श्री की सद्प्रेरणा एवं श्री-श्री कृपा बिहारी जी कि कृपा से गीता जयन्ती महोत्सव के शुभ अवसर पर रात्री में भव्य गीता पाठ व भजन भाव शाम 6रू00 से उत्तरी सिविल लाइन्स शिव मन्दिर मे पण्डित कृष्णानन्द जी के सौजन्य से आयोजित किया गया। जिसमे काफी संख्या मे श्रद्धालुओं ने भाग लिया ।जिसमे सर्व प्रथम विधिवत पूजन के पश्चात ,अतुल कुमार गर्ग द्वारा गणेश वन्दना, ओम नमो भगवते वासुद.ेवाय का जाप व गीता जी के द्वितीय अध्याय (सांख्य योग) का पाठ भाव पूर्वक कराया गया।

रामबीर सिंह द्वारा इस अध्याय के मुख्य प्रेरक संकेत के बारे बताया गया तथा गीतापाठ के लाभ बताये जैसे मान.सिक शांति ,धर्म और कर्म का ज्ञान,भय और संदेह से मुक्ति ,आध्यात्मिक उन्नति,पितृ दोष निवारण,विचार और भावना की शुद्धि ,परिवार में सुख-शांति , समस्याओं का हल तथा गीतापाठ हमारे जीवन को बेहतर दिशा में ले जाने में सहायक होता है तथा मन, शरीर और आत्मा को शुद्ध करता है। तत्पश्चात भजनों की श्रृंखला में सुभाष गर्ग द्वारा रे मन कर ले गीतापाठ यही तेरे काम आयेगा, अजय गर्ग द्वारा तुझे मिल गया पुजारी मुझे मिल गया सहारा , विमल प्रताप द्वारा हनुमान जी की स्तुति, राजेश वर्मा द्वारा हनुमानजी के भजन से सभी श्रोताओं को मन्त्र मुग्ध कर दिया गया। अन्त मे पण्डित कृष्णानन्द, पंडित संजय मिश्रा, सुभाष गोयल एवं विपिन गुप्ता द्वारा गीताजी की आरती कराकर कार्यक्रम को विश्राम दिया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में अतुल कुमार गर्ग, रामबीर सिंह , विपिन गुप्ता , सुभाष गोयल, विमल प्रताप, अजय कुमार गर्ग, सुभाष गर्ग, मीनाक्षी गर्ग, ज्योति, शकुन्तला , गीता बंसल , मधु शर्मा, रेखा तायल , सन्तोष गुप्ता, रीतू शर्मा,अल्का गोयल , पूनम, राजन गोयल, जाह्नवी, अनुष्का , रोहित कुमार , अशोक कुमार , पंडित कृष्णानन्द , संजय मिश्रा, रोजी मलिक,राधा मिश्रा आदि का विशेष सहयोग रहा। यह जानकारी अतुल कुमार गर्ग महामंत्री श्री कृष्ण कृपा परिवार मुजफ्फर नगर ने दी।

श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के छात्रों का इन्टर्नशिप के लिए चयन

मुजफ्फरनगर। श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, में अध्ययनरत बी0बी0ए0 तथा एम0बी0ए0 के छात्र-छात्राओं के लिये ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के द्वारा न्यूमेक्स ग्रुप को इण्टर्नशिप प्रशिक्षण हेतु छात्र-छात्राओं के चयन हेतु आमंत्रित किया गया।

कम्पनी प्रतिनिधि अनुज शर्मा, मार्केटिंग हैड तथा अंशुल गोयल, एच0आर0 मैनेजर, यूमेक्स ग्रुप ने सम्पूर्ण प्लेसमेंट ड्राइव को एक निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित किया। संस्थान के निदेशक प्रो0 एस0एन0 चौहान एवं चीफ ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट कोओर्डिनेटर, आशीष चौहान ने कम्पनी प्रतिनिधि का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट करके किया। कंपनी प्रतिनिधि द्वारा सर्वप्रथम छात्रों को इन्टर्नशिप मॉडडूल (जॉब प्रोफाईलद्ध की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि यह इन्टर्नशिप कम जॉब आपर्चुन्यिटी है। न्यूमेक्स भारत की एक उच्च स्तरीय इन्फास्ट्रक्चर कम्पनी है जो कि सम्पूर्ण भारत में विभिन्न टाउनशिप डेवलप करती है। कम्पनी रीरा द्वारा तय किये गये मानको के अनुसार भवनों तथा बहुमंजले भवनों का निर्माण करती है। कंपनी मार्केट ट्रेनी, सेल्स ट्रेनी के पद के लिये छात्रो के चयन हेतु संस्थान में आयी है। उसके उपरान्त मैरिट के आधार पर छात्रों की स्पीकिंग क्षमता, टीम स्प्रिट एवं टैक्नीकल एटीटड्यूड के आधार पर चयन किया गया। इस चयन प्रक्रिया में श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के 48 छात्र/छात्राऐं सम्मिलित हुये जिसमें से 19 छात्र/छात्राऐं अन्तिम रूप से चयनित हुये। अंतिम रूप से चयनित छात्र-छात्राओं को इन्टर्नशिप ट्रेनिंग के दौरान स्टाईपैंड तथा इंसेंटिव मिलेगा जबकि 2 माह के उपरान्त कुशलता के आधार पर नियमित करने की प्रक्रिया होगी। चयनित हुए छात्र-छात्राओं में बी0बी0ए0 से अमाया खजवाल, ध्रुवी, अक्षित कुमार, हमायनी, ज्योति बालियान, राशि राणा आदि एवं एम0बी0ए0 से कु0 मेघा, हरित कुमार आदि छात्र-छात्राओं का चयन हुआ। इस प्लेसमेंट ड्राइव को ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल द्वारा श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0)मुजफ्फरनगर के परिसर में आयोजित किया गया।संस्थान के निदेशक प्रो0 एस0एन0 चौहान ने बताया कि श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0) में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिये यह एक स्वर्णिम अवसर है। श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0) इंजी.नियरिंग व एम0बी0ए0 ही नहीं बल्कि बी0बी0ए0, बी0एससी0, बी0सी0ए0, बी0कॉम0, एग्रीकल्चर, फार्मेसी आदि सभी पाठडक्रमों के छात्रों के लिये कैम्पस प्लेसमेंट आयोजित करता रहा है।

यह श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0) मुजफ्फरनगर के लिये बड़ी उपलब्धि है। श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0) सभी छात्रों के कैरियर व भविष्य के निर्माण के लिये कृत संकल्प है जिसका श्रेय श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0) में उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण व ग्रुप चेयरमैन डॉ0 एस0सी0 कुलश्रेष्ठ को जाता है जो श्री राम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (आई0सी0)को अद्यतन एवं उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र के रूप में स्थापित करने के लिये कटिबद्ध है।इ स अवसर पर चेयरमैन डॉ0 एस0सी0 कुलश्रेष्ठ ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनायें दीं तथा ड्राइव में सम्मिलित सभी छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुये जीवन में निरन्तर वृद्धि करने हेतु प्रात्साहित किया। डॉ0 एस0सी0 कुलश्रेष्ठ ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को स्वकेन्द्रित, अनुषासित एवं अपने समय का सदुपयोग करते हुए शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिये ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर हो सकें। अतः विद्यार्थियों को चाहिए कि कॉलेज द्वारा आयोजित हर गतिविधि में भाग लेकर अवसर का लाभ उठायें एवं संस्थान द्वारा समय-समय पर आयोजित किये जाने वाले प्लेसमेंट ड्राइव में प्रतिभाग करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संच.ालन इं0 नितिशा त्यागी ने किया। मुख्य प्लेसमेंट अधिकारी श्री आषीष चौहान के निर्देशन में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ0 चित्रा श्रीवास्तव व श्री सागर शुक्ला आदि प्रवक्ताओं का विशेष योगदान रहा।

दुपहिया वाहन स्वामी चेकिंग से परेशान, अवरलोड वाहनों पर रहम

शाह टाइम्स संवाददाता

चरथावल। क्षेत्र में दिन प्रतिदिन हो रहे वाहन चेकिंग अभियान से जहाँ क्षेत्र की जनता परेशान नजर आ रही है वही इस वाहन चेकिंग अभियान से सरकार की छवि को पलीता लगता नजर आ रहा है।हालत यह है कि जंगलों में जा रहे किसानों को भी चेकिंग अभियान की मुहिम से जुड़ना पड़ रहा है और खेतों में अपना पानी खाद आदि डालने था अपने खेतों पर घूमने जा रहे किसानों के भी चरथावल पुलिस द्वारा भरपूर चालान काटे जा रहे है। पिछले दिनों जहाँ पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में वसूली की बात को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पुलिस को चेकिंग ना करने के आदेश जारी किए थे और सिर्फ ट्रैफिक पुलिस द्वारा ही वाहन चेकिंग करने की बात कही गयी थी लेकिन चरथावल क्षेत्र में तो अलग ही नजारा देखने मे आ रहा है और तो और चरथावल पुलिस द्वारा जहाँ चौकियों स्थल को भी छोड़कर रास्तो पर कहि भी खड़े होकर चेकिंग अभियान चला दिया जाता है।किसानों और क्षेत्रवासियों द्वारा जहाँ पुलिस के इस चेकिंग अभियान के प्रति भारी रोष देखने को मिल रहा है वही किसानों द्वारा यह कहते नजर आ रहे है कि। क्या किसान अपने खेतों पर भी हेलमेट लगाकर जायेगा और तो और जब परिजन अपने छोटे बच्चों को छुटी के समय स्कूल में लेने जाते है तो उन्हें भी इस चेकिंग अभियान की कड़ी से गुजरना पड़ता है।और बच्चों के परिजनों के भरपूर चालान काटे जाते है। कारण चाहे जो भी हो लेकिन क्षेत्र की जनता चरथावल पुलिस के इस चेकिंग अभियान से पूरी तरह कराह रही है और इससे निजात दिलाने की मांग कर रही है चरथावल पुलिस दिन प्रतिदिन इतने बड़े पैमाने पर क्यू वाहन चेकिंग अभियान चला रही है यह तो वह ही जान सकते है लेकिन हालत यह है कि क्षेत्रवासियों अपने जरूरी कार्यो में भी इस चेकिंग अभियान की वजह से जाने से बच रहे है।और कई बार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से भी पुलिस के इस वाहन चेकिंग अभियान से आम जनता को परेशान न करने की गुहार लगा चुकी है लेकिन कोई भी नतीजा निकलता नजर नही आ रहा है।चौकी स्थल को छोड़कर रास्तो पर कहि भी चलने वाले इस वाहन चेकिंग अभियान से क्षेत्रवासी व किसान इधर उधर रास्ते काटते नजर आते है।कारण चाहे जो भी हो लेकिन चरथावल पुलिस के इस वाहन चेकिंग अभियान से सरकार की छवि को बड़ा पलीता लग रहा है और क्षेत्रवासीयो के मन मे सरकार के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिल रहे है क्षेत्रवासियों की यह नाराजगी लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी भी पड़ सकती है और जनता वाहन चेकिंग अभियान से परेशान होकर सरकार के प्रति अपनी नाराजगी को वोट के रूप में बदल सकती है।

शाह टाइम्स

स्वामी 'शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, सूजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'

मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. 71843/99
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर लगा जाम, यात्रियों को हुई भारी परेशानी

शाह टाइम्स संवाददाता

थाना भवन। रविवार को दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर थाना भवन में लगा भीषण जाम यात्रियों के लिए मुसीबत बन गया। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा। व्यापारियों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वाहन चालक अपनी गाड़ियों को छोड़कर पैदल ही रास्ता पार करने की कोशिश करते हुए दिखाई दिए।जाम की सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा, जिसने यातायात नियंत्रित करने का प्रयास किया। माना जा रहा है कि सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े वाहनों और अचानक बढ़ी यातायात की वजह से जाम की स्थिति उत्पन्न हुई।

महिलाओं को किया गया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

थानाभवन। नगर के मुख्य बाजार मेन बाजार, घण्टाघर चौक और मुख्य हाईवेकृपर रविवार को मिशन शक्ति फेस 510 के तहत महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान में थाना भवन पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं, टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों तथा साइबर अपराध से बचाव के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।पुलिस टीम में सब इंस्पेक्टर लोकेश कुमार, हेड कांस्टेबल रविता चौधरी और हेड कांस्टेबल नीतू शामिल रहीं। टीम ने बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में महिलाएं तुरंत 1090, 112, 181 जैसे हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं। इसके साथ ही साइबर अपराधोंकृजैसे ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया

फॉडकृसे बचने के लिए सावधान रहकर सतर्क रहने की सलाह भी दी गई। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं से संवाद करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और सजग रहने के लिए प्रेरित किया।मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना तथा समाज में उनके लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण का निर्माण करना है।

पुलिस की मिलीभगत से काटे जा रहे हरे भरे वृक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता

ऊन। क्षेत्र में वन विभाग में पुलिस की मिली भगत से हरे-भरे आम के पेड़ काटे जा रहे हैं गांव हथछोया में आम के बैग में पेड़ काटे जा रहे हैं जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने डीएफओ को की थी।

जिसमें वन विभाग द्वारा आम के कटे पेड से भरी ट्रॉली पुलिस के सुपुर्द कर दी थी तथा वन विभाग द्वारा जुर्माना भी लगाया गया था लेकिन रविवार को एक बार फिर पेड़ों का कटान शुरू हो गया ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग द्वारा ट्राली को पकड़कर डीएफओ कार्यालय पर खड़ी कर दी इस संबंध में अग्रिम कार्रवाई वन विभाग द्वारा की जा रही है।

क्षेत्र में लगातार वन विभाग व पुलिस की मिली भगत से हरे-भरे आम के पेड़ काटे जा रहे हैं गांव हथछोया में शुक्रवार को आम के पेड़ काटे जा रहे थे साथ ही मिट्टी का खनन भी किया जा रहा था जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने वन विभाग व पुलिस को की शिकायत के बाद पुलिस ने ट्राली को पकड़कर पुलिस चौकी पर खड़ी कर दी थी जिस पर वन विभाग द्वारा इरफान उर्फ फानु निवासी हथछोया के खिलाफ कार्रवाई करते हुए रु. 50000 जुर्माना लगाया था लेकिन रविवार को एक बार फिर इरफान द्वारा पेड़ कटाई शुरू कर दी गई ग्रामीणों ने फिर शिकायत की वन विभाग की टीमों मौके पर पहुंची तथा कटे पेड़ों से भरी ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर डीएफओ कार्यालय में खड़ी कर दी इस संबंध में वन दरोगा जोगिंदर सिंह ने बताया कि इरफान उर्फ फानु निवासी हथछोआ द्वारा बिना परमिट के आम के पेड़ काटे गए थे जिसमें एक ट्राली को पुलिस ने पकड़ लिया था जिस पर रु. 50000 का जुर्माना लगाया गया था, लेकिन रविवार को एक बार फिर इरफान द्वारा पेड़ काटने शुरू कर दिए गए सूचना पर ट्रैक्टर ट्राली कब्जे में लेकर डीएफओ ऑफिस पर खड़ी कर दी है विधि कार्रवाई की जा रही है।

सर्राफा व्यापारियों के लिए जागरूकता सेमिनार का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड, शामली द्वारा रविवार को स्थानीय सर्राफा व्यापारियों के लिए जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्राफा कारोबार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी।

रविवार को सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में आईबीजेए हैंड लखनऊ से अनुराग रस्तोगी, मुजफ्फरनगर से मनोज पुंडीर, एमपीएक्स मुंबई से अमरपाल सिंह, तथा बीआईएस के कांत मिश्रा उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने व्यापारी वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं मानक के अनुरूप ज्वैलरी उपलब्ध कराना प्रत्एक सर्राफा व्यापारी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने आग्रह किया कि भारत मानक ब्यूरो के दिशानिर्देशों के अनुसार ही ज्वैलरी की बिक्री सुनिश्चित की जाए, ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास और सुरक्षा बनी रहे। इसके साथ ही ग्राहकों से भी अपील की गई कि वे ज्वैलरी खरीदते समय जीएसटी बिल अवश्य प्राप्त करें, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और भविष्य में किसी भी प्रकार की शिकायत की स्थिति में कार्रवाई संभव हो सके। सेमिनार में उपस्थित सर्राफा व्यापारियों ने एक स्वर में यह संकल्प लिया कि वे अब शामली में केवल बीआईएस मानक के अनुरूप ही ज्वैलरी की बिक्री करेंगे।

जिलाध्यक्ष पवन संगल द्वारा सभी व्यापारियों से निवेदन किया गया की सभी एकजुटता के साथ काम करें और कंपटीशन में आपसी नुकसान ना करें। सेमिलार का संच. लन वैभव प्रकाश गोयल और अंकित मित्तल ने किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष पवन जिंदल, जिला सचिव आशु गर्ग, मनीष गोयल, अंकित मित्तल, संरक्षक रवि संगल, दीपक मित्तल, शलब संगल, रोहित जैन, अमित जैन, शिवम वर्मा, अमरीश वर्मा, गोपाल वर्मा, राजेश, प्रतीक गर्ग, प्रियांश जैन, पिंटू वर्मा, मोटी वर्मा, वैभव प्रकाश गोयल सहित अनेक सर्राफा व्यापारी उपस्थित रहे।

बाइक सवार पुलिसकर्मियों को पटाखा बुलेट सवार ने मारी टक्कर, गम्भीर

कस्बे के मुख्य मार्ग पर स्थित दिल्ली दरबार होटल के निकट की घटना, बुलेट से पटाखा छुड़ा रहे युवक ने दिया घटना को अंजाम, कस्बे की इमामगेट पुलिस चौकी पर तैनात बताए गए है घायल पुलिसकर्मी, कोतवाली पुलिस घटना को अंजाम देने वाले आरोपी युवक की तलाश में जुटी

शाह टाइम्स संवाददाता

कैराना। कैराना में पटाखा छुड़ा रही बुलेट का पीछा करना बाइक सवार पुलिसकर्मियों के लिए भारी पड़ गया। चालक ने दुस्साहस का परिचय देते हुए पीछा कर रहे पुलिसकर्मियों की बाइक में बुलेट से टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से एक पुलिसकर्मी को गम्भीर चोट पहुंची है। पुलिस आरोपी बुलेट चालक की तलाश में जुट गई है।

रविवार को कस्बे की इमामगेट चौकी पर तैनात हेड कांस्टेबल नितिन व मोनू बाइक पर सवार होकर कस्बे में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें कस्बे के मुख्य मार्ग पर एक युवक बुलेट से तेज आवाज में पटाखे छुड़ाता हुआ नजर आया। पुलिसकर्मियों को आता देख युवक बुलेट लेकर फरार होने लगा। पुलिसकर्मियों ने भाग रहे बुलेट सवार युवक का पीछा करना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि मुख्य मार्ग पर स्थित दिल्ली दरबार होटल के पास पुलिसकर्मियों ने बाइक सामने करके युवक को रोकना चाहा, लेकिन युवक ने दुस्साहस का परिचय देते हुए पुलिसकर्मियों की बाइक में बुलेट से जोरदार टक्कर मार दी। बुलेट की टक्कर से बाइक सवार पुलिसकर्मी काफी दूर जाकर गिरे, जिनमें बाइक चला रहा हेड कांस्टेबल नितिन गम्भीर रूप से घायल हो गया। घटना में बाइक सवार दूसरे पुलिसकर्मी को भी चोट आई है। घटना के पश्चात आरोपी चालक बुलेट समेत मौके से फरार हो गया।

घायल पुलिसकर्मी को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिसकर्मी के सिर में टांके भरे गए है तथा उसके दाएं हाथ में भी फैक्चर बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आरोपी बुलेट चालक कस्बे में एक युवक की बारात में आया था। वहीं, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक समयपाल अत्री का कहना है कि मामला संज्ञान में है। आरोपी बुलेट चालक की तलाश की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे है।

चरम पर पहुंच गया पटाखा बुलेट का आतंक

मोडिफाइड साइलेंसर वाली पटाखा बुलेट से कस्बे के बाशिंदे हलकान है। अनेकों युवक कस्बे के मुख्य मार्गों व मोहल्लों के अंदर रोजाना बुलेट बाइकों से पटाखा छोड़ते हुए देखे जा सकते है। ऐसा प्रतीत होता है कि इन युवकों के दिलोदिमाग में कानून का कोई भय ही नही है। यहीं नही, कोतवाली के सामने से भी युवक बुलेट से पटाखा छोड़ते हुए गुजरने में कोई संकोच नही करते है। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों में भी बाइकों से पटाखा छोड़ने की शिकायतें आती रहती है, लेकिन पुलिस के ढुलमुल रवैए के चलते पटाखा छुड़ाने वाले बाइक चालकों के हौंसले सातवें आसमान पर है।

एक सप्ताह पहले भी हुआ था हमला

कैराना कोतवाली की किलागेट चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी पर एक युवक ने सरेबाजार हमला कर दिया था। बीच-बचाव करने आए चौकी प्रभारी को भी गंदी-गंदी गालियां दी गई थी। आरोपी युवक ने पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी थी। मामले की वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी। हालांकि पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध जानलेवा हमले समेत गम्भीर धाराओं में मुक. दमा दर्ज करके जेल भेज दिया था। रविवार को चालक द्वारा दुस्साहस का परिचय देते हुए बुलेट से पुलिसकर्मियों की बाइक में टक्कर मारने के मामले ने एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक नजर

कच्ची शराब में एक अभियुक्त गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह के आदेशानुसार अवैध शराब के अपराध में लिप्त अपराधियों की गिरफ्तारीध्बरामदगी अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी कैराना के कुशल पर्यवेक्षण में थाना झिंझाना पुलिस द्वारा एक अभियुक्त फरमान पुत्र इकबाल निवासी ग्राम जिजौला थाना झिंझाना जनपद शामली को अवैध 10 लीटर कच्ची शराब सहित गिरफ्तार करने मे महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के सम्बन्ध में थाना झिंझाना पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त फरमान पुत्र इकबाल निवासी ग्राम जिजौला थाना झिंझाना जनपद शामली है।

यातायात के प्रति किया जागरूक

शामली। यातायात माह-2025 के अवसर पर पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी यातायात मती अपेक्षा निम्बाडिया के पर्यवेक्षण में जनपद शामली में यातायात पुलिस द्वारा व्यापक जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है । अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों के महत्व एवं सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों के प्रति जागरूक करना है । अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम द्वारा सार्वजनिक चौराहों, प्रमुख बाजारों, विद्यालयों, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों एवं राजमार्गों पर पहुंचकर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। टीम द्वारा बैनर, पोस्टर, पम्पलेट, हैंड-माइक एवं प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से नागरिकों को सड़क सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया गया। जागरूकता के साथ-साथ अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त प्रवर्तन कार्रवाई भी की जा रही है, ताकि सड़क पर सुरक्षित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके । इसी क्रम में विभिन्न स्थानों पर चलाए गए विशेष निरीक्षण अभियान के दौरान यातायात नियमों का पालन न करने पर कुल 280 चालान की कार्रवाई की गई । इसमें बिना हेलमेटध्सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने, ओवरलोडिंग, मोबाइल का प्रयोग, नाबालिग द्वारा वाहन चलाना तथा अन्य नियम उल्लंघन की स्थितियों पर कार्रवाई शामिल रही। शामली यातायात पुलिस द्वारा यह जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके तथा जनपद में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित किया जा सके।

सोशल मीडिया पर जातिसूचक वीडियो वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। सोशल मीडिया पर जातिसूचक वीडियो वायरल करने के मामले में पुलिस ने राजकुमार भीम आर्मी मण्डल उपाध्यक्ष की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। ग्राम लपराना निवासी अंकुश पर आरोप है कि उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया, जिसमें उसने एक पूरे समाज के प्रति जातिसूचक शब्दों और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में रोष फैल गया। इस संबंध में राजकुमार भीम आर्मी मण्डल उपाध्यक्ष निवासी गांव ढिंढाली द्वारा पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अंकुश के खिलाफ एससी,एसटी के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। समाज के लोगों ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

दिल्ली विस्फोट के बाद हाईवे पर कड़ी सुरक्षा, वाहनों की सघन चैकिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। एक सप्ताह पूर्व दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों सहित स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकिंग अभियान तेज कर दिया है। मेरठ.करनाल हाईवे पर पुलिस टीमें दिन-रात वाहनों की सघन चेकिंग कर रही हैं। दिल्ली के लाल किले के पास खड़ी एक कार में हुए बम ब्लास्ट ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस घटना में कई लोगों की मौत हुई थी। हादसे के बाद खुफिया एजेंसियों और पुलिस विभाग ने पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा को जोड़ने वाले मेरठ.करनाल हाईवे पर जगह-जगह पुलिस द्वारा आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जा रही है। रविवार को टोल प्लाजा के निकट हाईवे की दोनों लेन पर पुलिस टीमों ने चौकिंग अभियान चलाया। लगातार हो रही चैकिंग से आम लोगों में सुरक्षा को लेकर आत्मविश्वास बढ़ रहा है।

मोबाइल चोरी कर ले जाने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी एक युवक ने गांव के कई युवकों पर उसका मोबाइल फोन उठा कर ले जाने का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है पुलिस जांच में जुटी हुई है। थाना क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसौली निवासी नदीम में रविवार को थाने पर तहरीर देकर बताया की सुबह सवेरे उसके घर पर गांव के कई युवक पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने एक राय होकर उसका हजारों रूपए की कीमत का मोबाइल चोरी कर उठा कर ले गए। पीड़ित ने जब अपने मोबाइल की मांग की तो आरोपियों ने मोबाइल देने से मना कर दिया। पीड़ित ने आरो. पियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए अपना मोबाइल बरामद करने की गुहार लगाई है पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

घर में घुसकर लाठी डंडों सहित धारदार हथियार से मारपीट करने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव सल्हाखेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस के आधा दर्जन लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने व तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। रविवार को थाना क्षेत्र के गांव सल्हाखेड़ी निवासी रिजवान ने बताया कि उसके पड़ोस का माहिर पीड़ित व उसके परिवार से रंजिश रखता है। रविवार की सवेरे आरोपी अपने परिवार के आधा अर्जन लोगों सहित लाठी डंडे लेकर पीड़ित के घर में घुस गया और आरोपी ने जमकर तांडव मचाया। आरोपी व उसके परिवार की महिलाओं के साथ मारपीट करते हुए अभद्रता की और आरोपी ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी है। आरोपियों ने जमकर पत्थर बाजी

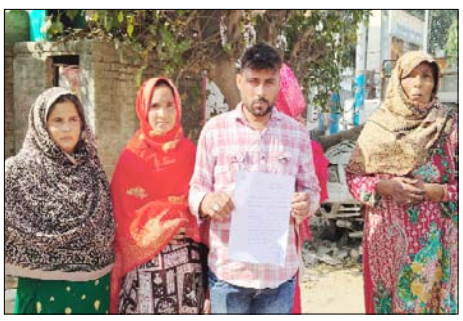

भी की वीडियो के पास वीडियो उपलब्ध है। पीड़ित व्यक्ति ने थाने पर पहुंचकर अपनी वह अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरो. पियों के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति व उसके परिवार के महिला पुरुषों को जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पड़ोसी दंपति पर की कार्रवाई की मांग

कांधला। थाना क्षेत्र की जन्नत कॉलोनी निवासी एक महिला ने पड़ोसी दंपति पर बच्चों के मामूली विवाद को लेकर उनके साथ गाली गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर दी है। पुलिस जांच में जुटी हुई है। रविवार को थाना क्षेत्र की जन्नत कॉलोनी निवासी महिला साईमा पत्नी नईम ने बताया कि उनके पड़ोस की महिला नसीमा उसका पति नफीस आए दिन उनके साथ लड़ाई झगड़ा करता रहता है। आरोप है कि रविवार की सवेरे बच्चों के मामूली विवाद को लेकर आरोपी महिला ने जमकर गाली गलौज की और मारपीट करने लगी। और महिला के पति ने फोन पर भी गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने दंपति के विरुद्ध तहरीर देकर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

प्रश्नोत्तरी कंपटीशन में दिखाई प्रतिभा

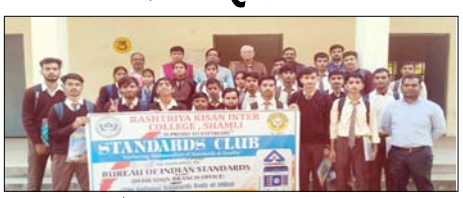

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। शहर के राष्ट्रीय किसान इंटर कॉलेज में रविवार को भारतीय मानक ब्यूरो के स्टैंडर्ड क्लब की द्वितीय गतिविधि के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने किया। प्रतियोगिता में छात्र विशेष ने प्रथम स्थान, सूर्यकांत ने द्वितीय तथा हिमांशु ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का गौरव बढ़ाया। इस दौरान छात्राओं को जागरूक भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब मेंटर पंकज कुमार, दिनेश कुमार, लेफ्टिनेंट आशीष सिंह, नीरज बेनीवाल, नवाब सिंह, विजयपाल देशवाल, डॉ। रवि खन्ना, संजीव कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

बंधक बनाने व नशीली दवा देने का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

शामली। एक व्यक्ति को जबरन कार में बैठाकर बंधक बनाने, मारपीट करने और नशीली दवा देने का गंभीर आरोप लगाते हुए क्षेत्र के गांव भैसवाल निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बडौत थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। गढीपुख्ता क्षेत्र के गांव भैंसवाल निवासी ग्रामीण राहुल शर्मा पुत्र नरेंद्र शर्मा ने पुलिस में तहरीर दी है। जिसमें उसने बताया कि हाल ही में वेद विहार में रह रहा है। गत 13 नवंबर को शाम करीब 6:45 बजे गली के पास पहुंचने से पहले दो सफेद कारों में सवार करीब छह लोगों ने उसे जबरन रोक लिया। आरोप है कि राजबीर, उसका बेटा, बिनोद सहित अन्य लोग उसे जबरन कार में बैठाकर अपने साथ ले गए। पीड़ित के अनुसार, उसे छपरौली रोड पर एक मकान में ले जाकर बंधक बनाया गया तथा उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद उसे कार द्वारा सबका गांव ले जाया गया, जहां कथित रूप से उसे नशीली दवा खिलाई गई। इस दौरान रोहित पुत्र चरण सिंह के भी मौजूद होने की बात शिकायत में कही गई है। आरा. प है कि रातभर पीड़ित के साथ कथित रूप से मारपीट व दबाव बनाया गया और अगले दिन लगभग 11:50 बजे उक्त लोग उसे शामली लेकर आए, जहां धमकी देते हुए उसकी करीब पोने तीन बीघा जमीन रोहित की पत्नी मीनू के नाम कराने को मजबूर किया गया। पीड़ित ने बताया कि कुछ पैसों का लेन-देन पहले से भी चल रहा था, जिसे लेकर यह विवाद उत्पन्न हुआ। बडौत पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो बार बातचीत के बाद भी आजाद के परिजन नहीं पहुंचे गुजरात

शाह टाइम्स संवाददाता

झिंझाना। गुजरात एटीएस द्वारा आतंकी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार किए गए कस्बा निवासी आजाद के परिजन अब तक गुजरात नहीं पहुंचे हैं। जानकारी के अनुसार आजाद ने गिरफ्तारी के बाद एटीएस अधिकारियों के फोन से दो बार अपने परिवारजनों से वार्ता की थी। इस दौरान उसने पिता और भाई को गुजरात बुलाया, लेकिन परिजन लगातार चुप्पी साधे हुए हैं और वहां जाने से परहेज कर रहे हैं।

परिजन बताते हैं कि अचानक हुई गिरफ्तारी से वे परेशान हैं और क्या करना है, इसको लेकर उलझन में हैं। इसी वजह से वे तुरंत गुजरात नहीं जा पाए। वहीं आजाद भी फोन पर परिजनों से मिलने की इच्छा व्यक्त कर चुका है। उधर, आजाद की गिरफ्तारी के बाद खुफिया विभाग और स्थानीय पुलिस उसकी कॉल डिटेल और संपर्कों की जांच कर रही है।

अमित कटारिया रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मनोनीत

शाह टाइम्स संवाददाता

कांधला। कस्बा निवासी अमित कटारिया को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) द्वारा युवा प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। नियुक्ति की सूचना मिलते ही समर्थकों ने फूलमालाओं से उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।रविवार को पार्टी के राष्ट्रीयअध्यक्ष रामदास आठवले द्वारा अमित कटारिया को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई जिम्मेदारी मिलने के बाद अमित कटारिया संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने नियुक्ति पत्र सौंपा।

जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर अमित कटारिया ने कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंच. ाने, युवाओं को जोड़ने और संगठन के विस्तार के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा जताए गए विश्वास को वह मेहनत और समर्पण से पूरा करेंगे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के कार्यकर्ताओं ने भी नई जिम्मेदारी मिलने पर खुशी व्यक्त की और उनके नेतृत्व में संगठन को और आगे बढ़ने की उम्मीद जताई। और उनका फूल मालाओं से लाद कर स्वागत किया।

कोरी हत्याकांड-पुलिस को 7 दिन का अल्टीमेटम

भाजपा नेता धर्म सिंह कोरी की रस्म पगड़ी में क्षेत्र का जनप्रतिनिधि नहीं हुआ शामिल, समाज के लोगों में रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

अंबेहटा। टिड़ोली गांव में भाजपा पार्टी के अनुसूचित जाति इकाई के अंबेहटा मंडल अध्यक्ष धर्म सिंह कोरी की हत्या के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। हत्याकांड का अभी तक खुलासा न होने से कोरी समाज में भारी रोष व्याप्त है। रस्म पगड़ी के दौरान क्षेत्र के किसी भी जनप्रतिनिधि ने शिरकत नहीं की, जिससे समाज के लोगों में और आक्रोश बढ़ गया है।

इस मामले को लेकर कोरी समाज के सैकड़ों लोगों ने एकजुट होकर 21 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति ने नकुड़ सर्किल सीओ अशोक कुमार सिसोदिया और थाना प्रभारी संतोष कुमार त्यागी को समाज के बीच बुलाया और हत्या के खुलासे में हो रही देरी पर कड़ा ऐतराज जताया।समिति के सदस्यों ने

पुलिस अधिकारियों से साफ कहा कि यदि सात दिनों के अंदर हत्याकांड का पर्दाफाश नहीं हुआ तो समाज के लोग बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरेंगे और इसके लिए पूरी जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की होगी।पुलिस अधिकारियों ने समाज को आश्वासन दिया कि सात दिनों के अंदर घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। इस आश्वासन के बाद समाज के लोग फिलहाल शांत दिखे, लेकिन चेता. वनी दी कि समय सीमा पूरी होने पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के जवान और पीएसी बल की तैनाती की गई थीं।

21 सदस्यीय समिति के प्रमुख सदस्यों में शामिल हैं पदम सिंह कोरी, सुरेन्द्र बुनकर, राजकुमार ठेकेदार, बिट्टू कोरी,रफल सिंह कोरी, राज. कुमार कोरी, रामपाल कोरी, रुदपाल कोरी, अशोक कुमार कोरी, कटार सिंह कोरी, विकास कोरी, ब्रजपाल सिंह कोरी, कृष्णपाल कोरी, सुरेश कोरी, श्याम सिंह कोरी, मोहन लाल कोरी,कांत कोरी और गुरमीत कोरी आदि शामिल रहे।

पेराई शुरू न होने से किसान परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

गागलहेड़ी। दया शुगर मिल में पेराई शुरू न होने से किसान परेशान हो रहे है। किसानो ने मिल प्रबंधन से मिलकर नाराजगी जताई है।

रविवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों ने दया शुगर मिल में पेराई न होने से नाराजगी जताई है।मिल के प्रांगण में हुई पंचायत में जिला सचिव डॉ नरेश यादव ने किसानों की पीड़ा व्यक्त करते हुये कहा कि जिले में सभी चीनी मिल चल गई है पर दया शुगर मिल के प्रबन्धन ने 10 नवम्बर को शुभारंभ दिखाकर अधिकारियो व किसानों को गुमराह किया है।आज किसानों ने मिल में आकर देखा तो मशीने खुली हुई मिली जिन्हें बांधा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर समय पर मिल नही चलती तो किसान आंदोलन को मजबूर होगा जिसकी जिमेदारी मिल प्रबंधन की होगी। पूर्व तहसील अध्यक्ष अनूप सिंह ने कहा कि मिल न चलने से गेहूं की बुआई प्रभावित हो रही है। और किसान को आर्थिक नुकसान हो रहा है।वही गन्ना महा प्रबन्धक ओमपाल तोमर ने किसानों को आश्वस्त करते हुये कहा कि मिल में आज रात तक पेराई शुरू हो जायेगी।

इस दौरान नरेश यादव, शुखवीर यादव, रिहान, गौरव यादव, शिवम, फूल कुमार, फोनी, नरेंद्र यादव, अजीम, अनूप यादव, अशोक, आदि किसान मौजूद रहे।

स्कूल भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन

शाह टाइम्स संवाददाता

नागल। कस्बे के बढेडी कोली प्राथमिक विद्यालय नंबर दो के भवन निर्माण का कार्य भूमि पूजन के साथ मंत्रोच्चारण के बीच किया गया।

इस अवसर पर राउंड टेबल के सदस्यों ने विद्यालय को आधुनिक एवं भव्य स्वरूप मानको के अनुरूप निर्माण करने का संकल्प लिया । नये भवन के निर्माण से बच्चो को सुखद वातावरण मिलेगा। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक अध्यक्ष स्वतंत्र कादियान, राउंड टेबल डायरेक्टर माणिक ठकराल ने कहा किया इस नेक कार्य में सभी अपना सहयोग और आशीर्वाद बनाए रखे, जिससे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखी जा सके और वे देश के जिम्मेदार नागरिक बन सके।

मुख्य रूप से जिला समन्वयक वैभव जैमिनी, अर्चित जैन, पंकज ग्रा.

ेवर, आशीष जैन, आशीष छाचरा, कृपाल मलिक, ऋषि मनचंदा, जीनस गाना, प्रणव निधि रानी, यास्मीन बेगम, रजनीश कुमार, पुनीत कुमार, सारिका सहित विद्यालय के छात्र व अभिभावक उपस्थित रहे।

सरकार के कदम को बताया सराहनीय

सहारनपुर। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष विवेक मनोचा ने कहा कि श्रम कानूनों में सरलीकरण सरकार का सराहनीय कदम है।

विवेक मनोचा रेलवे रोड स्थित व्यापार भवन में आयोजित बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने सरकार द्वारा श्रम कानूनों में किये गये परिवर्तन पर हर्ष जताते हुए कहा कि सरकार ने श्रम कानूनों का सरल. ीकरण करते हुए छोटे व्यापारियों व कारोबारियों को राहत दी गयी है। अब 20 से कम कर्मकारों वाले प्रतिष्ठानों के लिए पंजीयन अनिवार्य नहीं होगा। पहले एक सा इससे अधिक कर्मकारों वाले प्रतिष्ठानों का पंजीयन अनिवार्य था। इससे सम्बन्धित दुकान और वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम 1962 में महत्वपूर्ण संशोधन को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी।

गंगोह में जागृति यात्रा का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। गुरु सिंह सभा, पंजाबी समाज सहित अन्य धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने हिंद की चादर साहिब जागृति यात्रा का स्वागत किया। जो बोले सोनिहाल सत श्री अकाल के नारे के साथ सिरोपा भेट किया गया।

हिन्द की चादर साहिब श्री गुरू तेग बहादुर जी व उनके शिष्यों भाई मतिदास, भाई सतिदास व भाई दयाला के 350वें शहीदी पर्व पर गुरूद्वारा हरगोबिंद साहिब पातशाही 6 वीं पनियाली से निकाली गई हिन्द की चादर जागृति यात्रा का गंगोह पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा में भारी संख्या में सिख समाज के अलावा अन्य लोग भी शामिल रहे। बड़ी संख्या में संगत ने पालकी साहिब में विराजमान श्री गुरू ग्रंथ साहिब महाराज को माथा टेककर

अरदास की। यात्रा में सबसे आगे गाड़ी में पांच प्यारे लेकर चल रहे थे। उसके पीछे निशान साहिब लिए सेवादार व उसके पीछे सोनीपत से आई पालकी साहिब चल रही थी। सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी यात्रा का स्वागत कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राम कृष्ण मेहता इंटर कालेज पहुंचने पर भी जोरदार स्वागत किया गया।

गुरुद्वारा कमेटी की ओर से अरविंद कपूर, अरविंद टेबक, मुरारी लाल, हरपाल कपूर, अमरदीप लाड्डी, अमित आदि को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। आधा घंटा रूकने के बाद यात्रा आगे के लिए रवाना हो गई। इस दौरान मनोज कालड़ा, गुरनूर, रवि शंकर, दीपक बंसल, तलविंद्र कौर, परमजीत, महेंद्र शर्मा, निर्मल सिंह, पलविंद्र कौर आदि मौजूद रहे।

चौपाल लगाकर सुरक्षा व साइबर खतरे से बचाव को जागरूकता अभियान चलाया

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। थाना फतेहपुर की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो स्क्वॉड ने रविवार को पूरे इलाके में महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा और साइबर खतरे से बचाव का मेगा जागरूकता अभियान चलाया। कमान संभाली श्लेडी सिंघमश उपनिरीक्षक मिथिलेश राठौर ने, जिनकी फुर्तीली कार्यशैली ने हर दिल में भरोसा जगाया। सुबह से शाम तक उनकी टीम

मदरसों, बाजारों और चौपालों पर पहुंची, सीधा संवाद किया और हर उम्र की महिलाओं-बच्चों को सुरक्षा का पाठ पढ़ाया।महिला सशक्तिकरण पर फोकस रहा। मिथिलेश ने गुड टच-बैड टच को कहानी-उदाहरण से समझाया, बाल मजदूरी रोकने और बच्चों के कानूनी अधिकारों पर रोशनी डाली। उनकी सरल भाषा में बच्चे-बच्चे मुग्ध हो गए। महिलाओं को आत्मरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की ट्रेनिंग दी गई।सरकारी योजनाओं की झड़ी लगाई। विधवा पेंशन, कन्या सुमंगला योजना, बाल कल्याण स्कीम और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों की पूरी डिटेल बताई। महिलाओं ने घरेलू परेशानियां खुलकर साझा कीं, मिथिलेश ने तुरंत समाधान सुझाए और फॉर्म भरवाने में मदद की।साइबर अपराध पर कड़ा प्रहार। डिजिटल अरेस्ट, फेक कॉल, फिशिंग लिंक, शेयर न करने और सोशल मीडिया सेफ्टी के गुर सिखाए। हर टिप को रियल केस स्टडी से जोड़ा, ताकि लोग तुरंत अमल करें। साइबर क्राइम रिपोर्टिंग की पूरी प्रक्रिया बताई।

चिलकाना। ग्राम पटनी में थाना की महिला मिशन शक्ति टीम ने महिला चौपाल का आयोजन करते हुए महिलाओं से संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा

के प्रति जागरूक किया। रविवार को मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत मिशन शक्ति टीम इंचार्ज महिला एसआई सुमन की अगुवाई में एसआई माधुरी शर्मा, महिला आरक्षी चांदनी शर्मा तथा मनिता ने ग्राम पटनी में महिलाओं की चौपाल आयोजित कर उनसे संवाद स्थापित किये। इस दौरान महिलाओं को सरकारी योजनाओ, सायबर फ्रॉड तथा डिजिटल अरेस्टिंग के बारे में जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों जैसे कि वूमेन पावर लाइन, आपातकालीन पुलिस सेवा तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर आदि की जानकारी देते हुए सरकारी योजनाओं से सम्बंधित पम्पलेट भी वितरित

किये।

बेहट। थाना बेहट की एंटी रोमियो टीम ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र के ग्राम मेघन माजरा व कस्बे की संजय कॉलोनी , इंदिरा नगर कॉलोनी आदि मे जाकर महिला हेड कांस्टेबल ललिता देवी, हेड कांस्टेबल मीनाक्षी , महिला कांस्टेबल कविता द्वारा चौपाल लगाकर महिला सशक्तिकरण अभियान मिशन शक्ति फेज 5, के अंतर्गत राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा की जानकारी विभिन्न प्रकार की जानकारी दी गई व महिलाओं युवतियों से उनकी समस्या के बारे में जानकारी दी गई। टीम द्वारा

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं विधवा पेंशन , सुमंगला योजना बाल कल्याण योजनाओं ,बाल मजदूरी न कराने और गुड टच और बैड टच आदि के बारे में जानकारी के साथ साथ सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध 108 एंबुलेंस सेवा 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, डिजिटल अरेस्ट, साइबर फ्रॉड , तिंनक बंसस , अनचाहे लिंक पर क्लिक न करने, आदि की जानकारी दी गई व साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई।

खडंजे में पुरानी ईटें लगाने पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

शाह टाइम्स संवाददाता

छुटमलपुर। मुजफ्फराबाद ब्लॉक के मुजफ्फरपुर गांव में जिला पंचायत की 7 लाख रुपये की खड़ंजा परियोजना पर भ्रष्टाचार की काली स्याही छा गई है।

ग्राम सचिवालय से जगदीश के खेत की ओर दक्षिण दिशा में बन रही 400 मीटर लंबी सड़क में ठेकेदार पुरानी, जर्जर और टूटी ईंटें डाल रहा है। ग्रामीणों ने इसे सरकारी खजाने की लूट बताया और तत्काल जांच की मांग की। नई ईंटों का बजट पास हुआ, लेकिन काम देखो-पुरानी ईंटें जो कहीं से उखाड़कर लाई गई लगती हैं। कुछ ही महीनों में यह सड़क ध्वस्त हो जाएगी, गांव के युवा नेता ने आरोप लगाया। महिलाएं बताती हैं कि पहले गड्ढों से परेशानी थी, अब घटिया निर्माण से बारिश में कीचड़ का सामना करना पड़ेगा। बच्चे स्कूल

जाते समय गिरने का खतरा बढ़ जाएगा।ठेकेदार ने दावा किया कि 7 लाख का पूरा बजट खर्च हो रहा है, लेकिन मौके पर नई सामग्री की जगह पुरानी ईंटों का ढेर देखकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी मौका मुआयना तक नहीं कर रहे। ष्यह पैसों की बंदरबांट है। ईंटें कहां से आईं, बिल कहां हैंख़्सब जांच हो,ष एक बुजुर्ग ने चेतावनी दी।पिछले साल भी इसी ब्लॉक में दो परियोजनाओं पर पुरानी सामग्री के आरोप लगे थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने पंचायत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और धरना देने की तैयारी की। यदि 48 घंटे में जांच नहीं हुई तो सड़क जाम करेंगे। जिला पंचायत सीईओ ने कहा, षशिकायत दर्ज, टीम भेजी जाएगी।ष लेकिन गांव में अविश्वास का माहौल है। यह मामला न केवल विकास की पोल खोल रहा है, बल्कि ग्रामीणों के सब्र का इम्तिहान भी ले रहा है।

नारी उत्कर्ष समारोह आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

चिलकाना। क्षेत्र के ग्राम पटनी स्थित शिव मंदिर के निकट गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार उत्तराखंड के मार्गदर्शन में अखण्ड दीप एवं वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर दिव्य नारी उत्कर्ष समारोह का आयोजन किया गया।

रविवार को समारोह में पहुंची जनपद सहारनपुर निवासी गायत्री परिवार से जुड़ी सक्रिय बहनो को प्रशिक्षित किया गया, तथा उन्हें देव परिवार के रूप में नामित करते हुए नियमित रूप व दैवीय भाव से देव कार्य करने के लिए संकल्पित किया गया। नामित सक्रिय बहनों को, देव स्थापना जैसे ग्रह मन्दिर स्थापना करना, वेद स्थापना करना (घरेलू पुस्तकालय), बलिवैश्य महायज्ञ, संस्कार परंपरा, धर्मघट/ज्ञानघटो की स्थापना, तुलसी रोपण एवं सुर्याधर्य दान, घर के बाहर द्वार पर नाम पट्टिका लगाना आदि कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

दिव्य नारी उत्कर्ष समारोह प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 1 बजे विधि विधान से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को मुख्य रूप से युग ऋषि, वेद मुर्ती, तपोनिष्ठ परम पूज्य गुरुदेव प.श्रीराम शर्मा आचार्य एवं स्नेह सलिला वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के दिव्य संरक्षण व सुक्ष्म उपस्थित में अखण्ड ज्योति एवं वंदनीय माता की जन्मशताब्दी के उपलक्ष में देव परिवार (गायत्री परिवार) के द्वारा समस्त ग्रामवासी पटनी की ओर से आयोजित किया गया।

घायल करने का आरोप

चिलकाना। क्षेत्र के ग्राम तेल. ीपुरा निवासी पीड़ित युवक ने उसके ही गांव निवासी 4 लोगों पर उसके व एक अन्य के साथ मारपीट करते हुए घायल करने का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम तेलीपुरा में खेत की जमीन को लेकर हुई मामूली कहासुनी के बाद एक पक्ष के चार लोगों ने दूसरे पक्ष के दो लोगों को मारपीट करते हुए घायल कर दिया। जिसके बाद ग्राम तेलीपुरा निवासी पीड़ित सुखबीर पुत्र रामपाल द्वारा थाना पर तहरीर देकर उसके ही गांव निवासी 04 पिता पुत्रों पर सुखबीर तथा अमित पुत्र ऋषिपाल के साथ बुरी तरह मारपीट करके उन्हें घायल करने का आरोप लगाते हुए आरोपियो के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की गई।

थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया है कि थाना पहुंचे दोनों घायलों को मेडिकल जांच हेतु भिजवाया गया है।

लापरवाही पर हटाई गई 8 आशा एवं दो एएनएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आमजन के दृष्टिगत चिकित्सकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी अस्पतालों में चिकित्सक एवं स्टाफ निर्धारित यूनिफॉर्म में रहेंगे। इसके साथ ही अपना पहचान पत्र भी पहन कर रखेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर निर्धारित स्थल पर ही रहे जिससे कि बीमारी हालत में रोगियों को यथाशीघ्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

उन्होंने कहा कि आमजनों को चिकित्सकों को पहचाने में कोई समस्या नहीं आए इसलिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करे।इसमें लापरवाही पर सख्त कारवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने चिकित्सीय कार्यों पर लापरवाही पर आठ आशा एवं दो एएनएम को भी हटाने के लिए डीएचएस को अनुमोदन कर दिया।

अस्मिता एथेलेटिक्स लीग की तैयारियों पर विचार

सहारनपुर। जनपद मे आयोजित होने वाली अस्मिता एथलेटिक्स लीग की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन कर विचार विमर्श किया गया। बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया की अस्मिता एथलेटिक्स लीग का सफल आयोजन कराया जाएगा जिसके लिए सभी तैयारियों को समय से पूरा कर लिया जायेगा। बैठक मे जिला एथलेटिक्स संघ सहारनपुर के पदाधिकारियों समेत खेल प्रशिक्षको ने भाग लिया।

जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव डॉ. अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा बालिकाओं के लिए निर्धारित अति महत्वपूर्ण अस्मिता एथलेटिक्स लीग का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण एवं भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के निर्देशन मे जिला एथलेटिक्स संघ सहारनपुर के द्वारा 24 नवंबर को प्रातः 9 बजे से डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में किया जाएगा। उक्त जिला स्तरीय प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, पर जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष यशपाल सिंह पुंडीर की अध्यक्षता में संघ पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए कि अस्मिता एथलेटिक्स लीग 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए 2 आयु वर्ग 14 से 16 वर्ष और 12से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु खिलाड़ियों की एंट्री निःशुल्क है। परंतु उनके नामांकन 20 और 21 नवंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्टेडियम परिसर में किया जायेगा। निर्धारित फॉर्म के साथ अन्य आवश्यक जानकारियों वाला पत्र 17 नवंबर को संस्थाओं को भेज दिए जाएंगे। प्रतियोगिता के आयोजन अध्यक्ष मुस्तकीम अंसारी एवं आयोजन सचिव लाल धर्मेंद्र प्रताप होंगे। प्रतियोगिता को आयोजित कराने वाले निर्णायकों को तकनीकी दिशा निर्देश देने हेतु उनकी एक बैठक 21 नवंबर को सांय 4 बजे डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम, पर क्रीड़ाधिकारी राहुल चोपड़ा एवं प्रवीन कुमार सहायक प्रशिक्षक (बॉक्सिंग) की अध्यक्षता में आहुत की जाएं। अस्मिता एथलेटिक्स लीग के बारे मे अधिक जानकारी आयोजन अध्यक्ष मुस्तकीम अंसारी व आयोजन सचिव लाल धर्मेंद्र प्रताप से प्राप्त कर सकते है। बैठक का संचालन जिला एथलेटिक्स संघ सहारनपुर के सचिव डॉ. अशोक कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया।

दो दिवसीय महानगर अभ्यास वर्ग का समापन

सहारनपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का दो दिवसीय महानगर अभ्यास वर्ग में महानगर के पदाधिकारियों की घोषणा के साथ सम्पन्न हो गया, जिसमें डॉ. गुरदेव सिंह बने महानगर अध्यक्ष, रजत गोयल महानगर मंत्री चुना गया।

बाबा लाल दास रोड़ स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, द्वारा आयोजित दो दिवसीय महानगर अभ्यास वर्ग 15-16 नवंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अभ्यास वर्ग संगठन के कार्यकर्ताओं को विचार, संगठनात्मक कार्यशैली तथा आयामगत गति. विधियों की गहन जानकारी प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया था। वर्ग का शुभारंभ प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. दिनकर मलिक, विभाग संगठन मंत्री चौतन्य स्वरूप तथा महानगर मंत्री आवेश त्यागी ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। पहले सत्र में विभाग संगठन मंत्री चौतन्य स्वरूप ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के गौरवपूर्ण इतिहास, उसके विकास-क्रम एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी आंदोलन में उसकी भूमिका के विषय में विस्तार से जानकारी दी। दूसरे सत्र मे प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. दिनकर मलिक ने परिषद की सैद्धांतिक भूमिका, उसके मूल विचार एकात्म मानववाद एवं सर्वांगीण राष्ट्रीय विकास का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। मेरठ प्रांत के प्रांत सह-संगठन मंत्री अनुज श्रीवास्तव ने परिषद की कार्य-पद्धति, संगठनात्मक ढाँचे एवं कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। पाँचवें सत्र में अक्षय सैनी ने आयाम कार्य, गतिविधियों, सदस्यता अभियान की प्रक्रिया पर प्रशिक्षण दिया, जबकि रमेश शर्मा जी ने इकाई गठन, प्रवास, बैठक संचालन तथा संगठनात्मक अनुशासन पर प्रकाश डाला। छठे सत्र में विभाग प्रचारक आशुतोष ने पच परिवर्तन विषय पर प्रेरक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन में विद्यार्थी की भूमिका का वर्णन किया। अभ्यास वर्ग के अंतिम सत्र में प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. दिनकर मलिक ने वर्तमान कार्यकारी को भंग करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें डॉ. गुरदेव सिंह महानगर अध्यक्ष, रजत गोयल महानगर मंत्री, दुर्गेश राज मोहन महानगर उपाध्यक्ष, विनीता दुबे महानगर उपाध्यक्ष, प्रशांत राणा महानगर उपाध्यक्ष, अनुरंजन गुप्ता महानगर उपाध्यक्ष, अंकुर कुमार महानगर उपाध्यक्ष, डॉ. अनिल कुमार महानगर एसडीएफ महानगर प्रमुख, रमेश शर्मा महानगर कोषाध्यक्ष, अभिषेक मित्तल महानगर सह-मंत्री, अर्पित सैनी महानगर सह-मंत्री, पलक प्रजापति महानगर सह-मंत्री, अमोघ कौशिक महानगर सह-मंत्री, मुकुल शर्मा महानगर सह-मंत्री, हिमांशु सैनी, विभाग कार्यालय मंत्री, कनक कोरी महानगर छात्रा प्रमुख, अभिनव त्यागी एसडीएफ संयोजक, प्रिंस कोरी एसडीएफ संयोजक, वंशिका राष्ट्रीय कला मंच संयोजक, कार्तिक धीमान खेलो भारत संयोजक, अंकुर सिंह खेलो भारत सह-संयोजक, आरव मल्होत्रा सोशल मीडिया संयोजक, आर्यावर्त सोशल मीडिया सह संयोजक, अभिषेक पार्ले महानगर कार्यालय मंत्री, विशाल सैनी, फार्मा विजन संयोजक बनाया गया है। चौतन्य स्वरूप ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने-अपने शिक्षण संस्थानों में जाकर एकात्म मानववाद एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के विचार को विद्यार्थियों तक पहुंचाये।

ट्रक चालक के साथ मजदूरों ने की मारपीट

त्रिवेणी शुगर मिल के गुदाम से चीनी लोड कराने के लिए पैसो के लेनदेन को लेकर हुई मारपीट

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। त्रिवेणी शुगर मिल के गोदाम से चीनी लोड कराने को पैसो के लेनदेन को लेकर ट्रक चालक के साथ मजदूरों ने मारपीट की। इसमें चालक घायल हो गया, जिसे निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। पीडित के भाई ने कोतवाली तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

मोहल्ला सराय पीरजादगान निवासी महताब ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया हैं कि भाई शाहनवाज ट्रक ड्राईवर है। शनिवार को उसे त्रिवेणी शुगर मिल के गोदाम से चीनी लोड कर पंजाब जाना था, आरोप है कि चीनी लोड कराने के दौरान लेबर मजदूरी के पैसो को लेकर उसके साथ गाली गलौज करने लगे, विरोध किया तो उसके साथ जमकर मारपीट की गई। जिसमें उसके पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई। महताब ने बताया कि लेबर से नौ सौ रुपये में चीनी लोड कराने की बात हुई थी, लेकिन वह 1150 रुपये की मांग करने लगे। शाहनवाज ने जब इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। पुलिस का कहना है तहरीर मिल गई है, मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

20 नवम्बर को होगा फ्रूट एसोसीएशन का चुनाव

देवबन्द। मण्डी फ्रूट एसोसीएशन के चुनाव को लेकर आयोजित बैठक में विचार विमर्श करने के उपरांत 20 नवम्बर को चुनाव कराने का निर्णय लिया गया।

मण्डी फ्रूट एसोसीएशन की आयोजित बैठक में फ्रूट व्यापारियों ने दहन विचार विमर्श करने के बाद निर्णय लिया गया कि 20 नवम्बर को फ्रूट एसोसीएशन का चुनाव कराया जाएगा। फ्रूट एसोसीएशन के 32 सदस्यों के बीच चुनाव सम्पन्न होगा जिसके लिए वर्तमान अध्यक्ष सुल. `मान फारूकी व अदनान कुरैशी के बीच मुकाबला होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। वर्तमान अध्यक्ष सुलेमान फारूकी लगभग 20 वर्षों से फ्रूट एसोसीएशन के अध्यक्ष चले आ रहे है। इस अवसर पर व्यापारी शामिल रहे।

एसआईआर अभियान के तहत जगह-जगह फार्म भरते दिखे मतदाता

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। एसआईआर अभियान के तहत नगर में महाभियान चलाया गया। दिनभर जगह-जगह मतदाता गणना प्रपत्र भरते दिखे। जबकि बीएलओ ने फार्मों को एकत्र किया।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत नगर में महाभियान के चलते बीएलओ ने घर-घर गणना प्रपत्र बांटने का काम कर रहे हैं। जिन लोगों के पास तक प्रपत्र पहुंच चुके हैं, वे उन्हें भरने का कार्य कर रहे हैं। फार्मों को अपलोड करने का कार्य शुरु होने के बाद मतदाताओं में फार्म भरने को लेकर गंभीरता दिखाई जा रही है। इसी को लेकर रविवार को अभियान चलाया गया। जिसके तहत बीएलओ विभिन्न मोहल्लों में पहुंचे और भरे हुए फार्मों को एकत्र किया। मतदाता गणना प्रपत्र भरवाने को लेकर इधर उधर भटकते नजर आए। हालांकि फार्म को लेकर मतदाताओं के मन में

शंकाएं भी बनी हुई है। कुछेक मतदाताओं का कहना है कि बीएलओ मद्द नहीं कर रहे हैं, जानक. ारी के अभाव में वह फार्म नहीं भर पा रहे है। प्रभावी सभासद प्रत्याशी मौहम्मद प्रवेज ने बताया कि इस संबंध में अधिकारियों को अवगत कराया गया गया। उन्हें 2003 की सूची भी उपलब्ध नहीं कराई गई, जिस कारण बीएलओ मतदाताओं को टरकाने वाला रवैया अपना रहे हैं। एसडीएम युवराज सिंह का कहना है कि बीएलओ को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। उसके बावजूद यदि किसी बीएलओ की लापरवाही की शिकायत मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

किसानों ने समस्याओं को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

देवबन्द। किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श के उपरांत विभिन्न मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

भारतीय किसान संघ की एसडीएम कार्यालय परिसर में आयोजित बैठक में पूर्व प्रदेश संयोजक (गन्ना) श्यामवीर त्यागी ने कहा कि बेसहारा पशु किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे है। इन पशुओं को गौशाला भेजे जाने की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने गन्ना मूल्य में 30 रुपये कुंतल की वृद्धि किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया और कहा कि आगामी सीजन में भी सरकार गन्ने का भाव बढ़ाए। पूर्व जिला मंत्री विक्रम सिंह पुंडीर ने कहा कि समितियों में डीएपी व यूरिया खाद की किल्लत होने से किसान परेशान है और गेहूं की बुवाई प्रभावित हो रही है। जिला सह मंत्री मणिकांत भारद्वाज और जिला कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र सिंह ने पनियाली कासिमपुर में दो माह पूर्व तीन घरों में चोरी की घटना का राजफाश करने की मांग रखी। बैठक के बाद एसडीएम युवराज सिंह के माध्यम से किसानों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन

भेजा। इस मौके पर तसलीम त्यागी, राकेश त्यागी, मुनेश त्यागी, पप्पू कश्यप, अमरीश त्यागी, बृजपाल त्यागी, तुषार कुमार, अतुल त्यागी, मुजीब त्यागी, जगदेव कश्यप आदि आदि किसान शामिल रहे।

गुरुद्वारा हरगोबिंद साहिब से यात्रा का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स ब्यूरो

देवबन्द। साहिब श्री गुरु तेग बहादुर और उनके शिष्यों मतिदास, सतिदास व दयाला जी के 350वें शहीदी पर्व पर जनपद में जाग्रति यात्रा निकाली जा रही है। रविवार को पनियाली कासिमपुर स्थित गुरुद्वारा हरगोबिंद साहिब से यात्रा का शुभारंभ किया गया। देवबंद पहुंचने पर पंजाबी समाज ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया।

पंज प्यारों की अगुवाई में नगर के सुभाष चौक पर पहुंची पंजाबी यात्रा का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत करते हुए श्रद्धालुओं ने पालकी साहिब में विराजमान गुरु ग्रंथ साहिब के आगे माथा टेक अरदास की। यात्रा में निशान साहिब लिए सेवादार और पीछे चल रही सोनीपत से आई पालकी साहिब आकर्षण का केंद्र रही। गुरुद्वारा कमेटी की ओर से पांच प्यारों व बाबा रणजीत सिंह को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सभा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार व गुरजोत सिंह सेठी ने बताया कि देवबंद से जाग्रति यात्रा रामपुर मनिहारान के लिए रवाना हुई है। यात्रा जनपद में

विभिन्न स्थानों से होकर गुजरेगी। इस मौके पर बाबा अजीत सिंह, कपिल सिंह, राजेश अनेजा, बाबा गुलजार सिंह, सतीश गिरधर, श्याम लाल भारती, शिवराज रोड, गुरविंदर सिंह छाबड़ा, हरविंदर बेदी, राजेश अजमानी, सचिन छाबड़ा, चंद्रदीप सिंह व हर्ष भारती आदि मौजूद रहे।

हर घर यज्ञ घर-घर यज्ञ के तहत घरों में वैदिक यज्ञ का किया आयोजन

देवबन्द। जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में दिवालहेड़ी गांव में चल रहा तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव गांव में यात्रा निकालने के साथ संपन्न हुई। इस दौरान हर घर यज्ञ घर-घर यज्ञ कार्यक्रम के तहत 42 घरों में वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व तहसील अध्यक्ष विपिन आर्य ने यज्ञ का महत्व बताते हुए कहा कि वैदिक यज्ञ धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक है। साथ ही यह पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ ही सामाजिक एकता को बढ़ावा देता है। साथ ही यह शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इसलिए ही संगठन लगातार घर घर यज्ञ मुहिम चलाए हुए है। इस दौरान वैदिक

विद्वानों ने भजनों के माध्यम से एकजुटता का संदेश दिया। बताया कि जातिवाद हमारी व देश की उन्नति में बाधक है, इसलिए हमें जातियों में न बिखर कर एकजुट होना चाहिए। इस मौके पर आयोजक शिवराज सिंह रोड, महिपाल प्रधान, डा. सुरेंद्र आर्य, अजब सिंह, जगपाल, मेनपाल, लक्ष्मण, कुलदीप, अजित, अमरीश, सतीश, ईश्वरचंद आदि शामिल रहे।

रामलीला मैदान में 17वें विशाल जागरण का आयोजन

कांठ (शाह टाइम्स)। बम बटक एकता मंच के तत्वाधान में नगर के श्री रामलीला मैदान में मां भगवती के 17 वें भव्य विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व विधायक पुत्र मुकेश माहेश्वरी और विशिष्ट अतिथि भाजपा के पूर्व मंडलाध्यक्ष राजपाल सिंह प्रजापति ने हिमाचल प्रदेश ज्वाला देवी मंदिर से लाई गई अखंड जोत स्थापित कर और भावेश शर्मा ने पूजन कराकर कराया।

गणेश वंदना और उनकी सुंदर झांकी के पश्चात आशीष जागरण एंड पार्टी की ओर से आए गायक कलाकार विवेक शर्मा दिल्ली, ओमकार देवा मुरादाबाद और रविंद्र नायक दिल्ली ने तमाम भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। दारा आर्ट ग्रुप के कलाकारों ने भगवान गणेश, श्रीराम दरबार, वीर हनुमान, मां काली तंडव, शिव-पार्वती विवाह, मां सती की लीला, धानू

भगत की लीला, पूतना वध की लीला, लक्ष्मण मूर्छा लीला आदि की झांकियां और नृत्य प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। तारा रानी की कथा, मां दुर्गा आरती कर कन्याओं के पूजन के बाद जागरण का समापन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजकों ने अतिथियों और सहयोगियों को सम्मानित किया।

युवती की निडरता ने बचाई युवक की जान, भीड़ वीडियो बनाती रही

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र के दिल्ली रोड स्थित छठ घाट पर रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब कुछ युवकों के बीच अचानक विवाद भड़क उठा। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और चार-पांच लड़कों ने एक युवक को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में युवक गंभीर रूप से लहूलुहान हो गया, लेकिन मौके पर मौजूद अधिकांश लोग मदद करने के बजाय घटना का मोबाइल से वीडियो बनाते रहे।इसी दौरान वहां से गुजर रही एक युवती ने भीड़ का तमाशा देख कर हिम्मत दिखाई।

बिना किसी डर के वह मौके पर पहुंची और तुरंत पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। युवती के साहसिक कदम के बाद हमलावर युवक घबरा गए। सूचना मिलते ही मझोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मारपीट कर रहे सभी लड़कों को हिरासत में ले लिया। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झगड़े की शुरुआत किसी आपसी कहासुनी से हुई थी, जो कुछ ही मिनट में हिंसक रूप ले बैठी।

मौके पर मौजूद भीड़ घटना को रोकने के बजाय वीडियो बनाने में जुटी रही, जिससे पिट रहे युवक की हालत बिगड़ती चली गई। यदि युवती समय रहते हस्तक्षेप न करती तो बड़ी अनहोनी की आशंका थी।पुलिस ने मारपीट में शामिल युवकों के खिलाफ उचित कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, युवती की बहादुरी की सभी प्रशंसा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे समय पर साहस दिखाना हर किसी के बस की बात नहीं, लेकिन युवती के इस कदम ने एक युवक की जान बचा दी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में वीडियो बनाने के बजाय सहायता करें या पुलिस को सूचना दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

उद्योग व्यापार मंडल ने की बैठक

चन्दौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की जिला कोर कमेटी की बैठक कैंप कार्यालय जवाहर रोड पर आयोजित की गई, जिसमें संगठन की नीति निर्धारण हेतु पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि संभल जिले में व्यापार मंडल के किसी भी व्यापा. रिक, सामाजिक अथवा जनसेवा संबंधी कार्यक्रम के लिए जिलाध्यक्ष की लिखित या मौखिक अनुमति अनिवार्य होगी, जिससे वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों की गरिमा बनी रहे। जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ने स्पष्ट किया कि संगठन में किसी प्रकार की अनुशासन हीनता, भ्रष्टाचार, दलाली या अनैतिक कार्यों को स्वीकार नहीं किया जाएगा और ऐसे पदाधिकारियों को संगठन से बाहर किया जाएगा। स्वच्छ छवि वाले व्यापारियों को संगठन में स्थान देने के लिए व्यापार मंडल एक विशेष अभियान भी संचालित करेगा। कोर कमेटी ने उमेश चंद्रा को वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष तथा रमेश ग्रेवाल को जिला संगठन मंत्री बनाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक में जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर, जिला महामंत्री प्रभात कृष्णा, जिला संगठन मंत्री उमेश चंद्र, रमेश ग्रेवाल, वसीम अख्तर, सुशील अग्रवाल, सुभाष मित्तल और चिंटू शर्मा सहित प्रमुख व्यापारी उपस्थित रहे।

एसआईआर गणना प्रपत्र को लेकर मतदाताओं को सपा विधायक ने किया जागरूक

बिलारी। सपा विधायक हाजी मौहम्मद फहीम इरफान ने रविवार को क्षेत्र के गांव पीपली चक, बिचौला ढूकी समेत नगर बिलारी के अनेक बूथों पर पहुंचकर एसआईआर गणना प्रपत्र भरे जाने को लेकर जागरूक किया।

इस दौरान नगर बिलारी में एसआईआर को लेकर बीएलओ द्वारा लगाए गए कैंप में पहुंचे सपा विधायक हाजी मौहम्मद फहीम इरफान ने कहा कि 2003 की वोटर लिस्ट में जिन मतदाताओं का डाटा मिल रहा है उन्हें केवल गणना प्रपत्र भरकर देने हैं, इसके अलावा जिनका डाटा नहीं मिल पा रहा है, तो वह अपने माता-पिता, दादा-दादी का ब्यौरा 2003 की लिस्ट से उपलब्ध करा दे। इस दौरान समाजवादी पार्टी के बीएलए हप्पू राजा, मुनाजिर, मौहम्मद शफीक, हाजी गुडडू, इसरार, वसीम, शफीक मौहम्मद आसिफ, तसलीम अहमद, मास्टर इस्लाम, जरीफ अंसारी, अफजाल अहमद आदि का सहयोग रहा। इस अवसर पर अंसार आलम, यामीन, मुबस्सिर आलम, शादाब आदि बीएलओ भी मौजूद रहे।

सूचना

मैंने अपना नाम SABA से बदलकर SABA SALEM कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

सबा सलीम पत्नी अकरम मंजूर,
146, बडा दरवाजा,
मो0-अबुलमाली, देवबंद,
सहारनपुर।

आईएफटीएम में 'एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइंसेज में कॅरियर की संभावनाएं' विषय पर सेमिनार का हुआ आयोजन

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग द्वारा कृषि विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ''एग्रीकल्चर एंड एलाइड साइंसेज में कॅरियर की संभावनाएं'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजीव अग्रवाल ने सेमिनार के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कृषि के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। सेमिनार के मुख्य वक्ता व आईसीएआर- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के प्रिंसिपल साइंटिस्ट प्रोफेसर यशवीर सिंह शिवाय ने कृषि छात्र-छात्राओं को प्राइवेट सेक्टर्स जैसे कि सिंजेंटा, मोनसेंटो, बॉयर, टेक्सटाइल कंपनीज एवं फूड सेक्टर की कंपनियों में रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। प्रो. शिवाय ने वैश्विक कॅरियर संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने गवर्नमेंट सेक्टर्स जैसे कि एग्रीकल्चर फील्ड ऑफिसर, कॉटन कॉरपोरेशन, सिल्क बोर्ड, नाबार्ड, कृषि तकनीक सहायक मिल्क इंस्पेक्टर, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी इत्यादि के बारे में रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने बताया कि कृषि के अन्य क्षेत्रों जैसे कि मुर्गी पालन, मछली पालन, सूअर पालन इत्यादि के रिसर्च क्षेत्रों में रोजगार के बहुत ही सुनहरे अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रो. शिवाय ने बताया कि छात्र-छात्राएं जेआरएफ एवं एसआरएफ जैसी छात्रवृत्ति के लिए तैयारी करने के साथ-साथ अपने पाठ्यक्रम को भी पूरा कर सकते हैं। प्रो. शिवाय ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण कथन प्रस्तुत किया 'कृषि की खोज सभ्य जीवन की ओर पहला बड़ा कदम था' इसका तात्पर्य यह था कि वर्तमान में हमारे पड़ोसी देशों में भोजन के लिए युद्ध हो रहे हैं, परंतु भारत देश इस परेशानी से कोसों दूर है, क्योंकि भारत ने अपने कृषि के क्षेत्र को इतना विकसित कर लिया है कि भविष्य में भी उसे इस प्रकार की किसी भी समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज एंड इंजीनियरिंग के निद. `शक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता प्रो. शिवाय को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया।

न्यायालय अपर आयुक्त (प्रशासन) द्वितीय सहारनपुर मण्डल, सहारनपुर।

अपील संख्या-सी-2023090000001406 अन्तर्गत धारा-207 उ0प्र0 राजस्व संहिता, 2006 ग्राम देवबन्द मजबता पट दौयम अन्दर हदूद जैड ए परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर।

आसिफ खां आदि
बनाम
मौ0 अनवर खां आदि
नोटिस बनाम

1-मौ0 अनवर खां, 2-मौ0 सरवर खा पुत्रगण अब्दूल हफीज खान, 3-नदीम खा, 4-वसीम खा, 5-नसीम खा पुत्रगण मौ0 अख्तर खां, 6-मु0 तमशरीर जहाँ विधवा मौ0 अख्तर, 7-खतीब खा पुत्र मौ0 असगर खा. 8-समरजहां विधवा मौ0 असगर खां, 9-शाहरोज, 10-मुईन, 11-अमीर खा पुत्रगण मौ0 अकबर खा, 12-मु0 खालदा बेगम विधवा अकबर खा, 13-मो0 इमरान खा, 14-मो0 इरफान खा पुत्रगण इदरीश खा. 15-अरशद खा. 16-रियासत खा, 17-सबदर खा, 18-मुस्तफा पुत्रगण मौ0 सददीक खा, 19-मुशरफ खा, 20-मुजफ्फर खा. 21-शाहिद खा पुत्रगण अशरफ खान, 22-श्रीमति सबिहा खा पत्नी राहत खा प्रत्येक निवासीगण मौहल्ला पठानपुरा देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर, 23-अब्दूल कादिर खान पुत्र अब्दूल बारी निवासी मौ0 मटकोटा देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर, 24 जीशानउल्ला खा, 25-फरहानउल्ला खा पुत्रगण इमरानउल्ला खा निवासी मौहल्ला पठानपुरा देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर, 26-रईस खान पुत्र नुरूहसन खान निवासी मौहल्ला मेन बाजार देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर, 27-अताउल्ला खा, 28-सफाउल्ला खा, 29 अमानउल्ला खा पुत्रगण फतेहउल्ला खा, 30-कलीम, 31-वसीम, 32-अलीम, 33-फईम, 34-हसीब पुत्रगण जकाउल्ला खा, 35-नदीम, 36-तनवीर, 37-आलम उर्फ तसलीम पुत्रगण सलीम, 38-मु0 मसुदा विधवा सलीम प्रत्येक निवासीगण मौहल्ला पठानपुरा दगडा देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर, 39 साकिब खा, 40-जरीफ खा, 41-राहत खा पुत्रगण शरीफ खा, 42-फरहान खा पुत्र जफर खा निवासीगण मौहल्ला पठानपुरा देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर

विपक्षीगण

प्रस्तुत अपील, अपीलर्थीगण 1-आसिफ खां, 2-साद जफर पुत्रगण जफर खान प्रत्येक निवासीगण मौहल्ला पठानपुरा देवबन्द परगना व तहसील देवबन्द जिला सहारनपुर ने न्यायालय उपजिलाधिकारी देवबन्द के वाद संख्या टी-20190960040016 2/2019, धारा-116 उ0प्र0 राजस्व संहिता-2006, शाकिब खा आदि बनाम मौ0 अनवर खां आदि में पारित आदेश दिनांक 26.10.2021 के विरूद्ध अपील इस न्यायालय में योजित हुई है, जिसमें आपको भी पक्षकार बनाया गया है, तथा इस अपील में दिनांक 25.11.2025 नियत है। अत: इस नोटिस सूचना के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 25.11.2025 को प्रात: 10:00 बजे अपने अधिवक्ता सहित अपील में पैरवी हेतु न्यायालय में उपस्थित हों। यदि सूचना के बाद आप उपस्थित नहीं होते हैं तो यह समझा जायेगा कि आपको इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है, तथा न्यायालय द्वारा आदेश पारित किये जायेंगे।

दिनांक-04.11.2025 आज्ञा से
अपर आयुक्त (प्रशासन) द्वितीय सहारनपुर मण्डल, सहारनपुर

द. अफ्रीका ने भारत को हराया

● कप्तान बावुमा नाबाद 55 की जुझारू पारी, हार्मर के चार विकेट व यानसन और महाराज दो-दो विकेट की बदौलत जीता दक्षिण अफ्रीका

कोलकाता, वार्ता। कप्तान टेम्बा बावुमा (नाबाद 55) की जुझारू पारी के बाद साइमन हार्मर (चार विकेट), मार्को यानसन और केशव महाराज (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर विश्व चैंपियनशिप विजेता दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच में तीसरे ही दिन भारत को रविवार को 30 रनों से हरा दिया। 124 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत को तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने भोजनकाल से पहले यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल को सस्ते में निपटा दिया। भोजनकाल तक भारत ने दो विकेट पर 10 रन बना लिए थे। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में मार्को यानसन ने यशस्वी जयसवाल (शून्य) को विकेटकीपर काइल वेरेन के हाथों कैच आउट कराकर दक्षिण अफ्रीका पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद उन्होंने तीसरे ओवर में केएल राहुल को भी उसी तरह आउट कराकर दिखाया कि बल्लेबाजों के लिए मुश्किल पिच पर वह आसानी से भारत को जीतने नहीं देंगे। भारत का तीसरा विकेट 15वें ओवर में ध्रुव जुरेल (13) के रूप में गिरा। उन्हें साइमन हार्मर ने आउट किया। इसके बाद तो दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय बल्लेबाज बेबस नजर आए और तू चल में आया की तर्ज पर एक-एक कर पवेलियन लौटते चले गए। ऋषभ पंत (दो) और रवींद्र जडेजा (18) को हार्मर ने आउट किया। 31वें ओवर में एडन मारक्रम ने वॉशिंगटन सुंदर (31) को आउटकर भारत की मैच जीतने की उम्मीद को खत्म कर दिया। 35वें ओवर में केशव महाराज ने अक्षर पटेल (26) और मोहम्मद सिराज को आउटकर भारत की दूसरी पारी का 93 के स्कोर पर अंत कर दिया। केशव महाराज ने अपने ओवर में एक चौका और दो छक्के खाने के बाद अक्षर पटेल का शिकार किया। इससे पहले मोहम्मद सिराज (दो रन देकर दो विकेट) और जसप्रीत बुमराह (एक विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने सुबह के सत्र में भोजनकाल से पहले दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी को 153 रनों के स्कोर पर समेट दिया। कप्तान टेम्बा बावुमा (नाबाद 55) की जुझारू बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और मुश्किल पिच पर भारत को जीत के लिए 124 रनों का लक्ष्य मिला। दक्षिण अफ्रीका ने कल के सात विकेट पर 93 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में टेम्बा बावुमा ने अपनी जुझारु बल्लेबाजी का परिचय देते हुए अपना अर्द्धशतक पूरा किया।

120-125 हमेशा जीत का स्कोर नहीं होता: बावुमा

● हमने चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों के बावजूद, टीम ने संयम बनाए रखने और सामने आए मौको का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया

कोलकाता, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने ईडन गार्डन्स में भारत पर अपनी टीम की रोमांचक पहली टेस्ट जीत की कुंजी के रूप में दृढ़ता और विश्वास के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि कैसे दृढ़ संकल्प ने एक मामूली स्कोर को विजई प्रदर्शन में बदल दिया। मैच के बारे में बात करते हुए, बावुमा ने कहा कि ऐसा हर बार नहीं होता कि आप 120-125 का स्कोर बनाते हैं और आपको लगता है कि यह जीत का स्कोर है। यह बस खेल में बने रहने और विश्वास बनाए रखने का मामला था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि चुनौतीपूर्ण बल्लेबाजी परिस्थितियों के बाव जूद, टीम ने संयम बनाए रखने और सामने आए मौकों का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया।

ये टिप्पणियां दक्षिण अफ्रीका द्वारा ईडन गार्डन्स में दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच में भारत को 30 रनों से हराने के बाद की गईं। प्रोटियाज की पारी को महत्वपूर्ण साझेदारियों, खासकर कॉर्बिन बॉश और मार्को जेनसन के साथ, ने मजबूत किया, जिसने टीम को निर्णायक क्षणों में गति प्रदान की। बावुमा ने कहा कि बॉश के साथ और मार्को के साथ भी, उस साझेदारी ने हमें आज सुबह थोड़ा बेहतर खेलने के लिए प्रेरित किया। हमने जितना हो सके खेल में बने रहने की कोशिश की। बावुमा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल ढलने के अपने तरीके पर भी चर्चा की।उन्होंने कहा कि मैं यहां अच्छा प्रदर्शन करने की चाहत लेकर आया हूं। इन परिस्थितियों में मेरा रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है, इसलिए खुद को इन परिस्थितियों को सीखते हुए और उन सभी छोटी-छोटी चीज़ों को लागू करते हुए जिन्हें मैं आजमा रहा हूं और टीम के लिए योगदान देते हुए देखना मेरे लिए एक उत्साहजनक अनुभव रहा है। जिस तरह से मैंने खेला, वह सिर्फ एक जागरूकता थी कि उन्होंने कहा। उन्होंने अपनी तकनीक और निर्णय लेने की क्षमता पर भरोसा जताया और दबाव में प्रतिक्रिया देने के बजाय निरंत. रता पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर ज़ोर दिया। बल्लेबाज़ी के नजरिए से, मैं अपने आप में, अपनी तकनीक में सहज हूं, ट्रिगरिंग और इस तरह की सभी चीज़ों की चिंता नहीं करता। मुझे खेल की अच्छी समझ है, बावुमा ने आगे कहा। द.अफ्रीकी कप्तान ने गें. दबाजी इकाई, खासकर साइमन हार्मर और केशव की भी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रशंसा की। कहा कि इन दोनों से हमारा गेंदबाजी आक्रमण निश्चित रूप से मजबूत हुआ है।

मैं स्टैट्समैन नहीं हूं विनमैन हूं: साइमन हार्मर

● दोनों पारियों में चार-चार विकेट लेने वाले हार्मर प्लेयर ऑफ द मैच बने

कोलकाता, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका की भारत पर पहले टेस्ट में तीसरे ही दिन रविवार को 30 रन की जीत में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने खुद को स्टैट्समैन नहीं विनमैन बताया। दोनों पारियों में चार-चार सहित कुल आठ विकेट लेने वाले हार्मर अपनी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने।

प्रेजेंटेशन में हार्मर ने कहा कि टीम के लिए योगदान देकर अच्छा लग रहा है। जिस तरह से टीम ने प्रदर्शन किया वो यह दर्शाता है कि टीम को अपने ऊपर कितना विश्वास है। मैं स्टैट्समैन नहीं हूं, विनमैन हूं। टीम के लिए योगदान देकर अच्छा लग रहा है। हार्मर ने कहा कि जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे तो हमें पता था कि हम मैच में वापस आने से एक साझेदारी दूर हैं और गेंदबाजी के दौरान भी हम यही सोच रहे थे कि एक अच्छी साझेदारी मैच को हमसे दूर ले जा सकती है। जडेजा, पंत और जुरेल के विकेट के दौरान मैं भाग्यशाली रहा। मैं पंजे के बारे में नहीं सोच रहा था, मुझे लगा कि शुभमन शायद बल्लेबाजी के लिए आएंगे लेकिन नौवां विकेट गिरने के बाद जब सभी जश्न मनाने लगे तो मैं शुरुआत में समझ ही नहीं पाया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने कहा कि ऐसे मुक़ाबले का हिस्सा होना हमेशा खास होता है खास तौर पर जब आप जीतने वाली तरफ हैं।

बल्लेबाजी के लिए और धैर्य की जरूरत थी: गंभीर

● दोनों टीमों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन यह ऐसी पिच थी, जहां तकनीक और धैर्य की परीक्षा हुई

कोलकाता, वार्ता। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रविवार को कहा कि ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की पिच खेलने लायक थी और उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय बल्लेबाजी के सामने चुनौतियां परिस्थितियों से ज्यादा तकनीक, धैर्य और मानसिक दृढ़ता से जुड़ी थीं। पहले टेस्ट में भारत की 30 रनों से हार के बाद गंभीर ने कहा कि विकेट ने रन बनाने के मौके दिए और बल्लेबाजों के कौशल के बजाय दबाव को झेलने की उनकी क्षमता का परीक्षण किया। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा कि यह खेलने लायक थी। दोनों टीमों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन यह ऐसी पिच थी जहां तकनीक और धैर्य की परीक्षा हुई, न कि ऐसी सतह जिस पर खेलना संभव न हो। गंभीर ने टेम्बा बावुमा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि विकेट के टर्निंग स्वभाव के बावजूद रन बने। उन्होंने बताया कि पिच से टर्न तो मिल रहा था, लेकिन ज्यादातर विकेट तेज गेंदबाज़ों ने लिए, जिससे उनकी इस राय को बल मिला कि पिच ज्यादा मुश्किल नहीं थी। उन्होंने आगे कहा कि क्यूरेटर काफ़ी सहयोगी थे और पिच बिल्कुल वैसी ही थी जैसी हमें चाहिए थी। अगर आप धैर्य बनाए रखें और मजबूत डिफेंस और धैर्य रखें, तो आप रन बना सकते हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज़ ने भारत की बल्लेबाजी इकाई में अनुभव और मानसिक मजबूती की जरूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी इकाई को देखें तो ज्यादा अनुभव नहीं है। कौशल के अलावा, मानसिक मजबूती भी जरूरी है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में अगर आप दबाव नहीं झेल पाते, तो यह बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। टर्निंग विकेट पर, पहले 10-15 मिनट हमेशा सबसे मुश्किल होते हैं। एक बार जब आप इससे पार पा लेते हैं, तो तेज गेंदबाजों के लिए चीजें आसान हो जाती हैं। उन्होंने टीम की ज़िम्मेदारी के महत्व पर भी ज़ोर दिया और इस बात पर ज़ोर दिया कि टेस्ट मैच एक सामूहिक प्रयास होता है। उन्होंने कहा कि हम साथ मिलकर जीतते हैं और साथ मिलकर हारते हैं। कोई भी खिलाड़ी या टीम अकेले टेस्ट मैच नहीं जीतती या हारती। हर खिलाड़ी योगदान देता है, और जब हम हारते हैं, तो यह सामूहिक ज़िम्मेदारी होती है। गंभीर ने मैच के दौरान ऋषभ पंत के रवैए का बचाव करते हुए कहा कि अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान देना और दबाव में समझदारी से काम लेना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि पंत बाएं हाथ के स्पिनर का सामना करने की कोशिश कर रहे थे, जो उस समय टीम को साझेदारियां बनाने और महत्वपूर्ण रन बनाने में मदद करने का सबसे अच्छा विकल्प था। कभी-कभी, आपको रणनी. तिक रहते हुए खिलाड़ियों को अपना स्वाभाविक खेल खेलने देना चाहिए।

हमें लक्ष्य हासिल करना चाहिए था: पंत

कोलकाता, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका से भारत की पहले टेस्ट में हार से निराश नजर आ रहे कार्यवाहक कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि टीम को लक्ष्य का पीछा करना चाहिए था। चोटिल कप्तान शुभमन गिल की जगह प्रेजेंटेशन में आए पंत ने रविवार को कहा कि इस तरह के मैच में आप ज्यादा नहीं सोच सकते। हमें इस स्कोर का पीछा करना चाहिए था। दूसरी पारी में हम पर दबाव बढ़ गया और हम इसका फ़ायदा नहीं उठा पाए। पंत ने कहा कि टेम्बा बावुमा और कार्बिन बॉश ने शानदार साझेदारी की और इसी ने उन्हें मैच में वापस ला दिया। विकेट से मदद मिल रही थी, 120 जैसा स्कोर मुश्किल हो सकता है, लेकिन एक टीम के तौर पर हमें दबाव को झेलने और उसका फ़ायदा उठाने में सक्षम होना चाहिए।

खेल विशेष

महिला कबड्डी विश्व कप का खिताब डिफेंड करने उतरेगा भारत

ढाका, वार्ता। भारत महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगा। यह टूर्नामेंट सोमवार से बांग्लादेश के ढाका में शुरू हो रहा है। सभी मुकाबले 17 से 24 नवम्बर के बीच मीरपुर स्थित शहीद सुहरावर्दी इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत में महिला कबड्डी विश्व कप 2025 की लाइव स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध रहेगी। यह टूर्नामेंट 13 साल बाद वापसी कर रहा है और यह कुल मिलाकर दूसरा महिला कबड्डी विश्व कप है। पहले संस्करण में भारत की महिला टीम ने पटना, बिहार में खेले गए फाइनल में ईरान को हराकर खिताब जीता था। उस समय 16 टीमों ने खिताब के लिए मुकाबला किया था। 2025 संस्करण को पहले जून में बिहार में आयोजित होना था, फिर इसे अगस्त के लिए हैदराबाद शि"ट किया गया, लेकिन कई बार स्थगित होने के बाद आखिरकार इसे बांग्लादेश में आयोजित करने का फैसला लिया गया। यह टूर्नामेंट इतिहास में पहली बार भारत के बाहर आयोजित हो रहा है। इससे पहले सभी तीन पुरुष कबड्डी विश्व कप भी भारत में ही खेले गए थे। कुल 11 टीमें महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में खिताब की दौड़ में उतरेंगी। भारत, बंगलाद. श, चीनी ताइपे, जर्मनी, ईरान, केन्या, नेपाल, पोलैंड, थाईलैंड, युगांडा और ज़ांज़ीबार। अर्जेंटीना भी हिस्सा लेने वाली थी, लेकिन उसने अपना नाम वापस ले लिया। टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया है, जहां एक में छह और दूसरे में पांच टीमें हैं। वूमेंस कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 टीम

ग्रुप ए: भारत, बंगलादेश, थाईलैंड, युगांडा, जर्मनी

ग्रुप बी : चीनी ताइपे, ईरान, पोलैंड, केन्या, नेपाल, ज़ांज़ीबार

हर ग्रुप की टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। फाइनल 24 नवम्बर को खेला जाएगा। भारत और ईरान कबड्डी की दिग्गज टीमें मानी जाती हैं, लेकिन चीनी ताइपे ने

स्लोवेनिया से हार के साथ भारतीय टेनिस टीम की क्वालीफायर की उम्मीदें खत्म

● बिली जीन कप रैंकिंग में स्लोवेनिया से 2-1 से हारी

बेंगलुरु, वार्ता। शनिवार को बेंगलुरु के एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में बिली जीन किंग कप 2025 प्ले-ऑफ में स्लोवेनिया से 2-1 से हार के साथ भारतीय महिला टेनिस टीम की पहली क्वालीफायर में जगह बनाने की उम्मीद खत्म हो गई। बिली जीन किंग कप रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज भारत को ग्रुप जी में दुनिया की 14वें नंबर की नीदरलैंड और 19वें नंबर की स्लोवेनिया के साथ रखा गया था। स्लोवेनिया, जिसने पहले मुकाबले में नीदरलैंड को 2-1 से हराया था, 2026 के क्वालीफायर्स में आगे बढ़ने के लिए ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि भारत और नीदरलैंड 2026 के लिए अपने-अपने क्षेत्रीय ग्रुप एक मुकाबलों में वापस आ गए। विश्व की 381वें नंबर की खिलाड़ी श्रीवल्ली भामिदिपति ने भारत के अभियान की शुरुआत 2021 फ्रेंच ओपन सेमीफाइनलिस्ट तमारा ज़िदानसेक के खिलाफ की, जो वर्तमान में महिला एकल में 162वें स्थान पर हैं। भारतीय टेनिस खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन दो घंटे 19 मिनट में 6-3, 4-6, 6-1 से हार गईं। ज़िदानसेक ने शुरुआती गेम में दबदबा बनाया और 4-0 की बढ़त बना ली, जबकि भामिदिपति को अपनी सीमा हासिल करने में दिक्कत हो रही थी। भारतीय खिलाड़ी ने छठे गेम में वापसी की, लेकिन स्लोवेनियाई खिलाड़ी की शुरुआती बढ़त बरकरार रही और उन्होंने सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। भामिदिपति ने दूसरे सेट के शुरुआती गेम में भी ब्रेक किया और 5-1 की बढ़त बना ली। ज़िदानसेक ने आठवें गेम में ब्रेक हासिल किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने खुद को संभाला और निर्णायक सेट में जगह बनाई। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी, सहजा यामालापल्ली, जो विश्व रैंकिंग में 309वें स्थान पर हैं, को विश्व रैंकिंग में 98वें स्थान पर काजा जुवान से एक घंटे 30 मिनट में 6-4, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहला सेट 4-4 की बराबरी पर था, लेकिन नौवें गेम में यामालापल्ली ने अपनी सर्विस गंवा दी, जिससे जुवान को बढ़त मिल गई। स्लोवेनियाई खिलाड़ी ने दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखी और चौथे और छठे गेम में सर्विस तोड़कर अपनी टीम के लिए मुकाबला जीत लिया। युगल मुकाबले में, एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बारे ने दलिला जाकुपोविक और नीका रेडिसिक पर 1-6, 6-3, 10-7 से जीत हासिल करके भारत को बढ़त दिलाई और स्लोवेनिया को क्लीन स्वीप से रोक दिया।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को सात रनों से हराया

क्राइस्टचर्च, वार्ता। डैरिल मिशेल (119) और डेवन कॉन्वे (49) की शानदार बल्लेबाजी के बाद काइल जेमीसन (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को रोमांचक मुक. ाबले में सात रनों से हराया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

270 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के खिलाफ काइल जेमीसन ने जॉन कैंपबेल (चार) को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद केसी कार्टी और ऐलेक ऐथनेज की जोड़ी ने पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। 21वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने ऐलेक ऐथनेज (29) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया।

धनुष श्रीकांत ने जीता स्वर्ण पदक

● धनुष ने जापान के टोक्यो में 10 मी. एयर राइफल में विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

टोक्यो, वार्ता। धनुष श्रीकांत ने जापान के टोक्यो में चल रहे 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में 10 मीटर एयर राइफल में विश्व बधिर रिकॉर्ड तोड़ते हुए निशानेबाजी में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने डेफलंपिक क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड भी तोड़कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में, धनुष ने 252-2 अंक बनाकर अपने ही विश्व रिकॉर्ड 251-7 अंक से बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250-1 अंक के साथ रजत पदक जीता। महिला निशानेबाजों ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता के पहले दिन निशानेबाजी में भारत के लिए कुल चार पदक जीते। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फ़ाइनल में, महित संधू ने 250-5 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जो यूक्रेन की वायलेटा लाइकोवा से 1-9 अंक पीछे था, जिन्होंने 252.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत की कोमल मिलिद वाघमारे ने 228.3 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतकर भारतीय महिलाओं के लिए दोहरा पोडियम फ़ॉनिश बनाया। फ़ाइनल में धनुष का स्कोर पिछले हफ़्ते आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा के फ़ाइनल में जर्मनी के मैक्सिमिलियन डेलिगर द्वारा बनाए गए स्कोर से ज्यादा है। जर्मन खिलाड़ी 252-0 अंकों के साथ विश्व चैंपियन बने, जो टोक्यो में धनुष द्वारा बनाए गए स्कोर से 0-2 अंक कम है। इससे पहले क्वालीफिकेशन में, धनुष ने 630.6 अंकों के साथ मौजूदा डेफ़लिपिक विश्व रिकॉर्ड 625.1 अंकों से बेहतर प्रदर्शन किया, जो दक्षिण कोरिया के किम वू रिम ने ब्राज़ील के कैक्सियास डू सुल में पिछले संस्करण में बनाया था। मोहम्मद मुर्तजा ने भी मौजूदा डेफलंपिक स्कोर को 626.3 के स्कोर के साथ बेहतर किया। फ़ाइनल में दोनों भारतीय निशानेबाजों के बीच कड़ी टक्कर रही, लेकिन धनुष ने ज्यादातर हाई-10 स्कोर बनाए जिससे उन्हें स्वर्ण पदक मिला। दक्षिण कोरिया के सेउंघाक बाक ने कांस्य पदक जीता। महिलाओं के क्वालीफिकेशन राउंड में, क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड धारक माहित ने 623.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फ़ाइनल में जगह बनाई। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने डेफलंपिक रिकॉर्ड तोड़ते हुए 624.4 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। कोमल मिलिद वाघमारे 622.0 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पिस्तौल निशानेबाज कल 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगे और पदकों का फैसला होगा।

कोलकाता टेस्ट से पूरी तरह बाहर हुए शुभमन गिल

● पहले टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन के पीछे दर्द के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए थे गिल

कोलकाता, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन के पीछे दर्द महसूस करने के बाद रिटायर्ड हर्ट हुए शुभमन गिल आगे इस टेस्ट मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। यह जानकारी बीसीसीआई ने रविवार सुबह तीसरे दिन के खेल शुरू होने से पहले दी।

बीसीसीआई के बयान में कहा गया कि गिल को दिन का खेल समाप्त होने के बाद जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया था। वह वर्तमान में अस्पताल में निगरानी में हैं। वह इस टेस्ट मैच में आगे कोई हिस्सा नहीं लेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी जारी रखेगी। शनिवार रात ही यह साफ़ हो गया था कि ईडन गार्डन्स टेस्ट के बचे हुए हिस्से में गिल की भागीदारी संदिग्ध है। ईएसपीएन क्रिकइंफो ने रिपोर्ट किया था कि उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उस समय बीसीसीआई ने इसे एहतियाती कदम बताया था, क्योंकि उन्हें गर्दन में ऐंठन की समस्या हुई थी। स्टेडियम से निकलते समय गिल को नेक-ब्रेस पहने देखा गया और टीम डॉक्टर भी उनके साथ थे। अपनी पारी की शुरुआत में केवल तीन गेंदों के बाद ही, हार्मर की गेंद पर स्वीप लगाकर चौका जड़ने के बाद उन्हें असहजता महसूस हुई। उन्होंने तुरंत कफ़ज़ियो को बुलाया और गर्दन के पीछे हाथ रखते हुए तकलीफ़ का इशारा किया। गिल तुरंत मैदान छोड़कर रिटायर्ड हर्ट हो गए।

IPL 2026 में गायकवाड़ होंगे सीएसके के कप्तान

● ऋतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल 2025 के शुरुआती पांच मैचों में टीम की कप्तानी की थी

चेन्नई, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने एक्स पोस्ट से साफ कर दिया कि आईपीएल 2026 में टीम की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ ही करेंगे। फ्रेंचाइजी ने औपचारिक ऐलान नहीं किया, लेकिन पोस्ट में जिस तरह तस्वीर और संदेश दिया था, उससे यह बिल्कुल स्पष्ट था कि कप्तानी फिर से गायकवाड़ के पास ही रहेगी। पिछला सीजन गायकवाड़ के लिए मुश्किल भरा था। उन्होंने आईपीएल 2025 के शुरुआती पांच मैचों में टीम की कप्तानी की थी। इन मुक. ाबलों में चेन्नई को सिर्फ एक जीत मिली थी और चार मैचों में हार झेलनी पड़ी थी।

इन्हीं पांच मैचों में गायकवाड़ ने 122 रन बनाए थे। राजस्थान के खलिाफ उन्हें कोहनी पर चोट लगी और उसके बाद वह पूरे सीजन से बाहर हो गए। टीम की कप्तानी फिर एम एस धोनी ने संभाली, लेकिन चेन्नई का प्रदर्शन नहीं सुधरा और वे 14 में से केवल चार मैच जीतकर आखिरी पायदान पर रहे। चेन्नई ने आईपीएल 2026 से पहले अपने स्क्वाड में बड़े बदलाव किए हैं।

रवींद्र जडेजा और सैम करन को ट्रेड कर दिया गया है और कई खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया गया है। टीम ने रुतुराज और धोनी के साथ मजबूत कोर बनाए रखा है और कुछ दिलचस्प रिटेंशन्स भी किए हैं। साथ ही टीम में संजू सैमसन का होना, उन्हें मजबूती प्रदान करेगा। सीएसके द्वारा आईपीएल 2026 से पहले रिलीज किए गए खिलाड़ी : रवींद्र जडेजा (आरआर को ट्रेड)।

'भारतीय बल्लेबाजों को ऐसी पिचों पर रन बनाने का तरीका ढूंढना होगा': पुजारा

नई दिल्ली, वार्ता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान टीम को विश्व टेस्ट चैंपियन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जियोस्टार के पोस्ट-मैच शो 'क्रिकेट लाइव' में बोलते हुए, जियोस्टार के विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा ने पिच के साथ भारत की मुश्किलों, बल्ले से कमज़ोरी और दूसरी पारी में कप्तान शुभमन गिल की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला। 'क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए, पुजारा ने भी बताया कि पहले टेस्ट में टीम इंडिया के लिए क्या गलत हुआ। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सबसे पहले, हमें नहीं पता कि टीम प्रबंधन वास्तव में ऐसी पिच चाहता था या नहीं। लेकिन सतह चाहे जो भी हो, आपको उस पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा और अच्छी तैयारी करनी होगी। मैं कहूंगा कि हमें थोड़ी बेहतर गेंदबाजी करनी चाहिए थी और साथ ही, बेहतर बल्लेबाज़ी भी करनी चाहिए थी। पुजारा ने कहा कि दुर्भाग्य से, हमारे पास एक बल्लेबाज कम था। शुभमन गिल पहली पारी में चोटिल हो गए और दूसरी पारी में भी उपलब्ध नहीं थे।

निशांत सिधु और हर्षित ने दक्षिण अफ्रीका ए को 132 रन पर समेटा

राजकोट, वार्ता। निशांत सिधु (चार विकेट) और हर्षित राणा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ए ने रविवार को दूसरे अनौपचारिक एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ए को 132 रन के स्कोर पर समेट दिया। यहां दक्षिण अफ्रीका ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सलामी बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रेटोरियस और रिवाल्डो मूनसामी की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। आठवें ओवर में हर्षित राणा ने लुआन-ड्रे प्रेटोरियस (21) को आउटकर भारत ए को पहली सफलता दिलाई। 11वें ओवर में सिधु ने रिवाल्डो मूनसामी (33) का शिकार कर लिया। कप्तान मार्केस(सात) और जॉर्डन (पांच) विकेट मिले।

खेलों में निवेश से समाज को मिलती है सकारात्मक ऊर्जा: शुक्ला

भारतीय क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ता ने सॉलिटेयर क्रिकेट ग्राउंड का किया उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

बिहारीगढ़। दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे पर स्थित सुंदरपुर गांव को शनिवार को बड़ी सौगात मिली। यहां तैयार एल्फा क्रिकेट अकादमी एवं सॉलिटेयर क्रिकेट ग्राउंड का उद्घाटन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला ने किया। अंत. राष्ट्रीय मानकों के स्तर पर तैयार इस मैदान के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में खिलाड़ियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं।

उद्घाटन के बाद संबोधित करते हुए राजीव शुक्ला ने कहा कि अगर व्यवस्थाएं इसी तरह दुरुस्त बनी रहीं तो जल्द ही इस मैदान पर रणजी ट्रॉफी और अंडर-19 के आधिकारिक मुकाबले कराए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मैदान बनाना आसान होता है, लेकिन उसे खेल मानकों के अनुरूप बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अकादमी संचालक मोहम्मद फैसल और उनकी टीम इस मैदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

राजीव शुक्ला ने सहारनपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद अकरम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और लगन ने इस आधुनिक क्रिकेट ग्राउंड को शक्ल देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम के दौरान मोहम्मद फैसल ने बताया कि रविवार को उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ की टीमों के बीच अंडर-19 मैच का आयोजन होगा। इस मैच के बाद कई राज्यों की टीमें यहां आकर मुकाबले खेलेंगी, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को भी उच्च स्तरीय क्रिकेट का अनुभव मिल सकेगा। उद्घाटन समारोह में सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी, फैसल परिवार के सदस्य सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। सुंदरपुर स्थित यह नया क्रिकेट ग्राउंड अब सहारनपुर को खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की ओर अग्रसर है।

कार्यक्रम में एसएसपी आशीष तिवारी, यूसीए के सचिव महिम वर्मा, यूपीसीए के डायरेक्टर युधवीर सिंह, रियासत अली, उपाध्यक्ष राकेश मिश्रा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चटर्जी, मोहम्मद फकीम, अहमद अली खान, मनोज पुंडीर, अब्दुल वहाब, सईद फैसल शेरवानी, एसडीसीए के चेयरमैन मोहम्मद अकरम अध्यक्ष राजीव गुप्ता, सचिव लतीफ उर रहमान, उपाध्यक्ष परविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण कालड़ा, संयुक्त सचिव महेश शर्मा, मीडिया मैनेजर सैयद मशकूर, साजिद उमर, एसडीसीए स्पोर्ट्स विंग के भूपेंद्र कच्छल आदि मौजूद रहे।

चण्डीगढ़ व यूपी के बीच रोमांचक मुकाबला

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। बिहारीगढ़ के सुंदरपुर स्थित सॉलिटेयर क्रिकेट ग्राउंड पर बीसीसीआई की कूच बिहार ट्रॉफी (एलीट ग्रुप-डी) के तहत उत्तर प्रदेश अंडर-19 और चंडीगढ़ अंडर-19 के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंडीगढ़ टीम को उत्तर प्रदेश की तेज गेंदबाजी ने परेशान कर दिया और पूरी टीम महज 64 रन पर ऑलआउट हो गई। सहारनपुर के हरफनमौला खिलाड़ी अयान अकरम ने अपने घातक गेंदबाजी स्पेल से चंडीगढ़ के बल्लेबाजों को धराशायी कर दिया। उन्होंने लगातार लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए 5 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और विपक्षी बल्लेबाजों का पूरा क्रम ध्वस्त कर दिया। अयान अकरम ने गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजी में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उन्होंने संयम और आक्रामकता का मिश्रण दिखाते हुए 33 रन नॉट आउट की उपयोगी पारी खेली और टीम को मजबूत स्थिति में पहुँचाया। दिन का खेल समाप्त होने तक वह क्रीज पर डटे रहे, जिससे दर्शकों और कोच में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई।उत्तर प्रदेश की बल्लेबाजी में अनमोल नौसरान ने अपने शानदार खेल से सबका ध्यान खींचा। उन्होंने 165 रन की धुआंधार पारी खेली और टीम को विशाल स्कोर तक पहुँचाया। इसके अलावा भव्य शर्मा ने 67 रन और कप्तान भव्य गोयल ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक यूपी ने 257/3 रन बना लिए, जिससे चंडीगढ़ के सामने 193 रन की मजबूत बढ़त कायम हो गई। उत्तर प्रदेश की ओर से गेंदबाजी में अयान अकघम की शानदार पांच विकेट की वापसी के अलावा अन्य गेंदबाजों ने भी योगदान दिया। चंडीगढ़ की टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह दबाव में रही और कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। इस मुकाबले में उत्तर प्रदेश की पकड़ दिन के अंत तक स्पष्ट रूप से मजबूत दिखाई दी। मैच के दौरान ऐल्फा क्रिकेट एकेडमी के डॉ सैयद फैसल,एसडीसीए चेयरमैन मोहम्मद अकरम, अध्यक्ष राजीव गुप्ता, सचिव लतीफ उर रहमान, उपाध्यक्ष परविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष गोपाल कृष्ण कालड़ा (पाली कालड़ा), संयुक्त सचिव महेश शर्मा, मीडिया मैनेजर सैयद मशकूर, एसडीसीए सदस्य साजिद उमर, स्पोर्ट्स विंग के भूपेंद्र कच्छल, नरेंद्र, रॉकी, विकेन्द्र, ललित, मुजीब, रोहित, शोएब, लविश राठी, अक्षय, आदिल खान, तनवीर, तनवीर कोच, राकेश, अर्जुन, विक्की, आयुष, तरूण, नईम, फैयाज, साजिद, सत्यम, माज, यासिर, इस्तेखार, रमीज, अमरीश, रवि, रमन, दीपांशु, लतीफ, शेरून, बॉबी, संतोष, बालेश्वर, हिमांशु, आदित्य, सचिन, वंश, तरूण, विवेक, अंकुर, मानव, जावेद, दीपक, प्रीति, विशाल, सुनील, वंशिका, राहिल, फरहान, और जीतेन्द्र मौजूद रहे।

विजन डाक्यूमेंट 2047 में फीडबैक की समय सीमा बढ़ाई: जिलाधिकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने विकसित उत्तर प्रदेश 2047 समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान में ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों, नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं एवं नगर निगम के वार्डों में अधिकतम जनसहभागिता हेतु सुझाव देने की समय सीमा 25 नवम्बर तक बढाई गयी है।

अभियान के अन्तर्गत जनपद से अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं के सुझाव पोर्टल पर अथवा क्यूआर कोड को स्कैन कर अंकित कराने हेतु जनपद में स्थित महाविद्यालयों में नोडल अधिकारी नामित किये गये है। नोडल अधिकारियों द्वारा महाविद्यालयों में शिक्षकों एवं छात्रों को पोर्टल पर अपने सुझाव फीड करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। श्री बंसल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की अध्यक्षता में वृहद रूप से आयोजित हो रही गोष्ठियों में आमजन द्वारा बहुमूल्य फीडबैक दिये जा रहे है। जनपद फीडबैक देने के संबंध में सर्वोच्च स्थान पर रहे इसके लिए प्रयास किया जाए कि 25 नवम्बर तक प्रत्येक घर से फीडबैक आए। इसमें सभी वर्गों के लोग सम्मिलित हों। पुरूष, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग, संभ्रान्तजन, सेवानिवृत्त व्यक्ति शामिल हों जिससे विचारों में समग्रता रहे। उन्होने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से विजन डाक्यूमेंट बनाना मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में शामिल है। यह एक साझा लक्ष्य है जोकि जनता के विश्वास और सक्रिय सहभागिता से आगे बढता है। यह परिकल्पना हर प्रदेशवासी के सहयोग से ही साकार होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शताब्दी मिशन अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति एवं जीवन शक्ति की थीम पर चिन्हित 12 सैक्टरों कृषि एवं सम्बद्ध, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी एवं इमर्जिंग टैक्नोलोजी, पर्यटन, नगर एवं ग्राम विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं सुशासन के तहत अपने मत को अधिक से अधिक जनभागिदारी करें।

पंचायती राज व अल्प संख्यक कल्याण मंत्री ने की समीक्षा बैठक

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य को मार्च तक पूर्ण करने व ग्राम सचिवालय प्रतिदिन खोलने के दिये निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। कैबिनेट मंत्री पंचायती राज, अल्प संख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग उत्तर प्रदेश ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण हो। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए।

कैबिनेट मंत्री श्री राजभर सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य को मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामों में ग्राम सचिवालय एवं सामुदायिक शौचालय प्रतिदिन खुलें। उन्होंने कहा कि कार्यों में कोताही न हो।

इस अवसर पर उप निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, जिला पंचायत राज अधिकारी प्रदीप कुमार द्विवेदी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत चंद्रवीर सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति से मिले छात्र छात्राएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। पायस एजुकेशनल ग्रुप गागलहेडी की दोनों संस्थाओं पी. जी.पायस इंटर कॉलेज एवं मोंन्ट फोर्ट स्कूल के छात्र छात्राओं ने राष्ट्रपति श्रीमति द्रोपदी मुर्मु से मुलाकात की।

राष्ट्रपति भवन में प्रबंधक पंकज गर्ग, उपाध्यक्ष अमन गर्ग उपप्रबंधक श्रीमती विशाखा गर्ग व सचिव हर्षित गर्ग के मार्गदर्शन में पी.जी.पायस इंटर कॉलेज के प्रतिभाशाली विद्यार्थी युगांत यादव, आदित्य पाल, अक्षत कुमार ने व मोंन्ट फोर्ट स्कूल के रूद्र यादव, रूद्र प्रताप, अक्षत पंवार एवं वर्निका सिंह ने राष्ट्रपति की आशीर्वाद लिया।

एसआईआर फार्म को लेकर घबराएं नहीं: फजलुर्रहमान

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। वार्ड 57 के पार्षद फजलुर्रहमान ने अपने क्षेत्र में एसआईआर फार्म भरवाये और लोगों से कहा कि एसआईआर फार्म को लेकर घबराने की जरूरत नही है।

अपने वार्ड में पार्षद फजलुर्रहमान ने एसआईआर फार्म भरने को लेकर आ रही दिक्कतों को दूर करते हुए वार्ड के लोगों की मदद की और उनके फार्म भरवाये। उन्होने कहा कि बीएलओ द्वारा दिए गए फार्म को आराम से भरें। फार्म में माँगे गए विवरण को फार्म में साफ लफ्जों में भरें और फार्म भरने के बाद दोबारा चेक करें। स्वयं संतुष्ट होने के बाद फार्म बीएलओ के पास जमा करा दें और रसीद प्राप्त कर लें। उन्होने कहा कि फिलहाल फार्म के साथ कोई दस्तावेज जमा नही कराने हैं। वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अनुसार फार्म भरा जाएगा। इसमें यदि कोई समस्या आए तो हमसे संपर्क करें।

पार्षद फजलुर्रहमान की टीम में शाहिद सिद्दीकी, फैजान उर रहमान, हाजी नजाकत, रशीद अहमद, हाजी सागर, मेहरबान अंसारी, हाजी जाहिर अंसारी, अकरम राणा, अनवर जुबैरी, साबिर तुर्की, फुरकान अंसारी, डॉ नईम अहमद, इरफान सागर, चौधरी वाली, अकबर, नौशाद राणा, साकिब अली, मामू गुलजार, चांद, मोहम्मद मियां, मौ. शाहिद जावेद अली नदीम बैंक काजी रशीद मुस्ताक अहमद अनीस अहमद फैसल खान रियासत मिर्जा रईस मिर्जा मुजम्मिल अली फराज अली हाजी स्वालेह रईस गुलफाम नादिर बबलू डॉ इकबाल अहमद आदि शामिल है।

राष्ट्र भावना को मन में रखें: देवेंद्र निम

शाह टाइम्स संवाददाता

रामपुर मनिहारान। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर रविवार को विधानसभा क्षेत्र में भव्य राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का आयोजन किया गया। चुनेटी फाटक से ग्राम जैंधेडा समसपुर तक निकाली गई इस ऐतिहासिक पदयात्रा में भारी संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने पटेल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के लिए उनके आदर्शों पर चलना ही हमारे लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। विधायक देवेंद्र निम ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल आदर्शों का पालन करते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना को मन में रखें। इस अवसर पर क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भी एकता का संदेश देते हुए पदयात्रा में जोशपूर्ण सहभागिता की।

यात्रा के दौरान ग्राम कांकरकुई, मनानी, नैनखेड़ा, मोहनपुर गाड़ा व जनधेड़ा पहुँचने पर ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक पुष्प वर्षा कर पदयात्रियों का स्वागत किया। इस दौरान पूर्व ब्लाक प्रमुख नक्षत्र पँवार, पूर्व चेयरपर्सन प्रतिनिधि प्रदीप चौधरी, बिरम सिंह,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विशाल राणा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विशाल देव, विनोद पंवार, , संजय चेयरमैन, किशोर चौधरी, सनी चौधरी, अनिल कंजोली, सूरज वाल्मीकि, विकास प्रधान व अक्षय पंवार आदि मौजूद रहे।

17 को आएगी महिला आयोग अध्यक्ष डा. बबीता

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग डॉ. बबीता सिंह चौहान का जनपद का भ्रमण कार्यक्रम 17 नवम्बर को प्रस्तावित है। कार्यक्रम के दौरान वह महिला चिकित्सालय का निरीक्षण करेंगी।

कार्यक्रम के अनुसार अध्यक्ष का दोपहर 10:00 बजे जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण, गोद भराई, अन्नप्रासन एवं कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जाएगा। 11:30 बजे सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक एवं जनसुनवाई की जाएगी। अपराह्न 3:00 बजे महिला बंदीगृह का निरीक्षण करेंगी। इसके पश्चात 04:30 बजे सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से भेंट कर 05:00 बजे बुलंदशहर के लिए प्रस्थान करेंगी।

कैबिनेट मंत्री राजभर ने किया सुभासपा अल्पसंख्यक प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। कैबीनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने आज सुहैलदेव भारतीय समाज पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यालय का उदघाटन किया।

काजमी कॉम्पलैक्स में कार्यालय का फीता काटकर उदघाटन करते हुए कैबीनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने संगठन को मजबूती देने का आहवान किया। इस दौरान अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पश्चिमी यूपी अध्यक्ष गुफरान मलिक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार जताते हुए कहा कि वह पार्टी के मिशन को आगे बढाने में कोई कसर नही छोडेंगे।

इस दौरान भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने मनाई बिहार में जीतने की खुशी, बांटी मिठाई

शाह टाइम्स संवाददाता

गंगोह। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राजेश गांधी के आवास पर आयिजत सभा में बिहार जीत का जश्न मनाया गया।

एक दूसरे का मुंह मीठा करा कर अपनी खुशी का इजहार किया। नगर में चल रहे मतदाता गहन प्रशिक्षण अभियान के लिए भी सभी मतदाताओं की मदद करने का आवाहन किया गया। 17 नवंबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वी जयंती के उपलक्ष मे शोभित यूनिवर्सिटी से शुरू होने वाली पैदल यात्रा के लिए सभी कार्यकर्ताओं से आवाहन किया गया।

इस दौरान मुकेश, गगन, जैल सिंह, अचल, राकेश, नितिन, कंवर, बृजेश, अनिल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिविर में 180 लोगों के स्वास्थ्य की जांच

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। लायंस क्लब मयूर अवेम मेदांता हॉस्पिटल नोएडा द्वारा मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न रोगों के 180 लोगों की जांच कर उन्हें समुचित उपचार लेने को प्रेरित किया।

कोर्ट रोड स्थित एक सभागार में आयोजित शिविर में महिलाओं के लिए मेमोग्राफी टेस्ट और पुरोषों के लिए लीवर का फाइब्रोस्कैन टेस्ट का विशेष प्रबंध किया गया, करीबन 180 लोगों का टेस्ट किया गया। अध्यक्ष राजीव सचदेवा ने बताया कि इस कैम्प के माध्यम से लोगो को स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। समय रहते सब अपने शरीर के बारे में जान पाते है। उन्होंने ने कहा की समाज के प्रति अपनी सेवा भावना को दर्शाने का इससे अच्छा तरीका नहीं है क्योंकि स्वस्थ जीवन समृद्ध जीवन है। चेयरपर्सन डॉक्टर लायन अजय जैन, लायन अनुराग कुच्छल, लायन मयंक अग्रवाल, लायन अभिषेक सिंघल, लायन सुनील सूरी का कैम्प का आयोजन करवाने में भरपूर योगदान रहा। इन टेस्ट्स के अलावा ईसीजी, एलएफटी, बीपी, सुगर का टेस्ट भी किया गया। इस अवसर पर लायन आशु सिंघल, लायन सुशील भनोट, लायन संजीव भाटिया, लायन राजन कपूर, लायन राजेश मेहता, लायन मनीष धवन, लायन विपुल जैन, लायन सुशील सदना उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर निकाली भव्य शोभायात्रा

शाह टाइम्स ब्यूरो

सहारनपुर। श्री श्री 108 स्वामी रामानंद सरस्वती जी महाराज नकुड वाले बाबा जी के 23वें विग्रह स्थापना दिवस के उपलक्ष में सरस्वती युवा संगठन ट्रस्ट द्वारा श्री सीताराम मंदिर ज्वाला नगर से पंत विहार सत्संग भवन तक परम पूज्य सुश्री देवी सुदीक्षा सरस्वती जी के सानिध्य में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।

शोभायात्रा में सर्वप्रथम धर्म ध्वज, गणपति जी की सवारी, नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ सिंदूरी हनुमान जी की झांकी, मीराबाई, संत रविदास व कबीर दास की झांकी ने इस शोभायात्रा मे चार चांद लगाए। तत्पश्चात श्री महाराज जी की सवारी समरसता के भाव को दर्शाते हुए 108 महिलाएं कलश लेकर चलती हुई इस शोभा यात्रा के आकर्षण का केंद्र रही।

सुश्री देवी सुदीक्षा के नेतृत्व में महिला समाज ने कीर्तन के द्वारा वातावरण को राममई बना दिया। शोभायात्रा का शहर की सभी सामाजिक और राजनीतिक संस्थाओं ने भव्य स्वागत किया। इन स्वागत में नगर विधायक राजीव गुम्बर, भाजपा नगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई, महापौर डॉ अजय सिंह, पूर्व राज्य मंत्री संजय गर्ग, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, पूर्व महापौर संजीव वालिया, पूर्व नगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा, अमित गगनेजा, राकेश जैन, पार्षद मुकेश गक्खड, समाजसेवी दिनेश सेठी एवं संभल परिवार, सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी, सहारनपुर उद्योग व्यापार मंडल, ग्लोबल डिस्कवरी स्कूल आदि अन्य संस्थाएं रही। शोभायात्रा का संच. लन अध्यक्ष राजीव कालिया, सचिव संजीव जसूजा, कोषाध्यक्ष अमृत बजाज के नेतृत्व में हुआ। शोभायात्रा में शिव, नीरज कपूर, अशोक झांब, गुलशन गांधी, सुनील बजाज, सुधीर मिगलानी, महेश तनेजा, सौरभ मदान, मानस कपूर, सोनू नागपाल, दीपक, गंगा, रुचिर अरोड़ा, अमित डांग आदि लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सोमवार, 17 नवम्बर 2025

रोहिणी की हार के मायने

बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में करारी हार के बाद सोमवार को पहली बार तेजस्वी यादव सामने आएंगे, हो सकता है, वह कुछ बड़ा नया कहें, लेकिन चुनाव का परिणाम आने के अगले दिन लालू प्रसाद यादव के परिवार में त्रासदी की जो बड़ी तस्वीर सामने आई है, वह देश दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया के अनुसार लालू परिवार में दूसरे नंबर की बेटी रोहिणी आचार्य ने पहले कहा था कि उन्होंने परिवार छोड़ दिया, पार्टी छोड़ दी, फिर पटना से निकलते समय कहा कि मुझे परिवार से निकाल दिया। तेजस्वी यादव के दो करीबियों का नाम लेकर कहा था कि उनके बारे में बोलने पर चप्पल उठाई जाती है। अब, आज सोशल मीडिया पर लिखा कि मुझ पर चप्पल उठाई गई। यह हंगामा 2024 की शुरुआत में ही शुरू हो गया था। जमीन, तो उससे पहले बन गई थी। लालू प्रसाद जब मुख्य धारा में शीर्ष पर थे, तब उनकी पत्नी राबड़ी देवी के भाई साधु यादव और सुभाष यादव का जलवा था। मीसा भारती और रोहिणी आचार्य की शादी तक यह जलवा कायम था। जैसे-जैसे लालू परिवार की नई पीढ़ी राजनीतिक समझ के साथ आगे बढ़ने लगी तो सबसे पहले साधु-सुभाष निकाल बाहर किए गए। दोनों भाई इस परिवार का सबकुछ जानते हैं। बहुत कुछ बता भी चुके हैं। अब भी बहुत कुछ छिपा रखा है, यह भी सभी जानते हैं, लेकिन, अब उससे आगे बेटियों की चर्चा। बड़ी बेटी मीसा भारती फिलहाल पार्टी और परिवार में सक्रिय हैं, जबकि रोहिणी आचार्य ने परिवार छुड़ाए और राजनीतिक छोड़ने की जानकारी दी, अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में मीसा भारती ने केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को नहीं हराया होता, तो शायद उनका दर्द भी सामने आ जाता। रामकृपाल यादव कभी राजद के मजबूत आधार-स्तंभ थे, लेकिन एक सीट को लेकर चाचा के सामने भतीजी मीसा भारती उतरीं और हरा नहीं सकीं तो मामला राज्यसभा भेजकर संभाला गया था। शादी के बाद पति राव समरेश के साथ सिंगापुर में रह रहीं रोहिणी आचार्य बाकी बहनों राजलक्ष्मी, अनुष्का, रागिनी, हेमा और चंदा की तरह बिहार की राजनीति से दूर थीं। 2022 में जब सिंगापुर बुलाकर पिता लालू प्रसाद को रोहिणी आचार्य ने अपनी किडनी दान में दी और इलाज कराने के बाद भारत भेजा, तब तक उनके प्रति सहानुभूति की लहर फैल चुकी थी। लालू प्रसाद ने बिहार में एक सभा को वर्चुअल तरीके से संबो. धित किया, तो भी रोहिणी को लेकर नारे लगे। उन्होंने बेटी से जीवनदान मिलने का जिक्र भी किया। इन परिस्थितियों ने रोहिणी आचार्य के लिए राजनीतिक जमीन तैयार कर दी। 2023 के अंत को थोड़ा यादव करना होगा। इस समय रोहिणी आचार्य सक्रिय राजनीति में नहीं उतरी थीं, लेकिन राजनीतिक बयानों से चर्चा में आने लगी थीं। बार-बार लग रहा था कि जनादेश 2020 के बाद अचानक आई महागठबंधन सरकार गिर सकती है। लेकिन, मुहर नहीं लग रही थी। अचानक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर रोहिणी आचार्य का एक तीखा बयान आया और 24 घंटे के अंदर लोगों ने महागठबंधन सरकार गिरते और जनादेश 2020 के आधार पर चुनी गई एनडीए सरकार को वापस आते देख लिया। ऐसा नहीं है कि रोहिणी के एक बयान से वह सरकार गिरी, लेकिन रोहिणी ने तब वह भी लिख दिया था जो तत्कालीन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी चाचा नीतीश कुमार के बारे में बोलने से बच रहे थे। इसके बाद रोहिणी सक्रिय राजनीति में उतरीं और लोकसभा चुनाव 2024 में पिता लालू प्रसाद यादव ने उन्हें सारण लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता राजीव प्रताप रूडी के खिलाफ टिकट भी दे दिया। इस चुनाव में रोहिणी की हार के बाद से ही लालू परिवार में उनका सितारा खराब दिखने लगा।

विकास के बड़े लक्ष्य नजरअंदाज न हों

दरअसल आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है, भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है, अब इस पर कठोर और असरदार एक्शन की जरूरत है, ध्यान दें, तो हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं, यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय, हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चश्मे से नहीं परखा जा सकता, आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

-शशि थरूर
कांग्रेस सांसद

कांग्रेस का निर्णायक मोड़: बैसाखियों से मुक्ति और जन विश्वास बहाली

वीरेश तरार

कांग्रेस आज जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां उसके सामने सिर्फ चुनावी पराजय का खतरा नहीं, बल्कि एक सर्वांगीण राजनीतिक अस्तित्व संकट उभर आया है। यह वह स्थिति है जहां उसके लिए 'सबसे निचला पायदान' जैसे शब्द भी अतिशयोक्ति नहीं लगते। स्वतंत्र भारत की सबसे पुरानी पार्टी के लिए यह क्षण केवल आत्ममंथन का नहीं, बल्कि आत्मपुनर्निर्माण की निर्णायक आवश्यकता का है। चुनावी परिदृश्य चाहे राज्यों का हो या राष्ट्रीय स्तर काकृकांग्रेस की हिचकिचाहट, संगठन की निष्क्रियता, नेतृत्व की अस्पष्टता और जनता तक पहुंचने के लिए प्रभावी मुद्दों की कमी ने उसकी पकड़ को लगातार ढीला किया है। परंतु यह कहना गलत होगा कि कांग्रेस पूरी तरह समाप्तप्राय अवस्था में पहुंच चुकी है। बिहार विधानसभा चुनाव के आंकड़े इस निष्कर्ष को गलत ठहराते हैं, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रत्याशियों को औसतन बहत्तर हजार मत मिले, जो बताते हैं कि जनाधार पूरी तरह विखंडित नहीं हुआ है। उसका औसत मत संख्या का यह संकेत स्पष्ट करता है कि समस्या वोटर के पलायन की नहीं, बल्कि सैनिक-संगठन, रणनीति निर्माण और नेतृत्व-संयोजन की है।

वास्तविक संकट यह है कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक लड़ाई अपनी शर्तों पर नहीं लड़ पा रही। पिछले एक दशक में वह लगातार उस एजेंडा पर लड़ने को विवश हुई है जिसे भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी तैयार करते हैं। कोई भी राष्ट्रीय मुद्दा हो जाति, धर्म, अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, सामाजिक न्याय, डिजिटल पहल या कल्याणकारी योजनाएं हर मोर्चे पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया 'उत्तर' के रूप में रही, 'प्रश्न' के रूप में नहीं। एक राष्ट्रीय पार्टी की पहचान उसके अपने प्रश्नों से बनती है, अपने विचार से, अपने संघर्षों से। लेकिन कांग्रेस ने लंबे समय से यह क्षमता खो दी है कि वह खुद कोई राष्ट्रीय विमर्श तय करे। यात्रा राजनीति के जरिए राहुल गांधी ने जो नई ऊर्जा पैदा की, वह ऊर्जा संगठन में रूपांतरित नहीं हो सकी। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की उनकी यात्रा ने जिन युवाओं को, जिन सामाजिक समूहों को प्रेरित किया, उन्हें स्थाई संरचना में बदलने का कोई प्रबंध पार्टी नहीं कर सकी। ऐसे समय में जब जनमत नौकरी, महंगाई, शिक्षा और जीवन-स्तर से जुड़े वास्तविक प्रश्नों पर समाधान चाहता है, कांग्रेस के पास उन सवालों के जवाब देने के लिए एक व्यवस्थित रणनीति नहीं दिखी। समस्या का दूसरा पक्ष नेतृत्व का राज्यस्तरीय रिक्तता है। यदि कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व भीड़ जुटा लेता है, भावनाएं जगा लेता है, तो वही भावनाएं राज्यों में नेतृत्व और संगठन के अभाव के कारण वापस बिखर जाती हैं। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में कांग्रेस के पास ऐसा कोई चेहरा नहीं है जिस पर जनता भरोसा कर सके कि वह आने वाले समय में मुख्यमंत्री पद के योग्य नेता के रूप में खड़ा हो सकेगा। हरियाणा में नेतृत्व केवल खेमों की खींचतान तक सीमित है, जहां पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का प्रभाव सीमांत होता जा रहा है और नया नेतृत्व आकार नहीं ले पा रहा। राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच चलने वाला लंबा संघर्ष पार्टी की जड़ों को खोखला कर चुका है।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस लगातार कोई नया, आश्वस्त करने वाला नेतृत्व स्थापित नहीं कर सकी। दक्षिण भारत में उसकी स्थिति और भी जटिल है, जहां कई राज्यों में पार्टी न नेतृत्व दे पा रही है, न गतिशील संगठन। इन राज्यों की स्थिति इस बात का संकेत है कि समस्या अकेले शीर्ष नेताओं में नहीं, बल्कि संगठनात्मक ढांचे में है। कांग्रेस सेवा दल जैसी ऐतिहासिक विरासत कभी कांग्रेस की रीढ़ हुआ करती थी गांव-गांव जाकर लोगों को जोड़ने वाली, बूथ तक वोटर को पहुंचाने वाली, पार्टी की नीतियों को जनता के मन में उतारने वाली व्यवस्था। यह प्रणाली वर्षों में निष्क्रिय हो गई, और इसका परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस के पास अब वह नेटवर्क ही नहीं बचा जो जनता से संवाद कर सके। चुनाव केवल लोकप्रिय चेहरे नहीं जीततेय वे संगठन के बूते जीते जाते हैं। आज भी बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक फैला अनुशासित नेटवर्क है। कांग्रेस में इसके ठीक विपरीत, संगठन लगभग अस्तित्वहीन स्थिति में है। इसी संगठनात्मक कमजोरी ने कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों की बैसाखियों पर निर्भर बना दिया है। जब भी कांग्रेस गठबंधन राजनीति में प्रवेश करती है, वह नेतृत्व छोड़कर साथी दलों के एजेंडे पर चलने लगती है। एक राष्ट्रीय पार्टी का अस्तित्व उसके स्वतंत्र एजेंडे पर निर्भर करता है, न कि दूसरों की शर्तों पर। लेकिन कांग्रेस ने पिछले एक दशक में इस निर्भरता को त्यागने की कोशिश ही नहीं की। बिहार या झारखंड में महागठबंधन हो, महाराष्ट्र में साझेदारी हो, तमिलनाडु में द्रविड़ दलों पर निर्भरता हो हर जगह वह सशक्त भूमिका न लेकर एक सहायक भूमिका में दिखाई देती है। यह स्थिति उसे न केवल कमजोर करती है, बल्कि उसके मूल मतदाता को भ्रमित करती है। कांग्रेस तभी राष्ट्रीय विकल्प बन सकती है जब वह स्वयं को क्षेत्रीय समीकरणों के बोझ से मुक्त करे और राष्ट्रीय नीति-संरचना को स्वयं गढ़े। राहुल गांधी को भी इस वास्तविकता को स्वीकार करना होगा कि उनकी लोकप्रिय छवि और यात्राएं तभी सार्थक हैं जब वे संगठन के पुनरूनिर्माण से जुड़ी हों। केवल भाषण, यात्रा, संवाद से कांग्रेस का पुनर्जन्म नहीं हो सकता। उसके लिए एक अनुशासित, सक्रिय, तकनीकी रूप से सक्षम और जन-संपर्क में निपुण संगठन की आवश्यकता है। कार्यकर्ताओं को केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे वर्ष निरंतर सक्रिय रखने की व्यवस्था बनानी होगी। यदि कांग्रेस अपने संगठन का पुनर्गठन नहीं करती, तो किसी भी राज्य में नेतृत्व गढ़ने का उसका प्रयास असफल रहेगा, क्योंकि नेतृत्व तभी प्रभावी होता है जब उसके पीछे एक मजबूत संरचना हो।

इसके साथ ही कांग्रेस के सामने मुद्दों की स्पष्टता का संकट भी है। आज के भारत में बेरा. ेजगारी, कृषि संकट, महंगाई, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य व्यवस्था, आर्थिक असमानता, महिलाओं की सुरक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता जैसे विषय जनता के मन में गहरे बैठे हैं। लेकिन इन मुद्दों पर कांग्रेस की नीति का कोई स्पष्ट, ठोस दस्तावेज जनता तक नहीं पहुंचता। यह स्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि बीजेपी के पास अब कोई नया विमर्श प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त विकल्प नहीं बचा है। पिछले दस वर्षों की अधिकांश घोषणाएं अब या तो स्थिर हो गई हैं या जनमानस में अपनी सीमा तक पहुंच चुकी हैं। ऐसे समय में यदि कांग्रेस वास्तविक मुद्दों पर निर्भीकता से चलती है, तो जनता उसे विकल्प के रूप में देखने लगेगी। परंतु इसके लिए उसे अपने संवाद को सक्रिय, स्थाई और विश्वसनीय बनाना होगा।

युवाओं को जोड़ना इस समय कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा अवसर है। देश की विशाल युवा आबादी राजनीतिक रूप से सचेत है और रोजगार तथा शिक्षा से जुड़े मसलों पर अपनी भूमिका चाहती है। यदि कांग्रेस युवाओं को नेतृत्व देने का वास्तविक मंच तैयार करती है, उन्हें प्रदेश और जिला स्तर पर जिम्मेदारियां सौंपती है, संगठन को तकनीकी और डिजिटल स्तर पर आधुनिक बनाती है, तो यह नई पीढ़ी उसके पुनरुत्थान की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। किंतु यदि कांग्रेस केवल पुरानी संरचनाओं में ही उलझी रहेगी, तो उसके पास भविष्य की कोई ठोस दिशा नहीं बचेगी।

कांग्रेस को यह समझना होगा कि लोकसभा चुनाव के लिए जनता विकल्प तभी चुनती है जब वह उस विकल्प पर भरोसा कर सके। आज कांग्रेस के लिए यह भरोसा दो कारणों से कमजोर है संगठन की निष्क्रियता और नेतृत्व का अस्पष्ट स्वरूप। यदि कांग्रेस स्वयं को मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और राष्ट्रीय मुद्दों पर दृढ़ नीति के रूप में प्रस्तुत करती है, तो उसके पास आने वाले वर्षों में विकल्प बनने की संभावना बनी रह सकती है। लेकिन यदि पार्टी क्षेत्रीय गठबंधनों की बैसाखियों पर ही चलती रही, अपने आंतरिक संघर्षों को हल नहीं कर सकी, और संगठन को पुनर्जीवित करने का साहस नहीं जुटा पाई, तो उसके लिए राजनीति की मुख्यधारा में लौट पाना अत्यंत कठिन हो जाएगा। भारत की राजनीति लोकतंत्र की हिमायत और हिफाजत में एक मजबूत विपक्ष की मांग करती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सबसे तेज बनने के चक्कर में श्रद्धांजलि का पात्र मीडिया

सनी की टीम की ओर से आधिकारिक बयान जारी कर कहा गया कि मिस्टर धर्मेंद्र स्थिर हैं और ऑब्जर्वेशन में हैं। वे अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। झूठी अफवाहें न फैलाएं, प्राइवेसी का सम्मान करें और जल्द स्वस्थ होने की दुआ करें। इस अफवाहबाज गोदी मीडिया को सबसे अधिक जलालत व अपमान का सामना सोशल मीडिया में करना पड़ा। इतना आक्रोश तो उस समय भी देखना नहीं पड़ा था जब पहले भी कई बार यही गैर जिम्मेदार और झूठ परोसने वाला मीडिया कभी अमिताभ बच्चन तो कभी रजनीकांत कभी शाहरुख तो कभी फरीदा जलाल जैसे कई कलाकारों को जीवित रहते हुए भी मारने की खबरें चलाता रहा है।

तनवीर जाफरी

अन्य करोड़ों लोगों की तरह मैं भी फिल्म जगत में ही मैन के नाम से प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र का बचपन से ही प्रशंसक हूं। 1985-87 के मध्य इलाहाबाद में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने का अवसर मिला। उसी दौर में मुंबई आना जाना रहा। उन दिनों मुझे संजय खान, दारा सिंह, रणजीत, देव कुमार उनकी सुपुत्री मिस इंडिया मनीषा कोहली सहित अन्य कई कलाकारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने का अवसर मिला परन्तु इत्तेफाक से दो बार कोशिशों के बावजूद धर्मेंद्र से इसलिए न मिल सका क्योंकि मेरे मुंबई के प्रवास के दौरान वे शूटिंग पर कहीं बाहर होते। बहरहाल उनसे मिलने व उनके साथ बैठने की हसरत दिल में ही रही। इत्तेफाक से 2005 में जब मैं लोकसभा की कार्रवाई देखने के लिए दिल्ली गया था उसी दौरान संसद के मुख्य द्वार पर मेरी नजर इस महान अभिनेता पर पड़ी। उस समय वे 2004 से 2009 के मध्य बनी 14वीं लोकसभा में राजस्थान के बीकानेर लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की ओर से निर्वाचित हुए सांसद थे। मैं उन्हें देखकर जोर से बोल पड़ा अरे बीरु और धर्मेंद्र ने मेरी तरफ दोनों हाथ बढ़ाते हुए जोर से कहा आ जा मेरी जान। मैं उनकी तरफ तेजी से बढ़ा, उन्होंने बी आगे बढ़कर पूरी गर्मजोशी से मुझे दोनों हाथों से झप्पी डालते हुए इतनी जोर से उठाया कि मेरे दोनों पैर जमीन से ऊपर उठ गए। उस अविस्मरणीय क्षण को मैं आज भी भी याद करता हूं।

बहरहाल पिछले दिनों भारत के बदनाम जमाना गोदी मीडिया ने देश के उस हरदिल अजीज अभिनेता को उनके जीवनकाल में ही अपनी खबरों में श्रद्धांजलि दे डाली। गौर तलब है कि सांस लेने में दिक्कत होने के कारण उन्हें पिछले दिनों मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनके अस्पताल में भर्ती होते ही टीआरपी के भूखे गोदी मीडिया ने अपने मुख्य वाक्य सबसे तेज को साकार करने के मकसद से मोर्चा संभाल लिया। और 10-11 नवंबर के बीच अच्छे खासे बोलते बात चीत करते इस लोकप्रिय अभिनेता की मौत की झूठी अफवाहें तेजी से फैला दीं। ऐसी अफवाहबाजी कि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंहवी, तेलुगु सुपरस्टार चिरंजीवी, अभिनेत्री भाग्य, गीतकार व पटकथा लेखक जावेद अख्तर यहां कि खुद गोदी मीडिया की ही एक चर्चित पत्रकार चित्रा त्रिपाठी तक ने इसी झूठी खबर पर विश्वास करते हुए धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि व श्रद्धासुमन अर्पित कर डाले। बाद में इनमें से कई हस्तियों ने अपने ऐसे ट्वीट डिलीट भी किए? यहां तक कि कई बड़े अखबारों ने भी इसी गोदी मीडिया की इस झूठी खबर पर विश्वास हुए मुख्य पृष्ठ पर खबरें प्रकाशित कर डालीं। उधर वही धर्मेंद्र अपनी मौत की झूठी खबर फैलने के अगले ही दिन यानी 12 नवंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे सजे संवरे सर पर हैट धारण किए अपने अभिनेता पुत्रों के साथ हंसते मुस्कुराते और उसी मीडिया का अभिवादन करते हुए अपने घर जाते नजर आए परन्तु पहले भी इस तरह की अफवाह फैलाते रहने वाले गोदी मीडिया को इस बार कुछ ज्यादा ही मुंह की खानी पड़ी। न केवल धर्मेंद्र के परिवार के सदस्यों ने बल्कि धर्मेंद्र के प्रशंसकों ने भी सोशल साइट्स पर गोदी मीडिया की धज्जियां उड़ाकर रख दीं।

धर्मेंद्र की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल ने सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मीडिया हद से ज्यादा सक्रिय है और झूठी खबरें फैला रहा है। मेरे पापा स्थिर हैं और रिकवर कर रहे हैं। परिवार को प्राइवेसी दें। पापा के जल्द ठीक होने की दुआओं के लिए शुक्रिया। उसके फौरन बाद अभिनेत्री पत्नी व सांसद हेमा मालिनी ने ट्विटर पर गुस्से में लिखा कि जो हो रहा है वो अक्षम्य है। जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबरें कैसे फैला सकते हैं जो इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रहा है और रिकवर कर रहा है? यह बेहद असम्मानजनक और गैर -जिम्मेदाराना है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आखिर क्यों नहीं रुकते देश में आतंकवादी हमले

विनीत नारायण

एक बार फिर आतंकवादी हमलों ने देश की राजधानी दिल्ली को दहला दिया। लाल किले के भीड़ भरे इलाके में यह जानलेवा विस्फोट उस साजिश से कहीं कम थे जो पूरी दिल्ली को दहलाने के लिए रची गई थी। इन आतंकी हमलों के पीछे पढ़े लिखे ऐसे लोग शामिल हैं जिनसे ऐसी वैशियाना हरकत की उम्मीद नहीं की जा सकती। प्रश्न है कि जब देश की सुरक्षा एजेंसियां हर समय अपने पंजों पर रहती हैं उसके बावजूद भी देश की राजधानी जो कि सुरक्षा के लिहाज से काफी मुस्तैद मानी जाती है, वहां पर इतनी भारी मात्रा विस्फोटक सामग्री लेकर एक आतंकी कैसे घूम रहा था? कैसे इन विस्फोटक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पहुंचा? हमारी रक्षा और गृह मंत्रालय की खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थी?

इन हमलों से सारा देश हतप्रभ है पहलगाम में हुई आतंकवादी वारदात के छह महीने बाद ही ए दूसरा बड़ा झटका लगा है। सवाल उठता है कि देश में आतंकवाद पर कैसे काबू पाया जाए? हमारा देश ही नहीं दुनिया के तमाम देशों का आतंकवाद के विरुद्ध इकतरफा साझा जनमत है। ऐसे में सरकार अगर कोई ठोस कदम उठाती है, तो देश उसके साथ खड़ा होगा। उधर तो हम सीमा पर लड़ने और जीतने की तैयारी में जुटे रहें और देश के भीतर आईएसआई के एजेंट आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देते रहें तो यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। मैं पिछले 30 वर्षों से अपने लेखों में लिखता रहा हूं कि देश की खुफिया एजेंसियों को इस बात की पुख्ता जानकारी है कि देश के 350 से ज्यादा शहरों और

कस्बों की सघन बस्तियों में आरडीएक्स, मादक द्रव्यों और अवैध हथियारों का जखीरा जमा हुआ है जो आतंकवादियों के लिए रसद पहुंचाने का काम करता है। प्रधानमंत्री को चाहिए कि इसके खिलाफ एक 'आपरेशन क्लीन स्टार' या 'अपराधमुक्त भारत अभियान' की शुरुआत करें और पुलिस व अर्धसैनिक बलों को इस बात की खुली छूट दें जिससे वे इन बस्तियों में जाकर व्यापक तलाशी अभियान चलाएं और ऐसे सारे जखीरों को बाहर निकालें।

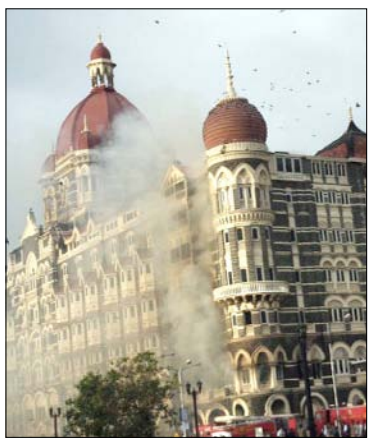

गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में हुए धमाके के बाद अपने बयान में यह साफ कहा कि आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि पूरी दुनिया देखेगी। उल्लेखनीय है कि कश्मीर के खतरनाक आतंकवादी संगठन 'हिजबुल मुजाईदीन' को दुबई और लंदन से आ रही अवैध आर्थिक मदद का खुलासा 1993 में मैंने ही अपनी विडियो समाचार पत्रिका 'कालचक्र' के 10वें अंक में किया था। इस घोटाले की खास बात यह थी कि आतंकवादियों को मदद देने वाले स्रोत देश के लगभग सभी प्रमुख दलों के बड़े नेताओं और बड़े अफसरों को भी यह अवैध धन मुहैया करा रहे थे। इसलिए सीबीआई ने इस कांड को दबा रखा था। घोटाला उजागर करने के बाद मैंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और आतंकवादियों को आ रही आर्थिक मदद के इस कांड की जांच करवाने को कहा। सर्वोच्च अदालत ने मेरी मांग का सम्मान किया और भारत के इतिहास में पहली बार अपनी निगरानी में इस कांड की जांच करवाई। बाद में यही कांड 'जैन हवाला कांड' के नाम से मशहूर हुआ। जिसने भारत की राजनी. ति में भूचाल ला दिया। पर मेरी चिंता का विषय यह है कि इतना सब होने पर भी इस कांड की ईमानदारी से जांच आज तक नहीं हुई और यही कारण है कि आतंकवादियों को हवाला के जरिए, पैसा आना जारी रहा और आतंकवाद पनपता रहा।

उन दिनों हॉगकॉग से 'फार ईर्स्टन इकोनॉमिक रिव्यू' के संवाददाता ने 'हवाला कांड' पर मेरा इंटरव्यू लेकर कश्मीर में तहकीकात की और फिर जो रिर्पोट छपी, उसका निचोड़ यह था कि आतंकवाद को पनपाए रखने में बहुत से प्रभावशाली लोगों के हित जुड़े हैं। उस पत्रकार ने तो यहां तक लिखा कि कश्मीर में आतंकवाद एक उद्योग की तरह है। जिसमें बहुतों को मुनाफा हो रहा है। उसके दो वर्ष बाद जम्मू के राजभवन में मेरी वहां के तत्कालीन राज्यपाल गिरीश सक्सैना से चाय पर वार्ता हो रही थी। मैंने उनसे आतंकवाद के बारे में पूछा, तो उन्होंने अंग्रेजी में एक व्यग्यात्मक टिप्पणी की जिसका अर्थ था कि मुझे 'घाटी के आतंकवादियों' की चिंता नहीं है, मुझे 'दिल्ली के आतंकवादियों' से परेशानी है। अब इसके क्या मायने लगाए जाए?

आतंकवाद को रसद पहुंचाने का मुख्य जरिया है हवाला कारोबार। अमरीका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के तालि. बानी हमले के बाद से अमरीका ने इस तथ्य को समझा और हवाला कारोबार पर कड़ा नियन्त्रण कर लिया। नतीजतन तब से आज तक वहां आतंकवाद की कोई घटना नहीं हुई, जबकि भारत में हवाला कारोबार बेरोकटोक जारी है। इस पर नियन्त्रण किए बिना आतंकवाद की श्वासनली को काटा नहीं जा सकता। एक कदम संसद को उठाना है, ऐसे कानून बनाकर जिनके तहत आतंकवाद के आरोपित मुजरिमों पर विशेष अदालतों में मुकदमे चला कर 6 महीनों में सजा सुनाई जा सके। जिस दिन मोदी सरकार यह कदम उठा लेगी उस दिन से भारत में आतंकवाद का बहुत हद तक सफाया हो जाएगा। यह चिंता का विषय है कि तमाम दावों और आश्वासनों के बावजूद पिछले चार दशक में कोई भी सरकार आतंकवाद के खिलाफ कोई कारगर उपाय कर नहीं पाई है। हर देश के नेता आतंकवाद को व्यवस्था के खिलाफ एक अलोकतांत्रिक हमला मानतेरहे हैं और बेगुनाह नागरिकों की हत्याओं के बाद यही कहते रहे हैं कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पर कई दशक बीत जाने के बाद भी विश्व में आतंकवाद के कम होने या थमने का कोई लक्षण हमें दिखाई नहीं देता। नए हालात में जरूरी हो गया है कि आतंकवाद के बदलते स्वरूप पर नए सिरे से समझना शुरू किया जाए। हो सकता है कि आतंकवाद से निपटने के लिए बल प्रयोग ही अकेला उपाय न हो। क्या उपाय हो सकते हैं उनके लिए हमें शोधपरख अध्ययनों की जरूरत पड़ेगी। अगर सिर्फ 70 के दशक से अब तक यानी पिछले 40 साल के अपने सोच विचार.ष्टि अपनी कार्यपद्धति पर नजर डालें तो हमें हमेशा तदर्थ उपायों से ही काम चलाना पड़ा है। इसका उदाहरण कंधार विमान अपहरण के समय का है जब विशेषज्ञों ने हाथ खड़े कर दिए थे कि आतंकवाद से निपटने के लिए हमारे पास कोई सुनियोजित व्यवस्था ही नहीं है।

यदि विश्वभर के शीर्ष नेतृत्त्व एकजुट होकर कुछ ठोस कदम उठाऐं, तो उम्मीद है कि हम आतंकवाद के साथ भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता, शोषण और बेरोजगारी जैसी समस्याओं का भी समाधान पा लें। देश इस समय गंभीर हालत से गुजर रहा है। मातम की इस घड़ी में रोने के बजाए सीमा सुरक्षा पर गिद्धदृष्टि और दोषियों को कड़ा जबाब देने की कार्यवाही की जानी चाहिए पर यह भी याद रहे कि हम जो भी करें, वो दिलों में आग और दिमाग में बर्फ रखकर करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत का जश्न मनाते भाजपा समर्थक।

साउथ कोरिया की न्यूक्लियर पनडुब्बियों में मदद करेगा अमेरिका

साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच एक समझौता, साउथ कोरियाई मंत्री बोलेः यह किम जोंग की नींद उड़ा देगी

वाशिंगटन। साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच एक समझौता हुआ है, जिसमें अमेरिका ने साउथ कोरिया को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली हमलावर पनडुब्बियां (अटैक सबमरीन) बनाने की इजाजत दे दी है।

व्हाइट हाउस ने गुरुवार को जारी किए गए एक लेटर में बताया कि अमेरिका इन पनडुब्बियों के लिए फ्यूल देने के साथ तकनीकी सहयोग भी करेगा। पिछले महीने हुए व्यापार समझौते के तहत साउथ कोरिया, अमेरिका में 29.58 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। इसमें 16.9 लाख करोड़ रुपये नकद और 12.68 लाख करोड़ रुपये जहाज निर्माण में लगेंगे। अमे. रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ये पनडुब्बियां अमेरिकी राज्य पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया के शिपयार्ड में बनेंगी, जो दक्षिण कोरियाई कंपनी हन्वा की अमेरिकी यूनिट है। हालांकि दक्षिण कोरियाई अधिकारी चाहते हैं कि ये पनडुब्बियां कोरिया में ही बनाई जाएं, क्योंकि वहां मौजूदा सुविधाएं इनका निर्माण तेजी से कर सकती हैं।

पिछले महीने हुए व्यापार समझौते के तहत साउथ कोरिया, अमेरिका में 29.58 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा

साउथ कोरियाई रक्षा मंत्री अहन ग्यू-बैक ने कहा कि यह उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की नींद उड़ा देंगी। अमेरिका और साउथ कोरिया के बीच यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों के नेताओं ने पिछले महीने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई थी, जिसके तहत अमेरिका ने टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इस वर्ष की शुरुआत में साउथ कोरिया पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दी थी। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने 15 प्रतिशत तक कम करने के लिए बातचीत की थी। वर्तमान में सिर्फ 6 देशों के पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हैं। इसमें अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और भारत शामिल है। साउथ कोरिया के पास पहले से ही लगभग 20 पनडुब्बियां हैं, लेकिन वे सभी डीजल से चलती हैं और इसलिए उन्हें बार-बार सतह पर आना पड़ता है। इसके तुलना में परमाणु पनडुब्बियां लंबे समय तक पानी के अंदर रह सकती हैं, तेज गति से चल सकती हैं और दूर तक ऑपरेशन कर सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेस के दौरान कार के बाड़ से टकराने से नौ लोग घायल

सिडनी। सिडनी के उत्तर में एक रेस कार्यक्रम के दौरान एक कार के बाड़ से टकराने से नौ लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि वाहन एक दौड़ में हिस्सा ले रहा था और शनिवार शाम लगभग 6:15 बजे सिडनी से 320 किलोमीटर उत्तर में स्थित वाल्चा के छोटे से शहर में एक बाड़ से टकराने के बाद एक मंच से टकरा गया। दर्शकों ने घायलों को एम्बुलेंस पैरामेडिक्स आने तक सहायता प्रदान की और 20 से 75 वर्ष की आयु के सात पुरुषों और दो महिलाओं को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया।

आईएफएफआई ने इफिस्टा 2025 का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) इस वर्ष दूरदर्शन द्वारा प्रस्तुत चार दिवसीय संगीत एवं प्रदर्शन कार्यक्रम इफिस्टा 2025 के साथ अपने सांस्कृतिक प्रभाव को व्यापक बनाने के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम गोवा के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम में 21 से 24 नवम्बर तक प्रतिदिन शाम 6:00 बजे से 8:00 बजे तक चलेगा। वेव्स कल्चरल्स एंड कॉन्सर्ट्स के तहत तैयार किया गया।

कॉप-30 में हरित औद्योगिकरण के लिए बेलेम घोषणा पत्र जारी

बेलेम। ब्राजील के बेलेम में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन (कॉप-30) में 35 देशों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और संस्थाओं के समर्थन से हरित औद्योगीकरण के लिए बेलेम घोषणापत्र जारी किया गया। यह दस्तावेज तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास के एक स्थाई मॉडल को स्थापित करने के लिए पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भागीदार देश साझा प्रयास करेंगें और समन्वित कार्रवाई करेंगे।

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ GenZ का प्रदर्शन

120 घायल, मेयर की मौत से गुस्साए, राष्ट्रपति निवास की दीवारें गिराईं

मेक्सिको। मेक्सिको में हजारों जैन-जी बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा में मिल रही छूट, सार्वजनिक हत्या औरा सुरक्षा की कमी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। यह गुस्सा एक मेयर की सार्वजनिक हत्या के बाद और भड़क गया। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में 1 नवम्बर को उरुअपन के मेयर कार्लोस मंजो की एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुस्साए जैन-जी ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास नेशनल पैलेस की सुरक्षा दीवारों को गिरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, हथौड़े, पटाखों, लाठियों और जंजीरों से हमला किया। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी। राजधानी के सुरक्षा सचिव पाब्लो वाजक्वेज ने द इंडिपेंडेंट को बताया कि प्रदर्शन में 120 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 100 पुलिस अधिकारी हैं। वहीं 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस साल कई देशों में जेन जेड युवा असमानता, लोकतंत्र की गिरावट और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितम्बर में सोशल मीडिया बैन के बाद बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिससे प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा।

मेक्सिको में भी युवा भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों में मिल रही छूट से परेशान हैं। 29 साल के बिजनेस कंसल्टेंट एंड्रेस मासा ने कहा कि हमें ज्यादा सुरक्षा चाहिए। प्रदर्शन में सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि मध्यम आयु और बुजुर्ग वर्ग के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

43 वर्षीय चिकित्सक एरिजबेथ गार्सिया ने बताया कि हम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए ज्यादा फंडिंग चाहते हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा है। डाक्टर भी असुरक्षित हैं। यहां कोई मारा जाता है और कुछ नहीं होता। मेक्सिको ने हाल में हुए कई हाई-प्रोफाइल हत्याकांडों ने राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम को लेकर जनता में गुस्सा भर दिया है। प्रदर्शन से कुछ दिन पहले शीनबाम ने दक्षिणपंथी विपक्षी दलों पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये दल जेन जेड आंदोलन में घुसपैठ कर रहे हैं और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके प्रदर्शन को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, इस हफ्ते कुछ जैन-जी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने प्रदर्शन से अपना समर्थन वापस ले लिया। दूसरी ओर, पूर्व राष्ट्रपति विसेंट फाक्स और मेक्सिको के अरबपति उद्योगपति रिकार्डो सालिनास प्लिजियो ने सोशल मीडिया पर प्रदर्शन का खुला समर्थन किया। विरोध में जेन-जी (18 से 29 साल के युवा) जापानी कामिक्स 'वन पीस' के केरेक्टर 'लूफी' को अपना प्रतीक बना रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथ में खोपड़ी वाली टोपी का निशान देखा जा रहा है, जो लूफी की पहचान है। एक छात्र नेता लियोनार्डो मुन्योस ने कहा कि लूफी जगह-जगह जाकर भ्रष्ट और तानाशाही शासकों से जनता को आजाद कराता है। यहां भी वही स्थिति है। अब और खामोश नहीं रहेंगे छात्र सैंटियागो जापाटा ने कहा हम इस बात से थक चुके हैं कि मौत और भ्रष्टाचार को सामान्य बना दिया गया है। हमारी पीढ़ी अब खामोश नहीं बैठेगी। सरकार को जनता से डरना चाहिए, न कि जनता को सरकार से। वन पीस जापान की मशहूर कामिक्स और ऐनिमे सीरीज है। इसकी कहानी समुद्री डाकुओं (पाइरेट्स) पर आधारित है, जो आजादी, दोस्ती और न्याय के लिए लड़ते हैं। यह सीरीज पूरी दुनिया में युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय है। जैन-जी ने प्रदर्शन के लिए जापानी कामिक्स 'वन पीस' के केरेक्टर 'लूफी' के मशहूर निशान खोपड़ी के झंडे लहराए। बांग्लादेश, नेपाल और अफ्रीकी महाद्वीप में भी जैन-जी प्रदर्शन हुए। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और आर्थिक असमानता से त्रस्त यह युवा पीढ़ी अब केवल विरोध नहीं कर रही, वह सरकारें बदल रही है। पिछले एक साल में केन्या, मेडागास्कर, मोरक्को और बोत्सवाना जैसे देशों में जेन-जी के नेतृत्व में व्यापक प्रदर्शन हुए।

जापान में चीनी नागरिक सुरक्षित नहीं: चीन

बीजिंग। चीन ने रविवार को जापान पढ़ने जाने वाले चीनी छात्रों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। चीन का कहना है कि जापान में इन दिनों सुरक्षा स्थिति ठीक नहीं है और वहां रहने वाले चीनी नागरिकों के लिए खतरा बढ़ गया है। चीन के मुताबिक, जापान में हाल ही में अपराध बढ़े हैं और चीनी छात्रों के लिए माहौल पहले जैसा सुरक्षित नहीं रहा। चीन की यह चेतावनी उस समय आई है जब जापान की नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने संसद में ताइवान को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया या उस पर दबाव बनाने की कोशिश की, तो जापान अपनी सैन्य कार्रवाई करेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया है। चीन का कहना है कि ताकाइची का यह बयान दोनों देशों के रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकता है और पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ा सकता है। चीन ने इस बयान का विरोध करते हुए जापान के राजदूत को तलब किया और प्रधानमंत्री से अपने बयान को वापस लेने की मांग की। दूसरी तरफ, जापान ने भी चीन के एक राजनयिक की सोशल मीडिया पोस्ट पर आपत्ति जताई है। चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया, तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा।

जापान के प्रधानमंत्री अपने गैर-परमाणु सिद्धांतों में करेंगे बदलाव

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री अपने उन 3 गैर-परमाणु सिद्धांतों की समीक्षा करने पर विचार कर रहे हैं जो उसे परमाणु हथियार नहीं रखने, उसका उत्पादन नहीं करने और जापानी क्षेत्र में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते हैं। जापान के प्रधानमंत्री के इस कदम से देश की सुरक्षा नीति में एक बड़े बदलाव का संकेत मिल रहा है। जापान के प्रधानमंत्री साने ताकाइची देश में लंबे समय से चले आ रहे उन तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों की समीक्षा करने पर विचार कर रहे हैं। क्योंकि न्यूज के अनुसार प्रधानमंत्री के इस विचार से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद तय है।

प्रधानमंत्री के इस विचार से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद तय है

ताकाइची जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति और दो संशोधित दस्तावेजों को अद्यतन करते हुए तीसरे सिद्धांत को भी संशोधित करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि वे परमाणु हथियारों को जापान के क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर इस सिद्धांत में बदलाव किया जाता है तो यह देश की सुरक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इस पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विवाद होना तय है। गौरतलब है कि वर्ष 1967 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री ईसाकु सातो ने देश की संसद डाइट में अपने तीन परमाणु सिद्धांतों की घोषणा करते हुए कहा था कि उनका देश अब न तो परमाणु हथियार रखेगा, न ही उनका उत्पादन करेगा और न ही जापानी क्षेत्र में परमाणु हथियारों के प्रवेश की अनुमति होगी। जापान में तब से इसे एक राष्ट्रीय सिद्धांत माना जाता है। जापान में वर्ष 1922 में कैबिनेट द्वारा जब राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति अनुमोदित की गई, तब उस समय भी कहा गया कि तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों का पालन करने की मूल नीति भविष्य में भी अपरिवर्तित रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ताकाइची का परमाणु हथियार न रखने या उनका उत्पादन न करने के जापान के रुख को संशोधित करने का कोई इरादा नहीं है लेकिन उनका मानना है कि परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति न देने से अमेरिकी परमाणु-सशस्त्र जहाजों के बंदरगाहों पर आने-जाने में बाधा आ सकती है, जिससे अमेरिकी परमाणु प्रतिरोध कमजोर हो सकता है।

ताइवान के जल क्षेत्र में देखे गए चीनी विमान और नौसेना जहाज

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रीय जलक्षेत्र के आसपास रविवार सुबह 6 बजे तक चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 30 विमानों और सात नौसेना (पीएलएएन) के जहाजों के साथ-साथ एक चीनी आधिकारिक जहाज को सक्रिय देखा गया।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास 30 पीएलए विमान, 7 पीएलए के जहाज और 1 आधिकारिक जहाज सक्रिय देखे गए। 17 उड़ानें मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। हमने स्थिति पर नजर रखी है और जवाबी कार्रवाई की है। ताइवान ने चीन की गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए विमान और नौसैनिक जहाज तैनात किए और चीनी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए तट-आधारित मिसाइल प्रणालियों को सक्रिय किया। चीन की गतिविधियों में वृद्धि को ताइवान और अमेरिका की हालिया रक्षा खरीद की पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि 13 नवम्बर को ही अमेरिका ने 33 करोड़ अमेरिकी डॉलर के लड़ाकू विमानों और विमानों के पुर्जों को ताइवान को बेचने पर सहमति जताई थी।

जलवायु जिम्मेदारी निभाते हुए विकास कर रहा भारत

यूएनडीपी प्रमुख हाओलियांग शू बोलेः भारत ने ये दिखायाः आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं

भारत इस तरह विकास कर रहा है जो आर्थिक रूप से मजबूत और जलवायु-उत्तरदाई दोनों हों

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत ने ये दिखाया है कि आर्थिक विकास और सामाजिक समावेश एक साथ आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि समतापूर्ण विश्व बनाने के लिए दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है। यूएनडीपी के कार्यवाहक प्रशासक हाओलियांग शू ने कहा कि भारत के विकास की कहानी न केवल आर्थिक प्रगति के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी है कि प्रौद्योगिकी और सहभागी शासन साथ-साथ चल सकते हैं।

शू ने कहा कि जलवायु अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और समावेशी डिजिटल वित्त के प्रति भारत की प्रतिबद्धता विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाने का एक उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि भारत इस तरह विकास कर रहा है जो आर्थिक रूप से मजबूत और जलवायु-उत्तरदाई दोनों हों। डिजिटलीकरण और जलवायु कार्रवाई सहित सहयोग के नए क्षेत्रों को मजबूत करने और उनकी पहचान करने के लिए हाओलियांग शू भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं। यूएनडीपी के नवीनतम मानव विकास सूचकांक से पता चलता है कि मानव विकास में वैश्विक प्रगति 35 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है और पिछले दो वर्षों से यह लगभग स्थिर है। शू ने जलवायु परिवर्तन और गरीबी सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के विकास माडल की सराहना की। यूएनडीपी प्रमुख ने कहा कि भारत ने दिखाया है कि तेज विकास को लोगों, विशेष रूप से ऐतिहासिक रूप से पिछड़े लोगों में सोच-समझकर किए गए निवेश से जोड़ा जा सकता है। शू ने खासकर भारत के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) और आयुष्मान भारत का उल्लेख किया और कहा कि ये कार्यक्रम आजीविका सुरक्षा को सामाजिक सुरक्षा के साथ जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और वित्तीय समावेशन प्लेटफार्मों, जिनमें जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी और यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) शामिल हैं, ने करोड़ों लोगों तक पारदर्शी और सीधे लाभ पहुंचाने में मदद की है।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, सात लोग मरे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए शक्तिशाली विस्फोट में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राहत एवं आपातकालीन बचाव टीम 1122 सिंध के प्रवक्ता हसन उल हसीब ने बताया कि यह विस्फोट शनिवार शाम हैदराबाद जिले के लगहारी गोठ में हुआ। उन्होंने कहा कि विस्फोट के बाद भीषण आग ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया।

टेम्स नदी में इंडियन के पैर धोने से विवाद

सोशल मीडिया यूजर बोलेः गंगा-यमुना काफी नहीं, टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो

लंदन। लंदन की मशहूर टेम्स नदी में एक भारतीय युवक के पैर धोने से विवाद छिड़ गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि उसने नदी में नहाने की भी कोशिश की थी।

टेम्स नदी लंदन की पहचान मानी जाती है और इसके किनारे संसद भवन, लंदन आई और टावर ब्रिज जैसी मशहूर जगहें हैं। जब यह वीडियो इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर सामने आया, तो लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं दी। एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि गंगा-यमुना काफी नहीं थीं, अब टेम्स को भी वैसा बनाना चाहते हो। एक अन्य ने लिखा कि इंडियन आदमी टेम्स में पैर धो रहा है, लोग नाराज हैं। ये कैसी हरकतें हैं? कई सोशल मीडिया यूजर्स ने युवक के सपोर्ट में भी ट्वीट किए हैं। एक

यूजर ने लिखा कि पैर धोने में आखिर समस्या क्या है। सम्मान के साथ पूछ रहा हूं, इसमें दिक्कत क्या है? एक यूजर ने पूछा-क्या पानी में पैर डालना गैरकानूनी है? एक यूजर ने लिखा कि नदी का रंग ही बता रहा है कि इसमें कुछ भी धोना ठीक नहीं। दूसरे ने मजाक में कहा-भाई, पैर मत धोओ, लोग यही पानी पीते हैं। टेम्स नदी लंदन शहर के बीच से गुजरती है और सदियों से शहर के विकास, व्यापार और परिवहन का मुख्य आधार रही है। रोमन साम्राज्य के समय से ही यह नदी महत्वपूर्ण रही है। लंदन शहर की स्थापना भी इसी नदी के किनारे हुई थी। टेम्स नदी पर लंदन ब्रिज, टावर ब्रिज, वेस्टमिंस्टर पैलेस, लंदन आई और टेम्स बैरियर जैसे फेमस ब्रिज हैं। नदी के किनारे कला, संगीत, थियेटर और त्योहारों से जुड़ी कई एक्टिविटी होती हैं। टेम्स पर की जाने वाली क्रूज यात्राएं लंदन के प्रमुख आकर्षणों में से हैं। इस विवाद के बीच, नदी की सफाई और प्रदूषण पर भी चर्चा शुरू हो गई। 'द गार्जियन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेम्स नदी के कई हिस्सों में ई.कोली बैक्टीरिया और सीवेज के प्रदूषण की मात्रा काफी बढ़ गई है। जांच में यह भी पाया गया कि नदी में गीले वाइप्स और प्लास्टिक का कचरा जमा होकर वेट वाइप आइलैंड्स जैसी बड़ी ढेरियां बन चुकी हैं। ऐसा ही एक बड़ा ढेर हेमरस्मिथ ब्रिज के पास मिला है।

मादुरो ने अमेरिकी धमकियों के खिलाफ लामबंदी का आह्वान किया

काराकास। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका और त्रिनिदाद एवं टोबैगो द्वारा संयुक्त सैन्य अभ्यास की घोषणा के बाद देश के पूर्वी क्षेत्र में स्थाई तौर पर सतर्कता बरतने और लामबंदी का आह्वान किया है। मादुरो ने उत्तरी राज्य मिरांडा के पेटारे में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं एक बार फिर पूर्वी राज्यों-दक्षिणी बोलिवर, डेल्टा अमाकुरो, मोनागास, सूक्रे, एंज़ोएटेगुई और नुएवा एस्पार्टा-के सभी लोगों से नागरिकों, सैन्य बलों और पुलिस के बीच पूर्ण एकता बनाए रखने, सतर्कता बरतने और वेनेजुएला का झंडा ऊंचा करके सड़कों पर मार्च करने का आह्वान करता हूं।